शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ लड़ना हमारा कर्तव्य: बी.एस. येदियुरप्पा ..@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 04 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-92

मुस्लिम तुष्टिकरण के कांग्रेसी दुश्चरित्र का खामियाजा देश ने भुगता

देश बांटने के बाद भी नेहरू ने क्यों जारी रखा वक्फ कानून?

शुभ-लाभ विमर्श

वक्फ संशोधन कानून को लेकर देश में चर्चा जारी है। वक्फ संशोधन विधेयक दो अप्रैल को लोकसभा से और तीन अप्रैल को राज्यसभा से पारित हो गया। अब यह कानून की शक्ल में देश में लागू होगा। मुस्लिम आक्रांताओं द्वारा मस्जिदों संचालन के लिए दिए गए दो गांवों से शुरू हुआ भारत में वक्फ सम्पत्ति का रिवाज आज 9.4 लाख एकड़ तक पहुंच गया है। आज भारत में वक्फ के पास 8.7 लाख से ज्यादा सम्पत्तियां हैं। दुनिया के किसी भी देश, यहां तक कि मुस्लिमों मुल्कों में भी वक्फ के पास इतनी सम्पत्तियां नहीं हैं। लेकिन इन सम्पत्तियों का इस्तेमाल कौन कर रहा है? वक्फ की सम्पत्तियों पर खास लोगों का कब्जा क्यों है? वक्फ के पास अकूत सम्पत्ति होते हुए गरीब मुसलमान, पसमांदा मुसलमाना, तलाकशुदा मुस्लिम महिलाएं, विधवा महिलाएं, अनाथ बच्चे जहालत की जिंदगी क्यों जी रहे? वक्फ की सम्पत्ति से कुछ खास लोग ऐश क्यों कर रहे? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब तलाशने की प्रक्रिया में ही वक्फ संशोधन विधेयक का इलाज सामने आया।

भारत में वक्फ की औपचारिक शुरुआत का अपश्रेय इस्लामी आक्रांता मोहम्मद गोरी को जाता है। गोरी अफगानिस्तान के घोर प्रांत से आया एक तुर्की शासक था, जिसने 12वीं सदी के अंत में भारत पर कई हमले किए। 1175 में उसने मुल्तान के इस्माइली शासक को हराया था। गोरी ने सन 1185 में मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांव दान में दिए। इन गांवों का मैनेजमेंट शेख-अल-इस्लाम को सौंपा गया। मुगल काल में भी मस्जिद-मकबरों-दरगाहों को इस्लामी शासक बड़ी-बड़ी सम्पत्तियां देते रहे।

जब अंग्रेज आए तो उन्होंने इस पर नियंत्रण करने की कोशिश की, लेकिन मुस्लिमों के विरोध के बाद उन्होंने इसे कानूनी रूप दे दिया। इस कानून का ड्राफ्ट पाकिस्तान के जन्मदाता मोहम्मद अली जिन्ना ने तैयार किया था। भारत जब आजाद हुआ तो भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इसे हटाने के बजाय इसे जारी रखा। इस्लाम के आधार पर देश का टुकड़ा कराने के बाद भी नेहरू का मुस्लिम तुष्टिकरण जारी रहा। नेहरू ने 1954 में वक्फ एक्ट बनाया। इससे वक्फ बोर्ड नाम की एक संस्था बनी। इस कानून के तहत कांग्रेस की सरकार ने बंटवारे के बाद भारत से पाकिस्तान गए मुस्लिमों की जमीनें एवं सम्पत्तियां वक्फ बोर्डों को दे दी। इस कानून के लागू होने के एक साल बाद यानि सन 1955 में इसमें संशोधन करके हर राज्य में वक्फ बोर्ड बनाए जाने का रास्ता खोल दिया गया।

इसका परिणाम यह हुआ है कि आज देश के करीब 32 राज्यों में वक्फ बोर्ड हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में शिया और सुन्नी मुस्लिमों के लिए अलग-अलग वक्फ बोर्ड हैं। ये बनाए गए थे वक्फ की सम्पत्तियों का रजिस्ट्रेशन, देखरेख और उनका प्रबंधन करने के लिए, लेकिन ये बोर्ड आज सरकारी जमीनों और इमारतों के साथ-साथ हिंदुओं के पूरे के पूरे गांवों तक पर दावा करने लगे। 1964 में एक संशोधन पारित किया गया था। इसके तहत केंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के केंद्रीकरण को बढ़ावा देना शामिल था। यह भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है। यह केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन आता है। इसका काम केंद्र सरकार को सलाह देना है।

केंद्रीय वक्फ परिषद का उद्देश्य वक्फ संबंधित मामलों में केंद्र सरकार को सलाह देने का काम था। यह सलाह वक्फ सम्पत्तियों के रख-रखाव से संबंधित होता था। केंद्रीय वक्फ परिषद का अध्यक्ष केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री होता है। सन 1984 में वक्फ प्रशासन के पुनर्गठन के लिए वक्फ जांच समिति गठित की गई। उसकी रिपोर्ट का मुस्लिमों ने भारी विरोध किया। इसके बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। शाहबानो और मंडल-कमंडल के बीच बाबरी ढांचा गिरने के बाद तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण की नई परिभाषा लिखी। प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने दो बड़े विवादित कानून बनाए। इनमें से एक पूजा स्थल अधिनियम और दूसरा वक्फ बोर्ड 1995 शामिल है। वक्फ बोर्ड 1995 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने वक्फ बोर्ड को बेहद ताकतवर बना दिया।

इस एक्ट की धारा 3(आर) में कहा गया कि अगर किसी सम्पत्ति को मुस्लिम कानून के मुताबिक पवित्र, मजहबी या परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की सम्पत्ति हो जाएगी। इसमें कहा गया है कि यदि वक्फ बोर्ड को लगता है कि कोई भी जमीन किसी मुस्लिम की है तो वह उसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर सकता है। इसके लिए वक्फ बोर्ड को कोई कागजात पेश करने की जरूरत नहीं होगी। ▶10पर

लोकसभा में पारित होने के बाद राज्यसभा से भी पास हुआ विधेयक

कानून बनने के लिए तैयार वक्फ संशोधन विधेयक

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पास करा लिया। सरकार को एनडीए के सभी घटक दलों का जबरदस्त समर्थन मिला और विधेयक के पक्ष में 288 सांसदों ने वोट किया। इसके विपक्ष में 232 वोट पड़े। इसके अगले ही दिन तीन अप्रैल को यह विधेयक राज्यसभा पेश हुआ। विधेयक पर देर रात बहस होने के बाद राज्यसभा ने ध्वनिमत से वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कर दिया। राज्यसभा से पारित होते ही अब नया वक्फ कानून बनने का रास्ता साफ हो गया। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को इस बिल को राज्यसभा में पेश किया।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगियों से वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का समर्थन करने की अपील करता हूं। इस दौरान सरकार ने एक और बात स्पष्ट की। वह थी कि इस विधेयक के कानून बनने के बाद कैसे मामलों में दखल दिया जा सकता है। सरकार ने साफ किया कि कानून पुराने मामलों पर लागू नहीं होगा। मंत्री ने कहा कि यह उसी स्थिति में है,

ध्वनिमत से राज्यसभा से पारित हो गया वक्फ विधेयक

राज्यसभा में विधेयक पर मतदान की नौबत नहीं आई

जिन मामलों में कोई विवाद नहीं है। रिजिजू ने विधेयक के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कानून लागू हो जाने के बाद जिन मामलों में कोई विवाद नहीं है, उनमें कोई दखल नहीं दिया जा सकता। उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हालांकि, ऐसे मामले जिनमें विवाद है, जो न्यायाधिकरण में लंबित है, बातचीत चल रही है, ऐसे में ट्रिब्यूनल के अधिकार में हम दखल नहीं दे सकते। विवादित न होने की सूरत में प्रस्तावित कानून का किसी सम्पत्ति पर कोई असर नहीं होगा। वैसे भी जमीन राज्य सरकार का मामला है। केंद्र सरकार से उसका कोई लेना देना नहीं है।

रिजिजू ने कहा कि दुनिया का सबसे ज्यादा वक्फ सम्पत्ति भारत में है और भारत में सबसे ज्यादा जमीन भी वक्फ बोर्ड के पास है।

रेलवे और रक्षा क्षेत्र की सम्पत्ति देश की सम्पत्ति है और ये सभी देशवासी की सुविधा और रक्षा के लिए इस्तेमाल होती है। संशोधन के बाद वक्फ सम्पत्ति की पूरी ट्रैकिंग होगी। इससे गरीब मुसलमानों का भला होगा। रिजिजू ने कहा कि जो सम्पत्ति वक्फ के पास पंजीकृत है तो उसमें कोई छेड़छाड़ नहीं होगी, लेकिन जो मामला विवादित है, उसमें ट्रिब्यूनल फैसला करेगी। रिजिजू ने कहा कि अब जो ट्रिब्यूनल बनेगा, उसका नियत कार्यकाल होगा। अगर ट्रिब्यूनल में आपको न्याय नहीं मिला तो सिविल मामले में किसी और अदालत में अपील कर सकते हैं। पहले ऐसा नहीं था। हमने ये बदलाव किए हैं। ▶10पर

बैंकॉक पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भावपूर्ण स्वागत

विस्तारवाद नहीं विकासवाद में विश्वास : पीएम मोदी

बैंकॉक, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा की मौजूदगी में दोनों देशों ने कई समझौतों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।

भारत और थाईलैंड के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक रिश्ते हैं

संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुली, समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं और विस्तारवाद की जगह विकास की नीति में विश्वास रखते हैं। इस बातचीत के दौरान व्यापार, निवेश और व्यवसायिक आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। भारत और थाईलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों देश इंडो-पैसिफिक में एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था का समर्थन करते हैं और विस्तारवाद नहीं बल्कि विकास की नीति में विश्वास करते हैं। मोदी ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद अपने थाई समकक्ष पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ एक संयुक्त प्रेस कार्यक्रम में यह टिप्पणी की।

मोदी ने कहा, हमने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), हथकरघा और हस्तशिल्प के क्षेत्रों में भी सहयोग पर सहमति बनी है। ▶10पर

खुलते जा रहे हैं सोरोस की साजिशों के नए नए अध्याय

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश को अस्थिरता की आग में झोंकने वाले अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस की भारत विरोधी हरकतों के नए नए अध्याय लगातार खुलते जा रहे हैं। अमेरिकी फंडिंग एजेसी यूएसएड और जॉर्ज सोरोस की भारत विरोधी फंडिंग की जांच में प्रवर्तन निदेशालय को लगातार नए सुराग और सबूत हासिल हो रहे हैं। ईडी की जांच में बेंगलुरु की कंपनी एए-सएआर सोशल इम्पैक्ट एडवाइजर्स के सोरोस से फंडिंग पाने के साथ-साथ यूएसएड से भी अकूत धन पाने के सबूत मिले हैं। यानि, बेंगलुरु की यह संस्था भी जॉर्ज सोरोस की साजिशों का हिस्सा है।

ईडी पिछले कुछ समय से सोरोस के तथाकथित इकोनॉमिक डेवलपमेंट फंड (एसईडीएफ) की जांच कर रहा है। जांच में यह तथ्य सामने आया कि बेंगलुरु की तीन कंपनियों एएसएआर सोशल इम्पैक्ट एडवाइजर्स, रूटब्रिज सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड और रूटब्रिज एकेडेमी लिमिटेड को वर्ष 2021 से 2024 के बीच 25 करोड़ रुपए मिले। इसके साथ ही एएसएआर को 2022-23 में यूएसएड से भी 8 करोड़ रुपए मिले। फंडिंग के इस लेनदेन में विदेशी मुद्रा विनिमय कानून (फेमा) का उल्लंघन किया गया। एएसएआर ने ईडी के समक्ष सफाई दी है कि यूएसएड का पैसा दिल्ली के थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्लू) को दी गई सर्विसेज के लिए पुनरभुगतान का पैसा था। सीईईडब्लू का कहना है कि उनका काम हवा को साफ करने से जुड़ा था, जो अब खत्म हो चुका है। लेकिन एएसएआर के अधिकारी ये साफ नहीं बता पाए कि उन्होंने सीईईडब्लू को क्या सर्विस दी और यूएसएआईडी इसमें कैसे शामिल हुआ। यह रहस्य अभी अनसुलझा है। सीईईडब्लू ने कहा, हमारा जॉर्ज सोरोस या ओपन सोसायटी फाउंडेशन से कोई लिंक नहीं है। ▶10पर

सोनिया गांधी क्यों नहीं लौटातीं नेहरू-एडविना की चिट्ठियां!

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निजी दस्तावेजों तक पहुंच देने की मांग की है। इन दस्तावेजों में नेहरू और एडविना माउंटबेटन के बीच हुए पत्राचार भी शामिल हैं, जिन्हें सोनिया गांधी ने 2008 में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी (एनएमएमएल) से वापस ले लिया था।

पीएमएमएल का कहना है कि ये दस्तावेज भारत के आधुनिक इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पीएमएमएल ने सोनिया गांधी से अनुरोध किया है कि वे नेहरू से जुड़े अन्य ऐतिहासिक पत्र भी दान करें ताकि देश के इतिहास को बेहतर तरीके से समझा जा सके।यह पहली बार नहीं है जब पीएमएमएल ने नेहरू के निजी दस्तावेजों की मांग की है। इससे पहले भी सोनिया गांधी से नेहरू द्वारा लिखे गए पत्रों की डिजिटल या फोटोग्राफिक प्रतियां मांगी गई थीं लेकिन तब कोई जवाब नहीं मिला था। फरवरी 2024 में पीएमएमएल की वार्षिक बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। बैठक में सुझाव दिया गया था कि नेहरू के 51 बक्सों में रखे दस्तावेजों को फिर से लाया जाए और उनके उपयोग व स्वामित्व पर कानूनी राय ली जाए।

2008 में सोनिया गांधी द्वारा वापस लिए गए दस्तावेजों में नेहरू और कई मशहूर हस्तियों जैसे जयप्रकाश नारायण, एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, अरुणा आसफ अली, विजयलक्ष्मी पंडित और जगजीवन राम के बीच पत्राचार शामिल हैं। पीएमएमएल का मानना है कि ये दस्तावेज भारत के इतिहास को समझने में मदद करेंगे। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट के मात्र पांच न्यायाधीशों ने दिया सम्पत्ति का ब्यौरा

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किए जाने के फैसले के बावजूद सुप्रीम कोर्ट के मात्र पांच न्यायाधीशों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया है। इन पांच न्यायाधीशों में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना भी हैं। जस्टिस खन्ना के साथ न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी ने अपनी-अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया है। यह ब्यौरा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा।

फैसला हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों को अपनी सम्पत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के सामने करनी होगी। न्यायाधीशों की बैठक में लिए गए इस फैसले के दायरे में मुख्य न्यायाधीश भी आएंगे। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी सम्पत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक एक अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी सम्पत्ति की घोषणा करनी होगी।अब तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी सम्पत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर सम्पत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना। ▶10पर

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसएमवीटी बेंगलूरु और कलबुर्गी के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गर्मियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने एसएमवीटी बेंगलूरु और कलबुर्गी के बीच प्रत्येक दिशा में 30 ट्रिप के लिए ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

ट्रेन संख्या 06519 एसएमवीटी बेंगलूरु – कलबुर्गी ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस रात 09.15 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07.40 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी। इसके तहत 4, 5, 6, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 25, 26, 27 अप्रैल, 2, 3, 4, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 23, 24, 25 मई और 6, 7, 8, 13, 14 और 15 जून को विशेष ट्रेन संचालित होगी। ट्रेन संख्या 06520 कलबुर्गी – एसएमवीटी बेंगलूरु समर स्पेशल एक्सप्रेस सुबह 09:35 बजे कलबुर्गी से रवाना होगी और उसी दिन शाम 8 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। यह सुविधा 5, 6, 7, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 26, 27 और 28 अप्रैल, 3, 4, 5, 10, 11, 12, 17, 18, 19, 24, 25, 26 मई और 7, 8, 9, 14, 15 और 16 जून को उपलब्ध होगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में येलहंका, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अदोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में 19 कोच होंगे, जिनमें 1 एसी टू टियर, 1 एसी थ्री टियर, 11 स्लीपर क्लास और 4 जनरल सेकंड क्लास और 2 लगेज-कम-ब्रेकवैन होंगे, जिसमें विकलांगों के लिए सुविधाजनक डिब्बे होंगे।

राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी राजनंदिनी का भव्य स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन द्वारा राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी राजनंदिनी जी का बेंगलूरु में भव्य स्वागत भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित श्री राम कथा के लिए राष्ट्रीय कथा वाचिका देवी राजनंदिनी जी का बेंगलूरु आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। संगठन के पदाधिकारियों, मातृशक्ति, युवा प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने पुष्पगुच्छ, जयघोष और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका आत्मीय अभिनंदन किया। जैसे ही परम पूज्या देवी राजनंदिनी जी बेंगलूरु पहुंचीं, पूरा वातावरण जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। संगठन के वरिष्ठ सदस्यों ने उन्हें पुष्पमालाएं अर्पित कर सम्मानित किया, वहीं महिलाओं ने मंगल गीतों के माध्यम से उनका अभिनंदन किया। युवाओं ने शंखनाद और ढोल-नगाड़ों के साथ इस स्वागत को और भव्य बना दिया। इस अवसर पर भारतीय राजपुताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार भी उप-स्थित रहे। उन्होंने कहा कि देवी राजनंदिनी जी के आगमन से पूरा बेंगलूरु धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण में रंग चुका है। श्री राम कथा का आयोजन 4 से 6 अप्रैल तक श्री अभय अंजनीस्वामी मंदिर, कटमनल्लूर गेट फ्लाईओवर, निम्बकयापुरा में किया जा रहा है। कथा संध्या 3:30 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगी, जिसमें भक्तों को भगवान श्रीराम के दिव्य जीवन और आदर्शों की अनुपम झलक मिलेगी।

नवकार महामंत्र दिवस का प्रचार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ, युवा शाखा और महिला विंग द्वारा बेंगलूरु में जीतो द्वारा आगामी 9 को भव्य रूप से आयोजित नवकार महामंत्र दिवस का जोर शोर से प्रचार प्रसार ब्यावर के सभी प्रवासी परिवारों के मध्य किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि विश्व शान्ति, समाज कल्याण और समाज की एकता के लिए जैन इन्टरनेशनल ट्रैड ऑर्गेनाइजेशन द्वारा बहुत ही सुन्दर पहल नवकार महामंत्र दिवस की शुरुआत इस वर्ष से होने जा रही है जो सभी के लिए गौरव की बात है। जीतो की इस मुहिम में समस्त ब्यावर संघ के सदस्य जीतो के साथ हैं और श्री ब्यावर संघ, युवा शाखा और महिला विंग के समस्त सदस्य 9 अप्रैल को महामंत्र नवकार का जाप करेंगे। इस अवसर पर श्री ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खींवेसरा, अध्यक्ष पदम बोहरा, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, महिला विंग की चन्द्रकला डाकलिया, जीया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख, सीमा बोहरा के साथ संघ के अनेक पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

कर्नाटक भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रण नहीं मिलने से परमेश्वर नाखुश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि दिल्ली में आयोजित कर्नाटक भवन के उद्घाटन कार्यक्रम की एक तस्वीर मैंने अखबार में देखी। उन्होंने परोक्ष रूप से अपनी अधीरता व्यक्त करते हुए मजाक में कहा कि वह इसमें शामिल नहीं हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैंने कर्नाटक भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। इसका उद्घाटन कल हुआ। लेकिन मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और लोक निर्माण मंत्री ने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुझे आमंत्रित न किये जाने को लेकर ज्यादा बात नहीं करनी चाहिए। नया पानी आने पर पुराने पानी का बदलना स्वाभाविक है। मैंने पहले केपी-सीसी अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। डी.के. शिवकुमार अब

अध्यक्ष हैं। आप यह कैसे कह सकते हैं कि आपको हर बात पर मेरी राय पूछनी चाहिए? केपी-सीसी अध्यक्ष बदलने को लेकर समय-समय पर चर्चा होती रहती है। यहां तक कि जब मैं अध्यक्ष था, तब भी दूसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने न रहने के बारे में चर्चा हुई थी। वरिष्ठ कांग्रेसजनों से परामर्श करने के बाद आलाकमान के नेताओं ने मुझसे बातचीत जारी रखी। अभी भी अध्यक्ष बदलने की चर्चाएं चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी विशेष बात नहीं है। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। अगर मुझे जाना पड़ा तो मैं अभी उनके घर जाऊंगा। उन्होंने कहा हमारे बीच एक प्रकार का अपनापन का भाव है। राजनीति में छोटे-मोटे मतभेद होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसे असहमति कहना उचित नहीं है। सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना और उनके बेटे राजेंद्र राजन्ना को जान से मारने की धमकी पर उन्होंने कहा इस समय मेरे लिए कोई बयान देना उचित नहीं है और मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। जांच पूरी होने और रिपोर्ट मिलने के बाद मैं उचित जवाब दूंगा। राजन्ना सदन के बाहर चिल्ला रहे थे। वे सदन के अंदर शांत थे। उन्होंने कहा कि इस बार सदन के अंदर जो बातें उन्होंने चिल्लाकर कही, वह सही है। केंद्र सरकार की नीतियां मूल्य वृद्धि का कारण हैं। चूंकि राज्य सरकार को आवश्यक कर राजस्व आवंटित नहीं किया जाता है, इसलिए स्वाभाविक रूप से उसे अपने स्वयं के राजस्व पर निर्भर रहना पड़ता है। इसलिए, कर वृद्धि अपरिहार्य है। परमेश्वर ने कहा कि राज्य के विकास को वित्तपोषित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह सदन में हंगामा करने वाले 18 भाजपा विधायकों के निलंबन पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। यह स्पीकर और भाजपा विधायकों का मामला है।

सिलेंडर विस्फोट में तीन महिलाओं की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में हासन के अरकलगुड तालुक के कोनानूर में गैस सिलेंडर विस्फोट में गंभीर रूप से घायल तीन महिलाओं की पिछले तीन दिनों में एक के बाद एक मौत हो गई। मैसूरु के एक निजी अस्पताल में उप-चाराधीन 50 वर्षीय मीनाक्षी राजू की गुरुवार सुबह मौत हो गई। उनके परिवार में उनके पति और दो बेटियां हैं।

60 वर्षीय राधाम्मा की बुधवार को मौत हो गई और 50 वर्षीय मंगलम्मा ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। राधाम्मा ने कुछ साल पहले अपने पति को खो दिया था और उनके कोई संतान नहीं थी। मंगलम्मा के तीन बच्चे हैं। तीनों पीड़ित करियम्मा की बहुएं थीं। यह घटना उस समय हुई जब वे करियम्मा की मृत्यु के बाद 11वें दिन के समारोह में भाग लेने वाले रिश्तेदारों के लिए भोजन तैयार करने में व्यस्त थे। रिश्तेदारों ने उन्हें अरकलगुड के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में, उन्हें मैसूरु के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन इलाज से उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। हासन की डिप्टी कमिश्नर सी. सत्यभामा ने गुरुवार को पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। डिप्टी कमिश्नर ने कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। जिला प्रशासन पीड़ितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से मुआवजा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

जीव दया कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

त्रिशला महिला मंडल राज-ाजीनगर द्वारा जीव दया कार्यक्रम का आयोजन कनकपूरा रोड स्थित ऋषभ कामधेनु गौशाला में किया गया। त्रिशला महिला मंडल की मंत्री रेखा पोखरना ने बताया पिछले कई वर्षों से हमारा मंडल जीव दया व मानव सेवा कार्य करते आ रहा है। इस अवसर पर मंडल की लगभग 27 सदस्याएँ उपस्थित रही। मंडल उपाध्यक्ष अमृताबाई भलगट व कोषाध्यक्ष बबीता कुंकूलोल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

साध्वी की सेवा एवं दर्शन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में महिला मंडल, अलसूर ने महिला दिवस के संदर्भ में तीर्थ दर्शन यात्रा का आयोजन किया।

महिला मंडल के सदस्यों ने अध्यक्ष आशा बाई बोहरा के नेतृत्व में होसकोटे स्थित नव निर्मित जीरावला मंदिर में दर्शन कर स्थानक भवन में विराजमान साध्वी संवेगप्रिया जी की सेवा एवं दर्शन का लाभ लिया। महिला मंडल ने दौड़नीकुंडी स्थित गौशाला में गौमाता की सेवा की और घास डाला। वहां विराजित साध्वी आगम श्री जी के दर्शन कर महिला दिवस का आचरण किया।

इस अवसर पर चंचल बाई आचा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की अभिन्न और सशक्त अंग हैं। महिला प्रत्येक समाज की शोभा होती हैं, और महिलाओं को विकास के सभी अवसर मिलने चाहिए।

महिला मंडल के सदस्यों ने बेंगलूरु शंकरपुरम के नवनिर्मित आदिनाथ मंदिर में दर्शन का लाभ लिया और मंदिर की कारीगरी का अवलोकन किया। इंदिरा बाई गादिया एवं मंजू बाई लोढ़ा ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

40 प्रतिशत कमीशन मामला

अंतिम रिपोर्ट में और सबूत मिलने की संभावना: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछली भाजपा सरकार के दौरान कथित 40 प्रतिशत कमीशनखोरी की जांच कर रहे न्यायमूर्ति एच.एन. नागमोहन दास आयोग को कोई सबूत नहीं मिलने की खबरों के बीच, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि केवल एक अंतरिम रिपोर्ट पेश की गई है।

अंतिम रिपोर्ट में और सबूत हो सकते हैं। इस संबंध में गठित सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने पिछले महीने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को 20,000 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी थी। इस पर पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि अब तक एकत्र किए गए सबूतों के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई हो सकती है। लेकिन अधिक सबूतों की आवश्यकता हो सकती है। वह अंतिम रिपोर्ट में और सबूत पेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अंतरिम रिपोर्ट है। इससे पहले, जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तो 26 जुलाई, 2019 से 31 मार्च, 2023 तक किए गए 40 प्रतिशत कार्यों में कमीशनखोरी के आरोप लगे थे। कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती के खिलाफ मुडा भूमि आवंटन मामले में जांच जारी रखने की अनुमति दिए जाने पर बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए परमेश्वर ने कहा अंततः यदि उच्च न्यायालय ईडी को अनुमति देता है, तो उन्हें स्वयं जांच करनी चाहिए।

सीएम, डीसीएम ने राहुल गांधी से अलग-अलग मुलाकात कर राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को दिल्ली में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर महत्वपूर्ण बातचीत कर राज्य की राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है। इस बैठक के दौरान विधान परिषद में चार सीटों की नियुक्ति, मंत्रिमंडल में फेरबदल और केपीसीसी अध्यक्ष के बदलाव सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कर्नाटक भवन की नई इमारत का उद्घाटन करने के लिए एक साथ दिल्ली गए थे। लेकिन गुरुवार सुबह सिद्धरामैया ने अकेले राहुल गांधी से मुलाकात की, जबकि डी.के. शिवकुमार ने अलग से बातचीत की। हनी ट्रैप सहित कई मुद्दे राज्य की राजनीति में

गरमागरम बहस का विषय रहे हैं। विपक्षी भाजपा विभिन्न मूल्य वृद्धि के खिलाफ सड़कों पर उतर आई है। तथ्य यह है कि डी.के. शिवकुमार और मुख्यमंत्री, जिन्हें इस समय एक साथ होना चाहिए था, का आलाकमान के नेताओं से अलग-अलग मिलना इस बात का संकेत है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के गुट के मंत्री सतीश जारकीहोली, के.एन. राजन्ना और एच.सी. महादेवप्पा सहित कई नेता दिल्ली की यात्रा पर हैं, जो केपीसीसी अध्यक्ष को बदलने की मांग कर रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में ही राजन्ना और सतीश जारकीहोली ने एक ही मंच पर लगभग एक घंटे तक एक-दूसरे से बातचीत करके सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। आलाकमान केपीसीसी अध्यक्ष में बदलाव के लिए असंतुष्टों के दबाव के आगे नहीं झुक रहा है। इस प्रकार, इस बार एक मजबूत लॉबी शुरू हो गई है। इस बीच, डी.के. शिवकुमार गुट भी सत्ता-साझेदारी का फार्मूला प्रस्तावित कर रहा है। विधान परिषद की नियुक्ति के संबंध में मुख्यमंत्री ने अपने द्वारा तैयार की गई संभावित उम्मीदवारों की सूची एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सौंप दी है। पता चला है कि डी.के. शिवकुमार ने आलाकमान को एक अलग सूची भी सौंपी है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। लेकिन रिक्त पद को भरने के बारे में पर्दे के पीछे चर्चा चल रही है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में हाईकमान से विचार-विमर्श किया है।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि द्वारा भव्य गणगौर उत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि, बेंगलूरु कर्नाटक की टीम ने सोमवार को अग्रसेन भवन, जयनगर में भव्य गणगौर उत्सव का आयोजन किया। 150 से अधिक महिलाओं ने गणगौर माता की श्रद्धा पूर्वक पूजा की, जबकि 300 से अधिक लोगों ने इस उत्सव का आनंद उठाया। कार्यक्रम में माता दुर्गा के नौ रूपों का मनमोहक नृत्य प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा, जिसने सभी का मन जीत लिया। साथ ही, मटका सजावट, रामवॉक और ऑनलाइन

रील बनाने की प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेताओं को विशेष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। गणगौर थीम पर आधारित तंबोला के खेल को भी खूब सराहा गया। इस शुभ अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

साथ ही मारवाड़ी सम्मेलन, कर्नाटक के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, सचिव शिवकुमार टकेड़ीवाल और अन्य गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महिला परिधि की अध्यक्ष माया अग्रवाल ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। सचिव शालिनी अग्रवाल ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सलाहकार मंजू अग्रवाल और कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम की संयोजक – उपाध्यक्ष निर्मला गोयल एवं लता चौधरी, संयुक्त सचिव पल्लवी पोद्दार एवं पूजा अग्रवाल के साथ, आयोजन को सफल बनाने में उनकी टीम की अंजू, सविता, हेमलता, मधु, विनीता, आशा, कविता, रितु, जया, नेहा, पूजा, पिंकी, पारुल एवं साक्षी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद दिया गया।

मुकेश बंदा अध्यक्ष, शैलेश कवाड़ सचिव नियुक्त

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में अध्यक्ष राकेश परमार की अध्यक्षता में जैन युवा संगठन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुकेश बंदा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। वहीं चेयरमैन पद पर अरविन्द बंदा, उपाध्यक्ष मनोज शाह, सचिव शैलेश कवाड़, स.सचिव कमलेश बोरा, खजांची महावीर संकलेचा, स.खजांची दिनेश फोलामुथा, सलाहकार पवन ओस्तवाल, रमेश भंसाली

और राकेश परमार को नियुक्त किया गया। नूतन अध्यक्ष मुकेश बंदा ने अपने वक्तव्य में कहा संगठन सदस्यों ने जो मुझ पर विश्वास जताकर मुझे पदभार सौंपा है, उस पर मैं खरा उतरने का प्रयास करूँगा व संगठन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्ष राकेश परमार ने नूतन पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा समाज सेवा के हर कार्य के लिए हमेशा तैयार रहें व समाज के हर कार्य में अपना सहयोग देते रहें।

भाजपा ने सीएम आवास का घेराव किया, नेता, सैकड़ों कार्यकर्ता गिरफ्तार

सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ लड़ना हमारा कर्तव्य: बी.एस. येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई नीतियों और मूल्य वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान गुरुवार को कर्नाटक भाजपा के नेताओं, जिनमें राज्य अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और वरिष्ठ नेता सीटी रवि शामिल थे, को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

सिद्धरामैया प्रशासन को निशाना बनाकर किए गए प्रदर्शनों के कारण अधिकारियों ने त्वरित प्रतिक्रिया दी। राज्य की राजधानी में तनाव बढ़ने पर नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। कर्नाटक में भाजपा कई क्षेत्रों में मूल्य वृद्धि को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। राज्य में विपक्षी पार्टी के नेताओं ने बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में रात भर विरोध प्रदर्शन किया और सुबह भी प्रदर्शन जारी रखा। यह कहते हुए कि कांग्रेस सरकार ने सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की है, भाजपा एमएलसी चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि वे पहले दी गई पांच गारंटियों के आधार पर सत्ता में बने रहना चाहते हैं। भाजपा नेता ने राज्य सरकार के मंत्रियों पर मूल्य वृद्धि के लिए केंद्र पर दोष मढ़ने के लिए कटाक्ष करते हुए कहा कि केवल गैर-जिम्मेदार मंत्री ही इस तरह की टिप्पणी कर सकते हैं।

इस बीच, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने राज्य सरकार पर हमला किया और कहा कि मूल्य वृद्धि ही सरकार द्वारा लागू की गई एकमात्र गारंटी है। भाजपा द्वारा दिन-रात धरना देने के पीछे की वजह महंगाई है। मूल्य वृद्धि सरकार द्वारा लागू की गई एकमात्र गारंटी है, और आम आदमी महंगाई से प्रभावित है। एक जिम्मेदार विपक्षी दल होने के नाते, हमने दिन-रात विरोध किया है। कांग्रेस पार्टी को मूल्य वृद्धि के फैसले को वापस लेना चाहिए। अन्यथा, आम आदमी सड़कों पर उतर आएगा और सरकार को काम नहीं करने देगा।

मैं मुख्यमंत्री और कैबिनेट सहयोगियों से मांग करता हूं कि वे गांवों का दौरा करें और जमीनी हकीकत को समझें। विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से अपने वातानुकूलित कमरे से बाहर निकलने और अपने मंत्रियों के साथ न केवल बेंगलूरु, बल्कि पूरे राज्य का दौरा करने का आग्रह किया। उन्होंने एक ऐतिहासिक तुलना करते हुए कहा कि पिछले राजा लाभकारी नीतियों को लागू करने से पहले अपना भेष बदलकर अपने लोगों से बातचीत करते थे। अगर सिद्धरामैया अपनी स्थिति को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, तो उन्हें इन यात्राओं पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अपने साथ ले जाना चाहिए।

इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ लड़ना हमारा कर्तव्य है। जब हम मुख्यमंत्री के घर जाते तो हमें गिरफ्तार करना चाहिए था। लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें पहले से गिरफ्तार करना उचित नहीं है।

यहां तक कि जब मैं मुख्यमंत्री था, तब भी जब भी नेता मुख्यमंत्री के घर के पास जाते थे, गिरफ्तारियां कर लेते थे। लेकिन हमारे नेताओं को एहतियात के तौर पर गिरफ्तार करना सही नहीं था।

हम पूरे राज्य में अपना संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि जब तक जनविरोधी कार्यक्रम वापस नहीं लिए जाते, हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

राज्य सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं: येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि जब तक राज्य की कांग्रेस सरकार कीमतें बढ़ाने के अपने फैसले को वापस नहीं ले लेती, भाजपा पूरे राज्य में अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कांग्रेस सरकार की मूल्य वृद्धि नीति के विरोध में गुरुवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में शुरू हुए भाजपा के दिन-रात के धरने में भाग लेने के बाद मीडिया से बात की। सरकार ने विकास कार्य रोक दिया है। सिंचाई कार्य नहीं किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने मूल्य वृद्धि के माध्यम से जनता में आक्रोश पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

हम सभी राज्य भर में यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार जनहित को भूलकर एक तरह का तुगलकी दरबार लगा रही है, जिसकी हम और आप सभी को मिलकर निंदा करनी चाहिए। सिद्धरामैया सरकार के लिए लोगों का कल्याण महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि यह सरकार लंबे समय तक सत्ता में न रहे। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि बहुमत वाली यह सरकार जनता के हितों और विकास कार्यों को पूरी तरह भूल चुकी है। उन्होंने कहा कि यहां अपेक्षा से अधिक लोग और महिलाएं मौजूद थीं। सभी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण स्थिति दमघोंटू हो गई है। कांग्रेस सरकार की विफलताओं के खिलाफ घर-घर जाकर जागरूकता फैलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सरकार को सबक सिखाने और सत्ता से हटने के लिए कहा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने लंबित सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात की और उनसे राज्य में लंबित सिंचाई परियोजनाओं के लिए अनुमति देने का अनुरोध किया। इस मौके पर सिद्धरामैया के साथ उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, नई दिल्ली से विशेष प्रतिनिधि टी.बी. जयचंद्र, रेल राज्य मंत्री और केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना उपस्थित थे। राजस्थान के बाद कर्नाटक में सबसे बड़ा रेगिस्तानी क्षेत्र है। यह कृषि, भूमि उपयोग, खाद्य उत्पादन, जल प्रबंधन, नवीन प्रौद्योगिकियों को अपनाने, जलवायु परिवर्तन चुनौतियों के प्रबंधन और सामाजिक-आर्थिक विकास के मामले में अग्रणी है। कर्नाटक को आवश्यक जल आपूर्ति को प्राथमिकता दी जानी

चाहिए। कर्नाटक सरकार द्वारा पहले ही प्रस्तुत प्रस्तावों में मेकेदातु और भद्रा ऊपरी नदी परियोजनाएं लंबित हैं। केंद्रीय मंत्री से इनमें हस्तक्षेप और अनुमोदन का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य रूप से मेकेदातु परियोजना का उल्लेख किया तथा परियोजना के प्रारंभ से लेकर नवीनतम घटनाक्रम पर व्यापक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रस्ताव दिया है कि इस परियोजना से कर्नाटक और तमिलनाडु दोनों राज्यों को पेयजल और बिजली उत्पादन के मामले में लाभ होगा। जल संसाधन मंत्री ने केंद्रीय जल आयोग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी कर उनसे विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी देने तथा मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक अनापत्ति सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने अनुरोध किया है कि भद्रा ऊपरी नदी परियोजना के लिए 2023-24 के बजट में पूर्व में घोषित 5300 करोड़ रुपये का अनुदान शीघ्र जारी किया जाए।

कृष्णा नदी जल विवाद का मुद्दा उठाने वाले मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार कृष्णा ऊपरी नदी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करे। उन्होंने अपील की है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच जल बंटवारे के विवाद से संबंधित याचिका को हल करने के लिए तुरंत सर्वोच्च न्यायालय में एक उचित याचिका दायर की जाए।

उन्होंने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से कलासा बंडूरी नाला परियोजना के लिए आवश्यक पूर्व अनुमति प्रदान कराने की मांग की। उन्होंने अपील की कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि कर्नाटक को अधिक पानी मिले। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित चार राज्यों के बीच बहने वाली इन नदियों को जोड़ने का प्रस्ताव है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल की बढ़ती कीमतों का भाजपा क्यों नहीं कर रही विरोध: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं, मुख्यमंत्री और कुछ मंत्री दिल्ली पहुंच चुके हैं। मैंने राहुल गांधी से भी मुलाकात की। इसी तरह सिद्धरामैया से भी मुलाकात हुई है। कांग्रेस कार्यालय हमारे लिए मंदिर जैसा है। राहुल गांधी एक राष्ट्रीय नेता हैं। उनसे मिलने में कुछ भी गलत नहीं है। क्या हम अपने पार्टी नेताओं के अलावा किसी और से मिल सकते हैं?

कर्नाटक भवन का बुधवार को उद्घाटन किया गया। उन्होंने कहा कि इसमें कर्नाटक से आने वाले राजनेताओं और अधिकारियों के लिए अच्छी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए तथा यहां होने वाली चर्चाएं राज्य के विकास के लिए अनुकूल होनी चाहिए। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कुछ सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि इसे क्रियान्वित करने की जरूरत है। हम मूल्य वृद्धि के खिलाफ विरोध करने के लिए भाजपा को बधाई देते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल की कीमतें बढ़ रही हैं। भाजपा इसका विरोध क्यों नहीं कर रही है? जब पिछले दिनों पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें बढ़ीं तो उन्होंने विरोध क्यों नहीं किया? हम दूध और पानी की कीमतें बढ़ा रहे हैं। इससे किसानों को लाभ हो रहा है। केवल हरा तौलिया ओढ़ लेना और इसे किसानों की पार्टी कह देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें सुविधा प्रदान की जानी चाहिए। किसानों के लिए गायों को पालना संभव नहीं है। लोग इस बात से नाराज थे कि विभिन्न कीमतें बढ़ रही थीं। वे ऐसी स्थिति में थे कि उन्हें गायें बेचनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी से उन्हें फायदा हो रहा है। विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति पर चर्चा हो रही है। लेकिन उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं होगा कि निर्णय हो चुका है और कल इसकी घोषणा की जाएगी। मैं विरोध प्रदर्शनों को लेकर भाजपा और जेडीएस के बीच विभाजन पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। दोनों पार्टियां एक सिक्के के दो पहलू हैं।

लोकसभा में वक्फ विधेयक पारित होना ऐतिहासिक क्षण: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के पारित होने को ऐतिहासिक क्षण बताया है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक वक्फ विधेयक का पारित होना पारदर्शिता और न्याय की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के पास एक विजन है। केंद्र सरकार निष्पक्षता और जवाबदेही को बनाए रखने वाले सुधारों को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा परिवर्तनकारी कदम सराहनीय है।

ऐरावत बस और कार में टक्कर से परिवार के चार लोगों की मौत

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। मांड्या तालुक के तुबिनाकेरे निकास के पास एक भीषण दुर्घटना हुई, जहां बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर ऐरावत बस और कार के बीच टक्कर होने से चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब कार मैसूरु की ओर जा रही थी। इस दौरान एक्सप्रेसवे से बाहर निकलते समय कार चालक भ्रमित हो गया और उसने कार को वापस एक्सप्रेसवे पर मोड़ दिया। उसी समय पीछे से केएसआरटीसी ऐरावत बस आई और सामने से आ रही कार से टकरा गई। नतीजतन, दुर्घटना में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बल से कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। मृतकों की पहचान बेंगलूरु के जेपी नगर निवासी 52 वर्षीय सत्यानंद राजे उर्स, उनकी पत्नी निष्ठा, चंद्रू और सुवेदिनी रानी के रूप में हुई है। दक्षिणी क्षेत्र के आईजी बोरलिंगैया ने घटनास्थल का दौरा कर निरीक्षण किया।

व्यक्ति ने पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर खुद को फांसी लगा ली

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। कलबुर्गी में ओल्ड जेवरगी रोड के पास गैबरे लेआउट में बुधवार रात अपने अपार्टमेंट में कथित तौर पर 45 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर खुद को फांसी लगा ली। मृतकों में संतोष कोरल्ली, उनकी पत्नी श्रुति (35) और उनके बेटे मनीष (9) और अनीश (तीन महीने का बेटा) शामिल हैं। संतोष गेस्कॉम कार्यालय में वरिष्ठ सहायक लेखाकार थे। दंपति की शादी को 10 साल हो चुके थे। पिछले सात सालों से उन्होंने अपने माता-पिता और रिश्तेदारों से संबंध तोड़ लिए थे। पड़ोसियों से प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि दंपति अक्सर झगड़ते थे। पुलिस को परिसर में एक नोट मिला। पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस. धागे ने कहा हालांकि, उनकी मौत का सही कारण जांच के बाद ही पता चल पाएगा। स्टेशन बाजार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक पारित होना देश के लिए एक महान क्षण: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने गुरुवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने का स्वागत करते हुए इसे पूरे देश के लिए एक महान क्षण बताया। विजयेंद्र ने दावा किया कि वक्फ बोर्ड द्वारा हजारों लोगों को दबाया गया था, जिसमें कर्नाटक एक क्लासिक उदाहरण है, जहां वक्फ बोर्ड ने मंदिरों या धार्मिक संस्थानों से संबंधित सैकड़ों संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लिया है। भाजपा नेता ने कहा यह पूरे देश के लिए एक महान क्षण है। वक्फ का मुद्दा लंबे समय से लंबित था। दशकों से, हजारों लोगों को वक्फ बोर्ड द्वारा दबाया गया था, खासकर धारा 40 द्वारा। बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कारण, विधेयक लोकसभा में पारित हो गया। यह एक ऐतिहासिक क्षण है। कर्नाटक एक क्लासिक उदाहरण है जहां मंदिरों या धार्मिक संस्थानों से संबंधित सैकड़ों संपत्तियों को वक्फ ने अपने कब्जे में ले लिया है, और किसी को भी अदालत में इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस की चिंता न करें। वे खुद वक्फ मुद्दे के लिए जिम्मेदार हैं। विधेयक का समर्थन करते हुए भाजपा नेता तरुण चुग ने कहा कि प्रस्तावित कानून वक्फ में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा। चुग ने कहा राहुल गांधी और ओवैसी जैसे नेता केवल मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने और उनमें कृत्रिम भय पैदा करने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक वक्फ में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा। लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन विधेयक का भारत ब्लॉक दलों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नम्मा मेट्रो में छह महीने में 27,000 नियमों का उल्लंघन दर्ज किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सितंबर 2024 से मार्च 2025 तक नम्मा मेट्रो के सुरक्षा दस्ते द्वारा की गई नियमित सुरक्षा जांच में यात्रियों द्वारा नियमों के उल्लंघन के 27,000 मामले सामने आए हैं, जिससे अन्य यात्रियों को असुविधा हुई है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह जांच गैर-पीक घंटों के दौरान की गई थी, और हालांकि कोई जुर्माना नहीं लगाया गया था, लेकिन उल्लंघन करने वालों को सख्त चेतावनी दी गई थी। सबसे आम उल्लंघन मोबाइल फोन पर तेज आवाज में संगीत बजाना था, जिसके 11,922 मामले दर्ज किए गए। कई यात्रियों ने मोबाइल फोन के स्पीकर का उपयोग करने के नियम की अनदेखी की, जिससे उनकी यात्रा के दौरान दूसरों को परेशानी हुई। एक अन्य बड़ी चिंता पात्र यात्रियों को प्राथमिकता वाली सीटें देने में विफलता थी, जिसमें विकलांग व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक, गर्भवती महिलाएं और शिशुओं के साथ यात्रा करने वाले लोग शामिल थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऐसी घटनाओं के 14,162 मामले सामने आए, जो यात्रियों में जागरूकता और विचार की कमी को दर्शाता है। मेट्रो के अंदर खाना खाने के 554 मामले दर्ज किए गए, जबकि स्पष्ट दिशा-निर्देशों में इसे प्रतिबंधित किया गया था। साथ ही, यात्रियों द्वारा बड़े आकार का सामान ले जाने के 474 उल्लंघन दर्ज किए गए, जिससे भीड़भाड़ वाले कोचों में असुविधा हुई। हालांकि कोई जुर्माना नहीं लगाया गया, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि सुचारु और सुखद आवागमन अनुभव सुनिश्चित करने के लिए नम्मा मेट्रो दिशा-निर्देशों का पालन करना महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों ने कहा सुरक्षा टीमों को निगरानी बढ़ाने और उल्लंघन जारी रहने पर सख्त उपाय लागू करने का निर्देश दिया गया है।

बीएमआरसीएल अधिकारियों ने यात्रियों से सार्वजनिक परिवहन मानदंडों का सम्मान करने का आग्रह किया। साथ ही चेतावनी दी कि बार-बार उल्लंघन करने पर दंड लगाया जा सकता है।

मैसूरु जिला घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवा 'गृह आरोग्य' शुरू करने के लिए तैयार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की पहल 'गृह आरोग्य' के शुभारंभ की तैयारी कर रहा है। डॉक्टर जिले के हर घर में पहुंचेंगे, मुफ्त स्वास्थ्य जांच करेंगे और जरूरी उपचार उपलब्ध कराएंगे। जिन लोगों को आगे उपचार की जरूरत होगी, उन्हें अस्पतालों में रेफर किया जाएगा। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में लागू किया जाएगा और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, आशा कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों की मदद से घर-घर जाकर जांच करेंगे। यह कार्यक्रम केवल 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए है। इस कार्यक्रम को शुरू करने के पीछे का उद्देश्य बीमारियों का जल्द पता लगाना और उपचार उपलब्ध कराना है।

इस कार्यक्रम को कोलार जिले में पायलट आधार पर शुरू किया गया था और अब इसे मैसूरु सहित अन्य जिलों में विस्तारित किया जा रहा है। पिछले महीने पेश किए गए बजट में, 100 करोड़ रुपये की लागत से राज्य भर में छह गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जांच और उपचार के लिए गृह आरोग्य योजना का विस्तार करने का प्रस्ताव किया गया है। जिलों को योजना शुरू करने की व्यवस्था करने के लिए कहा गया था। एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, जिला निगरानी अधिकारी डी.जी. नागराज ने कहा कि मैसूरु जिले में 100 में से 24 लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं और 100 में से 14 लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। ऐसे और भी मामले हो सकते हैं जिनका निदान नहीं हो पाया है, क्योंकि लोग डॉक्टरों से परामर्श नहीं कर रहे हैं और आवश्यक परीक्षण नहीं करवा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम मैसूरु जिले में गृह आरोग्य योजना शुरू करने के लिए तैयार हैं और इसके सफल कार्यान्वयन के लिए सभी उपाय किए गए हैं। डॉ. नागराज ने कहा कि जिले में आधिकारिक रूप से लॉन्च होने के बाद लगभग 480 व्यक्तियों की एक टीम इस कार्यक्रम को लागू करेगी। इसके लिए कार्य योजना तैयार की गई है, साथ ही घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच के लिए रसद भी तैयार की गई है। मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों को समय पर चिकित्सा सहायता और जीवनशैली में बदलाव के साथ बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है। डॉ. नागराज ने कहा कि बीमारियों का समय पर पता लगाने के लिए हर घर में घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच की जाती है।

व्यक्ति की मौत का मामला जांच के लिए सीआईडी को सौंपा जाएगा: आईजीपी

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। बल्लारी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बी.एस. लोकेश कुमार ने कहा कि रायचूर जिले में पुलिस अधिकारियों द्वारा मारपीट किए जाने के बाद एक व्यक्ति की मौत का मामला जांच के लिए सीआईडी को सौंपा जाएगा। बुधवार को रायचूर में मीडिया को संबोधित करते हुए, लोकेश कुमार ने कहा कि रायचूर पश्चिम पुलिस स्टेशन के सर्कल इंस्पेक्टर नागराजू मेका और पुलिस उप-निरीक्षक मंजूनाथ को मंगलवार को रायचूर में 27 वर्षीय व्यक्ति वीरेश की मौत के संबंध में भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज होने के बाद निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित की बहन ज्योति की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया, जिसमें दोनों अधिकारियों पर उसके और उसकी पत्नी के बीच एक पारिवारिक मुद्दे की जांच के दौरान पीड़ित पर हमला करने का आरोप लगाया गया था, जिसके बाद रायचूर के रायचूर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हमले की चोटों से उसकी मृत्यु हो गई। लोकेश कुमार ने यह भी कहा कि सीआईडी के अधिकारी जल्द ही मामले की जांच के लिए रायचूर पहुंचेंगे। मौत के तुरंत बाद, पीड़ित के परिवार के सदस्यों और विधायक शिवराज पाटिल और भाजपा कार्यकर्ताओं ने रायचूर में पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और कार्रवाई की मांग की और पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की भी मांग की। इन घटनाक्रमों के बाद, पुलिस अधीक्षक एम. पुट्टमदैया ने दोनों अधिकारियों को निलंबित कर दिया है।

हत्या का आरोपी अपराध के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला पुलिस ने खानपुर तालुक के बालोगा गांव से 47 वर्षीय किसान की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बीड़ी गांव का बसप्पा होसट्टी बुधवार को शिवनगौड़ा पाटिल की पत्थर से पीट-पीटकर हत्या करने के बाद कलबुर्गी भाग गया था। बेलगावी पुलिस की एक टीम ने कलबुर्गी में उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक भीमाशंकर गुलेड़ ने गुरुवार को संवाददाताओं को बताया कि खानपुर तालुक के गडीकोप्पा गांव के पास अपराध स्थल पर मिले सुरागों के आधार पर वे आरोपी तक पहुंचे। शव को पत्थर से सिर पर गंभीर चोटों के साथ पाया गया। डॉ. गुलेड़ ने कहा हत्या खानपुर की सीमा के भीतर हुई और हमने अपराध के 24 घंटे के भीतर संदिग्ध को पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान होसट्टी ने हत्या की बात कबूल कर ली। उन्होंने बताया कि शिवनगौड़ा पाटिल की हत्या करने का फैसला करने के बाद उसने उसे उसके घर से उठाया, एक सुनसान जगह पर ले गया, उसे शराब पिलाई और पत्थर से उसकी हत्या कर दी।

हमारे पास सड़कों पर उतरकर लड़ने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य की भ्रष्ट सरकार और भ्रष्ट मुख्यमंत्री के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। यहां गुरुवार दोपहर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा हमारा संघर्ष कल शुरू हुआ। यह आज खत्म नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। हम विपक्षियों के लिए देश की जनता की ओर से लड़ना अपरिहार्य है। लोग पहले से ही संघर्ष कर रहे हैं। इस बीच, डीजल की कीमत में 1.5 रुपये की बढ़ोतरी हुई।

उन्होंने उन दुष्टों की निंदा की जिन्होंने इसे बढ़ाया। उन्होंने इसे सत्ता हड़पने का एक तरीका बताते हुए इसकी आलोचना की। रात भर चले धरने से सभी भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संघर्ष का नेतृत्व करने वाले किसान नेता और कार्यकर्ता येदियुरप्पा ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि बड़ी संख्या में महिलाओं और माताओं ने इसमें भाग लिया। इससे पूरे राज्य में हमारा संघर्ष भड़क उठा है। मुझे प्रेरणा और शक्ति मिली है। 5 तारीख को सभी जिला और तालुका केंद्रों पर विरोध प्रदर्शन होंगे। उन्होंने कहा कि 7 तारीख को हम मां चामुंडेश्वरी की पूजा अर्चना करेंगे और वहीं से हमारा संघर्ष आगे बढ़ेगा।

दुर्घटना में महिला की मौत, पांच सदस्य घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कनकपुरा रोड के पास नाइस रोड पर फुटपाथ के पास एक नाले में कार चलाने के कारण 53 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसके परिवार के पांच सदस्य, जो सभी तमिलनाडु के हैं, मामूली रूप से घायल हो गए। यातायात पुलिस के अनुसार, समूह रमजान के कारण छुट्टी मनाने के लिए बेंगलूरु आया था। अधिकारी ने कहा बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान का दौरा करने के बाद, वे लुलु मॉल जा रहे थे, जब शाम करीब 5.30 बजे दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि सड़क पर कोई नागरिक समस्या नहीं थी और दुर्घटना लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई थी। कार चला रहे 30 वर्षीय सुहैल के खिलाफ बीएनएसएस धारा 106 (तेज या लापरवाही से गाड़ी चलाने से मौत का कारण बनना) के तहत थलाघट्टापुरा यातायात पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। परिवार के सभी सदस्य कथित तौर पर स्थिर हालत में हैं।

पटना में रामनवमी की तैयारी को लेकर हुई बैठक, अधिकारी बोले-

श्रद्धालुओं की हर सुविधा का ख्याल रखा जाएगा

पटना (एजेंसियां)। पटना जिलाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह और वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना अवकाश कुमार ने कहा, रामनवमी पर्व-2025 के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। श्रद्धालुओं की हर सुविधा का ख्याल रखा जाएगा। अधिकारीद्वय गुरुवार को पटना जंक्शन स्थित महावीर मंदिर परिसर में इस विषय पर आयोजित एक बैठक में पदाधिकारियों महावीर स्थान न्यास समिति, शोभायात्रा अभिनंदन समितियों एवं पूजा समितियों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्व के अवसर पर उत्कृष्ट विधि-व्यवस्था संधारण, सुचारू यातायात प्रबंधन तथा सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर और प्रतिबद्ध रहेंगे। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण हेतु पटना जंक्शन एवं आसपास स्थल निरीक्षण भी किया तथा पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

विदित हो कि इस वर्ष रामनवमी का त्योहार छह अप्रैल 2025 को मनाया जा रहा है। बैठक में श्री महावीर स्थान न्यास समिति, महावीर मंदिर, पटना के प्रतिनिधि द्वारा आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियों के संबंध में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि हर वर्ष प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी तरह का प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया जाता है। इस वर्ष भी प्रशासन के साथ समन्वय से रामनवमी पर्व सफलतापूर्वक संपन्न किया जाएगा।

जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति पांच अप्रैल से ही ससमय कर दी जाएगी एवं बैरिकेडिंग व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही विधि-व्यवस्था संधारण एवं भीड़ प्रबंधन हेतु पर्याप्त मात्रा में बल उपस्थित रहेंगे। सीसीटीवी के माध्यम से मंदिर परिसर एवं महत्वपूर्ण पथों की भी सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

मंदिर प्रबंधन की तरफ से बताया गया कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं भीड़ प्रबंधन हेतु तैयारियां की जा रही हैं। 14 एलईडी स्क्रीन लगाए जाएंगे, जिससे कि श्रद्धालुओं को निरंतर दर्शन होता रहेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु नैवेद्यम काउंटर की संख्या में भी वृद्धि की गई है।

बैठक में त्योहार के अवसर पर की जाने वाली व्यवस्था हेतु सभी विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधियों के सुझावों को एक-एक कर सुना गया। अधिकारीद्वय ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा भक्तजनों की सुविधा के अनुरूप प्रशासनिक दृष्टिकोण से हर तरह का प्रबंध किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के सभी उपायों को ध्यान में रखकर दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। पुरुष एवं महिला श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग पंक्तियों में कतारबद्ध ढंग से दर्शन की व्यवस्था रहेगी। बैरिकेडिंग मजबूत रहेगा। मेडिकल कैम्प एवं अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा।

कई महत्वपूर्ण चिन्हित स्थलों पर पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस एवं चिकित्सकों की व्यवस्था की जाएगी। मे आई हेल्प यू (हेल्प डेस्क) काउण्टर भी क्रियाशील रहेगा।

वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी से गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जाएगा। शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाएगी। वाटर एटीएम एवं वाटर टैंकर की व्यवस्था रहेगी। चलंत शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। प्रवेश द्वार, निकास द्वार, पार्किंग एवं ड्रॉप गेट के निकट कोई वेंडिंग नहीं रहेगी। नगर निगम द्वारा भी स्वच्छता एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाएगी। जो भी खराब स्ट्रीट लाईट हैं, उन्हें शीघ्र ठीक करा दिया जाएगा तथा डेडिकेटेड टीम 247 सक्रिय रहेगी।

डीएम डॉ. सिंह ने कहा कि पूर्व में भी इस संबंध पटना समाहरणालय में बैठक की गई थी। जिला स्तर पर नियमित बैठक की जाएगी एवं व्यवस्था के संबंध में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटना जंक्शन के समीप मेट्रो का कार्य चल रहा है। रामनवमी पर्व के नजदीक विस्तृत ट्रैफिक प्लान पुलिस अधीक्षक, यातायात द्वारा सुनिश्चित की जाएगी तथा मीडिया के माध्यम से इसे प्रसारित किया जाएगा ताकि आम जनता को कोई असुविधा न हो। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि रामनवमी के अवसर पर भक्तजनों एवं दर्शनार्थियों के लिए प्रशासनिक दृष्टिकोण से उत्कृष्ट व्यवस्था रहेगी। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग एवं सक्रिय हैं।

इस बैठक में डीएम, एसएसपी, उप विकास आयुक्त, पुलिस अधीक्षक यातायात, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था, अपर समाहर्त्ता आपदा प्रबंधन, नगर दण्डाधिकारी, महाप्रबंधक पेसू, कार्यपालक अभियंता भवन एवं पीएचईडी तथा अन्य भी उपस्थित रहे।

अस्ताचलगामी सूर्य को दिया गया अर्घ्य, चैती छठ के तीसरे दिन भक्तिभाव में डूबे लोग

पटना (एजेंसियां)। चार दिवसीय चैती छठ का आज तीसरा दिन है। शाम होने पर श्रद्धालु नदी और तालाब पर जाकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। पटना समेत सभी जिलों में छठ घाट पर वर्ती अर्घ्य दिया। दोपहर से पटना समेत पूरे बिहार के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों की ओर से पटना की सड़कों को धोया गया। वहीं हर गली-सड़कों पर बिहार कोकिला स्व. शारदा सिन्हा के छठ गीत बज रहे हैं। आज चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि है। षष्ठी तिथि आज रात 9 बजकर 42 मिनट तक रहेगी। आज सूर्योदय सुबह 6:09 बजे और सूर्यास्त शाम 6:39 बजे निर्धारित है। इस दिन भक्त कमर तक पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इससे शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं।

छठ पर्व की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन नहाय खाय से होती है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और उगते सूर्य सप्तमी को अर्घ्य देकर व्रत समाप्त होता है। इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करना बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत को कठोर नियमों के अनुसार 36 घंटे तक रखा जाता है। मंगलवार को नहाय खाय के शुरू हुए चैती छठ का आज तीसरा दिन है। इससे पहले बुधवार शाम को खरना का महाप्रसाद खाकर व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला व्रत की शुरुआत की है।

इस चार दिवसीय त्योहार में सूर्य और छठी मैया की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत करना बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस व्रत को कठोर नियमों के अनुसार 36 घंटे तक रखा जाता है। हालांकि, कार्तिक महीने का छठ जिस तरह लगभग हर बिहारी घरों में होता है, उस तरह चैती छठ नहीं होता है; इसके बावजूद ज्यादातर लोग लोक आस्था के इस महापर्व पर चैत्र महीने में भी पूजन स्थलों पर जाते हैं।

वहीं चैती छठ को लेकर पटना जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है। एसडीओ सत्यम सहाय और एएसपी अतुलेश झा ने विभिन्न घाटों पर तैयारियों का जायजा लिया। इधर, चैती छठ को लेकर अशोक राजपथ पर कारगिल चौक से दीदारगंज तक आम वाहन नहीं चल रहे हैं। जेपी गंगा पथ और अटल पथ पर भी वाहनों के परिचालन पर रोक लगी है। पर्व को लेकर तीन और चार मार्च को सात-सात घंटे तक कुछ मार्ग पर वाहनों के प्रवेश पर रोक है। ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि 60 जगहों पर 125 यातायात पुलिस पदाधिकारी और कर्मी के अलावा 350 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। तीन मार्च दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे और चार मार्च को आधी रात दो बजे से सुबह आठ बजे तक कारगिल चौक से दीदारगंज तक अशोक राजपथ पर आम वाहन का परिचालन नहीं होगा। वहीं अटल पथ से जेपी सेतु से सोनपुर की ओर सामान्य वाहनों के परिचालन पर रोक लगायी गई है। अटल पथ पर दीघा से आर ब्लॉक की तरफ वाहन नहीं चल रहे हैं।

हिंद महासागर और पूर्वोत्तर को लेकर यूनुस के बिगड़े बोल

अखंड भारत की शुरुआत बांग्लादेश से करनी होगी

चिकन-नेक को हाथी जैसा चौड़ा करना एकमात्र निदान

शुभ-लाभ आह्वान

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के पूर्वोत्तर पर दिए गए बयान के बाद भारत को बांग्लादेश के उन हिस्सों पर कब्जा करने के विषय में सोचना चाहिए जहां हिंदू या जनजातीय जनसंख्या बसी हुई है। इससे भारत की चिकन नेक वाली रणनीतिक समस्या भी खत्म हो जाएगी और हिंदुओं को भी प्रताड़ना से छुटकारा मिल जाएगा। चिकन नेक को चौड़ा करने के लिए भारत बांग्लादेश के हिंदू बहुल इलाके अपने अधिकार में लेना होगा। वर्ष 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध ने इस उपमहाद्वीप का नक्शा बदल दिया। बांग्लादेश को इस युद्ध के बाद पश्चिमी पाकिस्तान से मुक्ति मिली। करोड़ों बंगालियों का अपने एक संप्रभु राष्ट्र का सपना पूरा हुआ। यह काम भारत के बिना हो ही नहीं सकता था। बांग्लादेश के निर्माण ने बंगाली लोगों की लुप्त होती आकांक्षाओं को पुनर्जीवित किया। बांग्लादेश के निर्माण के बाद भले ही कई चुनौतियां आई, लेकिन दोनों देशों के संबंध मधुर बने रहे।

अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद दोनों देशों के सम्बन्धों में खटास आ गई। राजनयिक से लेकर बाकी स्तर पर बांग्लादेश और भारत के बीच रोज किसी न किसी मुद्दे पर तल्खी बढ़ी है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की तथाकथित अंतरिम सरकार की इस्लामी कट्टरपंथी नीति है। मोहम्मद यूनुस की सरकार हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के क्रूर उत्पीड़न को चुपचाप देख रही है। वह लगातार ऐसी हरकतें कर रही है, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव बढ़े।

भारत से लगातार टकराव मोल लेने का एक और उदाहरण हाल ही मोहम्मद यूनुस की चीन यात्रा में देखने को मिला जहां उसने चीन को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के पास लगे इलाके में आमंत्रित किया। यूनुस ने कहा कि भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य जमीन से घिरे हुए हैं। उसने कहा, भारत के 7 राज्य, भारत का पूर्वी हिस्सा, जिन्हें सेवेन सिस्टर्स (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा) कहते हैं, वे भारत के जमीन से घिरे हुए हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। इसके बाद यूनुस ने बांग्लादेश को इस इलाके के समुद्र के एकमात्र मालिक के रूप में बताया और चीन को इसका फायदा उठाने के लिए न्यौता दिया। यूनुस ने कहा कि इस इलाके में आकर चीन उत्पादन और उनकी बिक्री कर सकता है। उसने चीन के निवेश को रिझाने के लिए इस इलाके को मुफीद बताया और कहा कि यहां से निर्यात भी हो सकता है।

यूनुस ने दावा किया कि बांग्लादेश के इस इलाके से चीन नेपाल और भूटान तक का फायदा उठा सकता है। मोहम्मद यूनुस ने यह सभी बातें यह जानते हुए कहीं कि इससे भारत की चिंता बढ़ेगी। भारत कभी भी अपने इलाके से कुछ सौर किलोमीटर दूर चीन की मौजूदगी नहीं चाहेगा। यूनुस यह भी जानता है कि बांग्लादेश भारत के लिए पड़ोसी होने के साथ ही रणनीतिक महत्व भी रखता है, क्योंकि देश के कई स्थान सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास स्थित हैं, जिसे अक्सर चिकन नेक के रूप में जाना जाता है। यह लगभग 20 किलोमीटर का संकरा गलियारा है, जो पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्से से जोड़ता है।

यह कोई पहला मौक़ा नहीं है जब यूनुस ने ऐसा गैर जिम्मेदाराना बयान दिया हो। इससे पहले अगस्त 2024 में उसने एक इंटरव्यू में कहा था, यदि आप बांग्लादेश को अस्थिर करेंगे, तो इसका असर पूरे बांग्लादेश में फैलेगा, जिसमें म्यांमार और पश्चिम बंगाल और सेवेन सिस्टर्स भी शामिल हैं। यूनुस 26 मार्च 2024 को चीन गए थे। वह 4 दिन की यात्रा पर चीन पहुंचे थे। यहां उसने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

मोहम्मद यूनुस की इस टिप्पणी का भारत में तगड़ा विरोध हुआ। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने इसे अपमानजनक और कड़ी निंदा योग्य बताया। सरमा ने चिकन नेक के इलाके के आसपास और नीचे नए रास्ते तलाशे जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद यूनुस लगातार अपना एजेंडा लेकर चल रहे हैं। राजनीति और सुरक्षा विशेषज्ञ क्रिस ब्लैकबर्न ने भी इस टिप्पणी को चिंताजनक और स्पष्टीकरण के लायक बयान बताया है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस बयान में क्या यूनुस भारत के सेवेन सिस्टर्स राज्यों के पास चीन की भागीदारी की वकालत कर रहे थे। अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्य संजीव सान्याल ने इस मुद्दे पर कहा, दिलचस्प है कि यूनुस चीन से इस आधार पर सार्वजनिक अपील कर रहे हैं कि भारत के 7 राज्य चारों ओर से जमीन से घिरे हुए हैं। उन्होंने इस बयान को लेकर कई शंकाएं जताईं।

लगभग 20 किलोमीटर चौड़ाई वाला सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है, पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के बीच एकमात्र रास्ता है। इसके एक तरफ बांग्लादेश तो दूसरी तरफ नेपाल और भूटान है। यह भारत के 2.62 लाख वर्ग किलोमीटर या भारत के कुल जमीन के 8 प्रतिशत हिस्से को जोड़ता है। इसमें बांग्लादेश के उत्तर दिनाजपुर जिले के उत्तरी क्षेत्र और दार्जिलिंग जिले के दक्षिणी क्षेत्र शामिल हैं। इन जिलों की सीमा बांग्लादेश के साथ ही बिहार के पूर्णिया और किशनगंज से लगती है, यह दोनों मुस्लिम बहुल जिले हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों की 99 प्रतिशत सीमाएं पांच पड़ोसी देशों चीन, म्यांमार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से सटी हुई हैं। यह कॉरिडोर इन राज्यों की सुरक्षा और आर्थिक जरूरतों के लिए एक आवश्यक माध्यम बन जाता है। पूर्वोत्तर भारत अपनी लगभग सभी ज़रूरतों के लिए सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर निर्भर है। चिकन नेक कॉरिडोर के काफी छोटा होने के चलते पूर्वोत्तर भारत से बाकी देश को जोड़ने में बड़ी समस्याएं आती हैं और वहां माल भेजना भी महंगा पड़ता है। अगर कभी युद्ध की स्थिति बने और इस हिस्से पर हमला हो तो बाकी भारत को पूर्वोत्तर से जोड़ना मुश्किल हो सकता है।

इसलिए, इस कॉरिडोर को लेकर चिंता बनी हुई है। इसका एक कारण चीन का लगातार विस्तारवादी नीतियां अपनाना भी है। कई सैन्य अधिकारियों समेत रक्षा विश-षज्ञों ने भी चिंता जताई है। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने गलियारे को संवेदनशील और भारत के लिए एक प्रमुख सुरक्षा प्राथमिकता बताया था। अक्टूबर 2024 में एक कॉन्क्लेव के दौरान पूर्वी कमान के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता ने कहा था कि म्यांमार में लड़ाई और बांग्लादेश में राजनीतिक संघर्ष के चलतेकलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और चटगांव बंदरगाह के माध्यम से त्रिपुरा तक कनेक्टिविटी जैसे अन्य मार्ग बाधित हो गए हैं। उन्होंने बताया था कि इसके चलते सिलीगुड़ी कॉरिडोर और भी महत्वपूर्ण चैनल बन चुका है। उन्होंने चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे (सीएमईसी) के माध्यम से म्यांमार में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भी बात की थी। इसके अलावा बांग्लादेश के दिनाजपुर के रंगपुर डिवीजन में चीनी मजदूरों की बढ़ती संख्या भी उतनी ही परेशानी वाली बात है।

बांग्लादेश के अलावा नेपाल में भी चीन का बढ़ता प्रभाव चिंता की बात है। विशेषकर इस गलियारे के पास लगती नेपाल सीमा के भीतर चीन के प्रोजेक्ट समस्या को और भी बढ़ाते हैं। 2017 में 73 दिनों तक चले डोकलाम विवाद के दौरान, चीन ने इस भूटान के माध्यम से घुसपैठ की थी। हालांकि भारत ने इस घटना में चीन को पटखनी दी थी। इन सबके साथ ही चीन जबरदस्ती कब्जाए गए तिब्बत के चुम्बी घाटी से भी सिलीगुड़ी कॉरिडोर को घेरता है। जनरल कलीता ने बताया था कि चीन ने तिब्बत के इस इलाके में कई इन्फ्रा प्रोजेक्ट चालू किए हैं। इनमें नए सैन्य अड्डे और नई एयरफील्ड शामिल हैं।

चीन ने कथित तौर पर एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) के पास अरुणाचल के करीब 90 नई बस्तियां बनाई हैं। 2018 और 2022 के बीच इनमें से 600 से ज़्यादा नए घर या ऐसे ही ढांचे सामने आए हैं। मई 2024 में ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में माजिदुनचुन और झुआंगनान जैसी जगहों पर नए निर्माण दिखाई देते हैं। नागरिक और सैन्य दोनों तरह के ढांचे हैं। तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के ल्होखा प्रान्त और न्यिंगची (अरुणाचल के पास) के आस-पास के कई इलाके एलएसी से 5 से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। जनरल कलीता ने बताया था कि अगर चीन की सभी हरकतों को एक नक़्शे पर उभारा जाए तो पता चलेगा कि यह सब सिलीगुड़ी कॉरिडोर को घेरने के लिए हो रहा है।

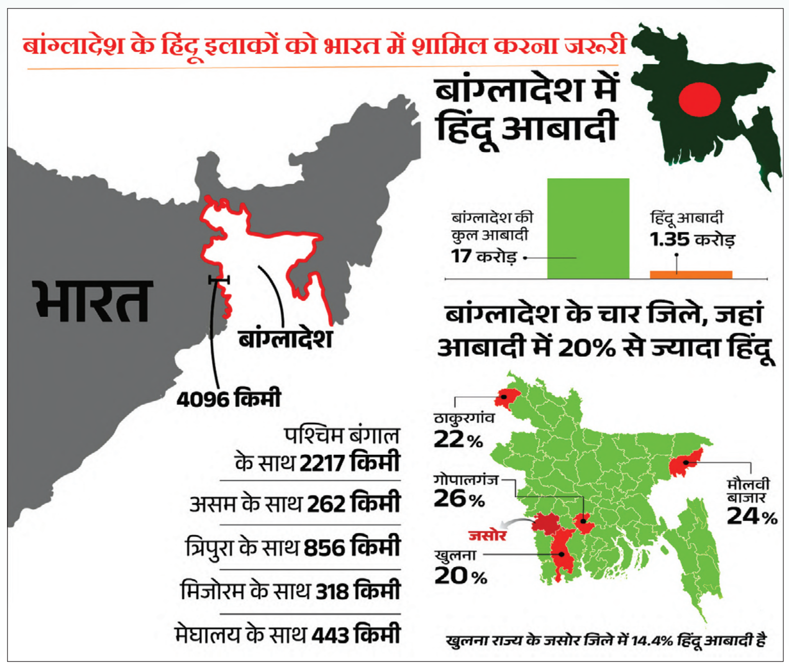

सिलीगुड़ी कॉरिडोर का महत्व ऐसे भी समझा जा सकता है कि रोज 10 लाख से अधिक वाहन इससे होकर गुजरते हैं। रोज इस कॉरिडोर से 2400 टन माल गुजरता है और इससे 142 करोड़ राजस्व की रोज कमाई होती है। जनरल कलीता ने स्पष्ट किया था कि चीन इस गलियारे को घेरने के लिए लगातार आक्रामक होता रहेगा। इस कॉरिडोर की समस्याओं को देखते हुए भारत ने पूर्व में बांग्लादेश से कुछ समझौते किए थे। इसके चलते भारत पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंचने के लिए बांग्लादेश की सड़कें और वहां के नदी वाले रास्ते उपयोग करता आया है। कोलकाता से अगरतला जाने वाली एक बस इसका उदाहरण है।

यह बस बांग्लादेश होते हुए अगरतला जाती है, इससे इसका सैकड़ों किलोमीटर का सफ़र बचता है। भारत बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह के माध्यम से पूवोत्तर में माल भेजता है, इसके चलते बांग्लादेश को बड़ी कमाई होता है। हालांकि, यह कोई पक्का उपाय नहीं है क्योंक बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के चलते किसी भी दिन यह समझौते टूट चुके हैं। भारत के संबंध में सिलीगुड़ी कॉरिडोर एक हमेशा बने रहने वाले खतरे के रूप में है। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि भारत के दुश्मन इस कमजोरी को पहचानते हैं। वह इसका फायदा उठाने के भी प्रयास करते रहे हैं। मोहम्मद यूनुस का हालिया बयान इस्लामी कट्टरपंथियों की इस कॉरिडोर के विषय में धमकियों को भी याद दिलाते हैं।

सीएए कानून के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन के दौरान इस कॉरिडोर की कमजोरी को लेकर इस्लामी कट्टरपंथी शरजील इमाम ने बयान दिया था। उसने मुसलमानों से अपील की थी कि वह चिकन नेक को काट दें और पूर्वोत्तर भारत को शेष भारत से अलग कर दें। शरजील इमाम ने कहा था कि यह सब करने के लिए उसे 5 लाख मुसलमानों की जरूरत है। उसने कहा था कि ऐसा होने पर भारत महीनों तक पूर्वोत्तर से अलग रहेगा और यहां भारतीय सेना को जाने के लिए हवाई रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ेगा। उसने दावा किया था कि असम में बंगालियों का नरसंहार हो रहा है। शरजील इमाम ने इस दौरान यह भी साफ कर दिया था कि चिकन नेक कॉरिडोर के आसपास मुस्लिम बसते हैं और उन्हें इस कॉरिडोर तोड़ने के खिलाफ भड़काना होगा। उसने मुस्लिमों को चिकन नेक काटने के खिलाफ भड़काना जिम्मेदारी बताया था।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर 30 वर्ष पूर्व हिंदू बहुल था। रोहिंग्याओं और हज़ारों बांग्लादेशी मुसलमानों की घुसपैठ के चलते यहां की डेमोग्राफी बदल चुकी है। इस इलाके में बांग्लादेश और म्यांमार से मुस्लिमों के आने के चलते उत्तर बंगाल और असम के बांग्लादेश से लगने वाले अधिकांश जिले मुस्लिम बहुल हैं। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आई) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, उत्तर बंगाल के बड़े हिस्से में यह डेमोग्राफी का बदलाव एक गंभीर मुद्दा बन गया है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गम्भीर खतरा भी है। पिछले कुछ दशकों में आईबी समेत बाक़ी एजेंसियों ने केंद्र सरकार को इस संबंध में रिपोर्ट सौंपी हैं।

अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी), जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), जो अल कायदा और बांग्लादेश में आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़ा है। इस इस्लामी आतंकी संगठन ने भी कॉरिडोर को काट देने की रणनीति बनाई थी। ये इस्लामी आतंकी संगठन इस इलाके की आबादी को कट्टर बनाने और चिकन नेक और बिहार में कई सभाएं भी कर रहे हैं। इस क्षेत्र में रहने वाले मुस्लिम अवैध घुसपैठिए हैं या फिर बांग्लादेश और म्यांमार से आए घुसपैठियों के वंशज हैं। उनसे कहा जा रहा है कि वह भारत के खिलाफ आवाज उठाए क्योंकि यह कथित तौर पर मुस्लिमों पर अत्याचार करता है। उन्हें बताया जा रहा है कि वे इस क्षेत्र में बहुसंख्यक हैं और उन्हें भारत को हरा कर इस्लामी राज स्थापित करने में मदद करनी होगी। कई भड़काने वाले इस इलाके को बांग्लादेश में मिलाने के लिए वकालत कर रहे हैं। गजवा-ए-हिंद की वकालत करने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों की योजना के अनुसार, चिकन नेक कॉरिडोर में संचार को रोक कर और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमला करके भारत को खतरे में डाला जाए।

आईबी की रिपोर्ट कहती है कि उनका प्लान है कि हमले के समय में सरकार कॉरिडोर में अपनी सारी शक्ति नहीं उपयोग कर पाएगी और युद्ध वाले मोर्चे पर फंसी होगी। इस कॉरिडोर में लम्बे समय तक विवाद चला तो बाहरी शक्तियां इसका फायदा उठा सकती हैं और यह भारत से अलग भी हो सकता है। इस्लामी कट्टरपंथियों की योजना के अनुसार सिर्फ़ चिकन नेक कॉरिडोर में रहने वाले मुसलमान ही विद्रोह नहीं करेंगे। बिहार के किशनगंज और पूर्णिया जिलों में रहने वाले उनके साथी घुसपैठिए भी विद्रोह में शामिल होंगे और उन सभी को बांग्लादेश में रहने वाले मुस्लिमों का समर्थन मिलेगा।

फरवरी 2025 में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस बात की पुष्टि की थी कि मोदी प्रशासन इस कॉरिडोर के चलते आने वाली तमाम समस्याओं को पूरी तरह जानती है। इसलिए उसने पूर्वोत्तर के साथ निर्बाध सम्पर्क बनाए रखने के लिए एक रणनीति विकसित की है। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि भारतीय रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए चिकन नेक में 4 अतिरिक्त रेलवे ट्रैक बनाएगा। इसके अलावा, जल्द ही गलियारे में दो और रेलवे लाइनें शुरू करने की योजना है, जिससे असम और अन्य क्षेत्रों में रेलवे के इन्फ्रा को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा सरकार उन पर निगरानी रख रही है जो चिकन नेक को खतरे में डालने की बात कर रहे हैं। सरकार ने इस इलाके में निवेश बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए हैं। हाल ही में सम्पन्न हुए असम के इन्वेस्टर समिट में भी इस पर जोर था। इस इलाके में इन्फ्रा भी मजबूत किया जा रहा है। भारत सिलीगुड़ी के माध्यम से एक मल्टीमॉडल कॉरिडोर बनाए जाने की योजना बना रहा है। इसमें हाईस्पीड रेल और सुरंगे तक शामिल होने वाली हैं। इसके अलावा भारत अरुणाचल फ्रंटियर हाइवे बनाने वाला है। यह देश की सबसे बड़ी इन्फ्रा परियोजनाओं में से एक होगा, इसकी लागत 42 हजार करोड़ होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर राज्यों में ढांचागत काम के लिए जिम्मेदार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में बताया, पिछले 10 वर्षों में हमने करीब साढ़े पांच हजार किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए हैं। जिस क्षेत्र में केवल 10,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, आज वहां 16,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर प्रश्न भी उठाए और आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों की अनदेखी की। उन्होंने पूछा, 60 साल में क्या बना था? सारे इन्फ्रा का 60 प्रतिशत 10 साल में बनाया गया है। पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 50,000 करोड़ की लागत से 45,000 किलोमीटर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा, यह राजमार्गों की बात है। अगर आप रेलवे को देखें, तो रेलवे ट्रैक बनाने की गति मोटे तौर पर पहले 6.5 किलोमीटर/महीने थी। यह अब बढ़कर 19 किलोमीटर/महीने हो गई है। पिछले 10 साल में 2,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं। पूर्वोत्तर में अब हवाई अड्डों की संख्या बढ़ कर 17 हो चुकी है। अब 1990 उड़ानें पूर्वोत्तर राज्यों से चलती हैं। इसके अलावा पानी के जरिए भी यातायात बढ़ा है। मंत्री सिंधिया ने बताया कि पहले मात्र एक जलमार्ग हुआ करता था जो अब बढ़ कर 20 हो चुके हैं।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की समस्या अंग्रेजों की दी हुई है। यहां तक यह नाम भी उनका ही दिया है। अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल को पहली बार विभाजित किया था। इसका उद्देश्य बंगाल में बढ़ते आंदोलन को रोकना था। इसके बाद 1911 में राज्य को मिलाया तो गया लेकिन धार्मिक विभागं के बीज बो दिए गए। यही आगे चल के 1947 में भारत के विभाजन का एक कारण बना। बंगाल, असम और बाकी पूर्वोत्तर के राज्यों वह हिस्सा तोड़ के अलग कर दिया गया, जहा हिंदू बसा करते थे। इस विभाजन के चलते भारत ने अपना महत्वपूर्ण भूभाग खो दिया।

अंग्रेज विभाजन का रास्ता हमेशा हिंदुओं को कमजोर करने और अपने खिलाफ विद्रोह न पैदा होने देने के लिए चलते करते थे। इस रणनीति को उन्होंने बार-बार अपनाया था। इसमें उनका साथ देने वाले इस्लामी कट्टरपंथी गुट भी होते थे। इन्होने पाकिस्तान बनाने में अंत में सफलता पाई। पाकिस्तान की बात सबसे पहले मुस्लिमों ने 1930 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में रखी थी। पाकिस्तान बनाने वाले मोहम्मद अली जिन्ना हिंदुओं के राज में नहीं रहना चाहता और इसलिए वह मुस्लिमों के अलग मुल्क चाहता था। उसकी बात को खाद पानी देने वाले ब्रिटिश साम्राज्यवादी थे। इनमें एक नाम प्रधानमंत्री चर्चिल भी था। अंग्रेज मानते थे कि पाकिस्तान हमेशा ब्रिटेन का एक वफादार रहेगा। अंग्रेजों की सोची-समझी फूट डालो और राज करो आगे चल कर हिंसा में बदल गई। उन्होंने इस नीति के अंतर्गत लाहौर, सिंध और चटगांव जैसे इलाकों में रहने वाले हिंदुओं को बेदखल कर दिया और इसे मुस्लिमों को दे दिया।

भारत के विभाजन के चलते दोनों समुदायों की दुश्मनी ही नहीं बढ़ी बल्कि भारत के लिए दो इस्लामी देश, आतंकवाद और कूटनीतिक चुनौतियां भी सामने आ गई। विभाजन के चलते ही पूर्वोत्तर शेष भारत से अलग-थलग पड़ गया और उसका विकास दशकों तक नहीं हो सका। वह चीन भी घिर गया। विभाजन के चलते ही पूर्वोत्तर से चटगांव बंदरगाह छिन गया। यह हिस्सा इसके बाद बांग्लादेश को दे दिया गया। एकदम किनारे होने के चक्कर में नई दिल्ली इस इलाके पर ध्यान नहीं दे पाई और यह विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट गया। यही कारण है कि यह इलाका अब आंतरिक और बाहरी खतरों के प्रति संवेदनशील है।

पाकिस्तान बनाए जाने के समय भारत के पूर्वोत्तर के हिस्से लगभग 1000 मील का क्षेत्र काट दिया गया था। हालांकि, इसका उस पाकिस्तान से कोई लेना देना नहीं था जो पश्चिम में बनाया गया था और जहां के रहने वाले अधिकतर पश्तून और पंजाबी हैं। बांग्लादेश में रहने वाले अधिकांश लोग बंगाली हैं और उनकी संस्कृति दूसरे हिस्से से बिलकुल अलग है। प्राचीन भारत का पूर्वी क्षेत्र, जो काफी हद तक वर्तमान बांग्लादेश में है, महाजनपद काल में भी फल फूल रहा था। ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी के दौरान फला-फूला अंग साम्राज्य इसका एक बड़ा उदाहरण है। बांग्लादेश मौर्य और गुप्त साम्राज्यों सहित कई प्राचीन भारतीय साम्राज्यों का हिस्सा था।

बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी क्षेत्र में कई भारतीय जनजातीय समूह रहते हैं। इनमें चकमा, संताल, गारो और त्रिपुरा शामिल हैं, जिन्हें स्वदेशी या जातीय अल्पसंख्यक माना जाता है। बांग्लादेश में 54 से ज़्यादा जनजातीय समूह रहते हैं। यह बांग्लादेश के कुछ समतल जमीन वाले जिलों में भी हैं। बांग्लादेश की सरकार 50 जातीय समूहों के अस्तित्व को स्वीकार करती है, फिर भी वह इन्हें कोई संरक्षण नहीं देती। परंपरागत रूप से, इनमें से कई समूह ईसाई, बौद्ध या हिंदू रहे हैं जबकि उनमें से कुछ प्रकृति के पूजक भी हैं।

भारत के 1947 के विभाजन के दौरान चटगांव वाले इस इलाके को पाकिस्तान को सौंपा गया था। इस पर विवाद भी हुआ था। स्थानीय लोग इससे भड़क गए थे। यहां तब कोई भी मुस्लिम नहीं बसते थे। लेकिन पाकिस्तान की सरकार ने इसके बाद यहां बंगाली मुस्लिमों को बसाना चालू कर दिया। 1964 में इसके विशेष दर्जे को भी पाकिस्तान सरकार ने समाप्त कर दिया। इसके बाद यहां और तेजी से बंगाली मुस्लिम बसाए जाने लगे। 1979 से 1983 के बीच पहाड़ी इलाकों में बंगालियों को बसाने के लिए बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा योजना चलाई गई।

बांग्लादेश सरकार ने यह इसलिए किया ताकि यहां के जनजातीय लोगों की जमीन छीनी जा सके।बांग्लादेश की स्वतंत्रता के बाद, जनजातीय लोगों के प्रतिनिधिमंडल ने नए प्रशासन से सीएचटी इलाके को स्वायत्तता देने की याचिका दायर की, लेकिन इसे नहीं स्वीकार नहीं किया गया। बांग्लादेश में लगातार सरकारों द्वारा उनके प्रतिरोध को हिंसक रूप से दबा दिया गया है। मौजूदा शासन के तहत उनकी स्थिति और भी खराब होती जा रही है। अंग्रेजों और मुस्लिमों के स्वार्थी हितों को पूरा करने के लिए बनाई गई सीमाओं के चलते यह जनजातीय लोग उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं।

दुनिया के सभी बड़े देश जैसे कि रूस, चीन, इजरायल और अमेरिका आदि ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा और सामरिक हितों को साधने के लिए विस्तार किया है। रूस का क्रीमिया पर कब्जा और यूक्रेन पर हमला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। हाल ही में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर कब्जा करने की बात कही, यह उनकी विस्तारवादी नीति का ही परिणाम है। चीन तो लगातार भारत में ही घुसता आया है। उसकी विस्तारवादी नीति से उसके सारे पड़ोसी परेशान हैं। कोई भी स्वाभिमानी राष्ट्र जबरदस्ती उकसावे को बर्दाश्त नहीं करेगा। और तब तो यह असहनीय होगा जब वह राष्ट्र आपको भड़काए जिसका निर्माण ही आपकी मेहनत से हुआ हो और वह आपसे कई गुना छोटा हो। भारत और बांग्लादेश के बीच बहुत बड़े अंतर हैं। भारत जमीन के मामले में तो बांग्लादेश से बड़ा है कि उसकी सेना भी बांग्लादेश के मुकाबले कई गुना मजबूत है।

भारत एक परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है, वहीं बांग्लादेश के पास ढंग के मिसाइल भी नहीं हैं। मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से लगातार बांग्लादेश भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है। वह कहीं चीन तो कहीं अमेरिका की गोद में बैठने को आतुर दिखाई देता है। इसका सीधा अर्थ यह मालूम होता है कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया है। ऐसा कुछ होने से रोकने के लिए अब कार्रवाई किए जाने की जरूरत है। ऐसे में भारत बांग्लादेश के उन इलाकों का विलय करने की सोच सकता है, जो इसके लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है।

इसलिए, अगर भारत बांग्लादेश के उन इलाकों पर जहां गैर-मुस्लिम या हिंदू आबादी बड़े रूप में मौजूद है पर कब्जा करता है इससे न केवल यूनुस और उनकी सरकार द्वारा खड़े किए गए खतरे का खात्मा हो जाएगा, बल्कि इससे सामरिक फायदा भी होगा। उदाहरण के लिए अगर भारत चटगांव बंदरगाह कब्जा ले तो पूर्वोत्तर के राज्य जमीन से घिरे नहीं रहेंगे। इससे उन देशों को भी सबक मिलेगा ▶10पर

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

योगी ने वक्फ बोर्ड की माफियागीरी को दी चेतावनी

भू माफिया बन गया है वक्फ बोर्ड

प्रयागराज, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे। यहां पर उन्होंने करोड़ों की परियोजन-ाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 579 करोड़ रुपये की 181 परियोजनाओं की सौगात दी। इसके पूर्व उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन कर निषादराज और भगवान राम के मिलन की पावन धरती को प्रणाम किया। सीएम ने निषाद राज उद्यान में अयोध्या शोध संस्थान द्वारा राजा निषाद व श्रीराम से जुड़ी कथाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत प्रशिक्षित समूह की महिलाओं द्वारा मूंज से उत्पादों ओडीओपी की प्रदर्शनी को भी देखा।

सीएम योगी ने कहा कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर वक्फ बोर्ड का का मनमाना दावा ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां श्रृंगवेरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप यहां निषादराज की पौराणिक भूमि पर कब्जा देख रहे हैं ना। शहर में जगह-जगह वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए हैं। यहां तक की कुंभ के समय भी बयान दिए गए कि कुंभ की भूमि भी वक्फ की है। हमने पूछा था- क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर खदेड़ दिया गया है। निषाद राज से जुड़ी पवित्र भूमि समेत कई जगहों पर वक्फ के नाम पर अतिक्रमण किया गया, लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उनकी आपत्तियों के बावजूद भव्य और दिव्य कुंभ मेले का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड की कथित अनियमितताओं के खिलाफ विधायी कार्रवाई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी सराहना की।

योगी ने कहा कि 'हम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई है। इस मुद्दे को हल करने वाला एक महत्वपूर्ण विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है और अब इसे राज्यसभा में भी पारित किया जाएगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया और बृहस्पतिवार को राज्यसभा में प्रस्तुत किया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य अब अवैध दावों को बर्दाश्त नहीं करेगा और राष्ट्रीय हित को पहले स्थान पर रखना होगा। उन्होंने कहा कि 'जो लोग राष्ट्र के प्रति वफादार हैं, वे हमेशा अपना रास्ता खोज लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया। इतना बड़ा आयोजन सनातन धर्मावलंबी और राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे ही इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा कि हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को एक पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका वोटबैंक महत्वपूर्ण था। योगी बोले महाकुंभ ने यहां के लोगों को देश दुनिया में पहचान और सम्मान दिलाया है। व्यक्ति को पहचान और सम्मान मिल जाए तो इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। पिछली सरकारें इस पहचान को समाप्त कर रही थीं। उत्तर प्रदेश को माफियाओं को हवाले कर रही थीं और हर जिले में एक माफिया विकसित कर रही थीं।

सीएम योगी ने श्रृंगवेरपुर में भगवान श्री राम और निषाद राज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि निषाद राज पार्क भगवान राम व निषाद राज की मित्रता का भव्य स्मारक है। सीएम योगी ने पार्क का निरीक्षण किया और कहा कि हजारों वर्ष पहले इसी पावन धरा पर भगवान राम ने कदम रखा था।

निषाद राज ने मित्रता का धर्म निभाते हुए भगवान राम को गंगा पार कराई और चित्रकूट तक उनका साथ दिया। आज वही मित्रता बीजेपी और निषाद पार्टी के बीच दिख रही है। यह इतिहास फिर दोहराया जा रहा है। उन्होंने श्रृंगवेरपुर को आध्यात्मिक और पर्यटन केंद्र बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि जहां भगवान राम ने रात्रि विश्राम किया था, वहां घाटों का निर्माण और सुंदरीकरण होगा। महर्षि श्रृंगी और माता शांता के मंदिर का जीर्णोद्धार, संस्कृत विद्यालय, और विद्युत शोध गृह भी बनाया जाएगा। उन्होंने पार्क के रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं के निर्देश दिए। इस दौरान सीएम योगी ने निषाद समुदाय के उत्थान के लिए कई योजनाओं की सौगात दी। उन्होंने निषाद राज वोट सब्सिडी योजना के तहत 1100 नाविकों को 3.20 करोड़ रुपये, मत्स्य संपदा योजना के तहत 1400 मत्स्य पालकों को 20 करोड़ रुपये, और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए 138 करोड़ रुपए के ऋण वितरित किए।

सीएम योगी ने कहा कि पहले यह पैसा बिचौलियों के पास जाता था, लेकिन अब डबल इंजन की सरकार इसे सीधे लाभार्थियों तक पहुंचा रही है। उन्होंने प्रशासन को निषाद समुदाय के लिए सीएनजी नौकाएं और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिए। जनसभा के दौरान भगवान राम के वेश में एक बालक ने शिव स्तुति सुनाई, जिससे सीएम योगी प्रभावित हुए और उन्होंने बच्चे को चॉकलेट देकर दुलारा। उन्होंने कहा कि यह प्रतिभा हमारी विरासत को आगे बढ़ाएगी। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ की सफलता सनातन धर्म की शक्ति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि इतना भव्य आयोजन केवल राम भक्त और राष्ट्रनिष्ठ लोग ही कर सकते हैं। यह मां गंगा, भगवान राम, निषाद राज और द्वादश माधव की कृपा का परिणाम है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में योगदान देने वाले प्रशिक्षित गाइड, नाविकों और होम स्टे संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के बहाने प्रयागराज का चौतरफा विकास हुआ है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', डॉ संजय कुमार निषाद, नरेंद्र कुमार कश्यप, रामकेश निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, महापौर उमेश गणेश केसरवानी, विधायक डॉ. सिद्धार्थनाथ सिंह, डॉ. केपी श्रीवास्तव, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, पूजा पाल समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मनरेगा फर्जीवाड़ा में बड़ी कार्रवाई, आठ निलंबित

क्रिकेटर शमी की बहन की सास से होगी 8.68 लाख की वसूली

अमरोहा, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरोहा में मनरेगा फर्जीवाड़ा मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। जांच के बाद डीएम ने आठ अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन की सास से 8.68 लाख की वसूली होगी। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन शबीना, बहनोई गजनबी और कुछ अन्य परिजनों को मनरेगा मजदूर दर्शाकर बड़ा भुगतान लेने के मामले में शबीना की सास गुले आयशा से 8.68 लाख रुपए की वसूली की जाएगी। इसके अलावा डीएम ने तत्कालीन तीन पंचायत सचिव उमा, अंजुम व पृथ्वी और एपीओ ब्रजभान सिंह समेत आठ अधिकारी-कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

तत्कालीन बीडीओ प्रतिभा अग्रवाल के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को पत्र लिखा है। वहीं, एक पंचायत सचिव को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। डीएम ने सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के भी आदेश दिए हैं। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन शबीना की सास ही मनरेगा फर्जीवाड़े से जुड़े गांव पलौला की प्रधान हैं। उनके अधिकार भी सीज होंगे। मामले की जांच कमेटी ने बुधवार को रिपोर्ट डीएम को सौंप दी है। जांच में कमेटी ने तत्कालीन बीडीओ व चार सचिवों समेत कुल 11 लोगों को फर्जीवाड़े का दोषी माना है।

जांच रिपोर्ट मिलने के बाद डीएम ने बीडीओ व एक सचिव पर विभागीय कार्रवाई तथा तीन सचिवों समेत आठ कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए है। साथ ही प्रधान (शमी की बहन की सास) से मनरेगा मजदूरी के तहत निकाली गई 8.68 लाख रुपए की रिकवरी के लिए कहा है। प्रधान के रूप में उनके अधिकार सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि दोषी कर्मचारियों पर निलंबन की कार्रवाई भी होगी। डीएम ने परियोजना निदेशक व डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह को इस मामले की जांच सौंपी थी। कमेटी पिछले एक सप्ताह से मनरेगा में फर्जीवाड़े के हर पहलु को ध्यान में रखकर जांच कर रही थी।

जांच में प्रधान के परिवार के आठ लोगों समेत कुल 18 लोगों द्वारा बिना मजदूरी किए 8.68 लाख रुपए की रकम निकालने की बात सामने आई है। इसमें ब्लॉक के कर्मचारी भी दोषी पाए गए हैं। जांच कमेटी ने एक तत्कालीन बीडीओ प्रतिभा अग्रवाल को भी दोषी माना है। इसके अलावा पंचायत सचिव उमा, अंजुम व पृथ्वी, एपीओ ब्रजभान सिंह, तत्कालीन रोजगार सेवक झम्मन लाल, कंप्यूटर ऑपरेटर शराफत अली, तकनीकी सहायक अजय निमेष व लेखाकार विजेंद्र सिंह को दोषी पाया है। डीएम निधि वत्स ने कहा, जांच रिपोर्ट मिल गई है।

लोहिया संस्थान में शुरू हुई रोबोटिक सर्जरी

200 मरीजों को निशुल्क मिलेगी सुविधा

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भी अब रोबोटिक सर्जरी का लाभ मिलने लगा है। संस्थान के यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग में दा विंची एक्सआई डबल कंसोल सिस्टम का उपयोग करके दो मरीजों की रोबोटिक सर्जरी की गई है। अभी तक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा सिर्फ संजय गांधी पीज-ीआई में ही थी। लोहिया संस्थान में पहले 200 मरीजों की सर्जरी मुफ्त की जाएगी।

यूरोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के अध्यक्ष डॉ. ईश्वर राम धायल ने बताया कि संस्थान में 200 मरीजों की रोबोटिक सर्जरी मुफ्त की जाएगी। ये वे मरीज हैं जिनको पहले से तारीख दी गई है। इसके बाद रोबोट का शुल्क निर्धारित किया जाएगा। बीते दिनों बाराबंकी निवासी 68 वर्षीय भगवती और अंबेडकर नगर निवासी 27 वर्षीय लक्ष्मी नारायण की रोबोटिक माध्यम से किडनी निकाली गई है। चिकित्सा विज्ञान में इसे नेफ्रोटिक सर्जरी कहा जाता है। दोनों मरीज अब बेहतर हैं। जल्द ही इनको छुट्टी दे दी जाएगी।

लोहिया संस्थान प्रशासन ने 28 करोड़ रुपए से रोबोट खरीदा है। इस रोबोट से गुर्दा, लिवर, आंत, कैंसर के साथ ही अन्य अंगों की सर्जरी की जाएगी। पीजीआई और लोहिया संस्थान के साथ ही केजीएमयू में भी रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत होने वाली है। केजीएमयू में दो रोबोट आए हैं। इनके माध्यम से 58 हजार से लेकर अधिकतम 1,02,000 रुपए में सर्जरी होगी। संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह के मुताबिक, सरकार की मंशा के हिसाब से उनका लक्ष्य वंचित वर्ग को सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। रोबोटिक सर्जरी शुरू होने से कम आय वर्ग के रोगियों को भी आधुनिक इलाज की सुविधा मिलेगी। रोबोटिक सर्जरी की सुविधा अभी तक गिने-चुने सरकारी संस्थान में ही मौजूद थी। अब इसका लाभ लोहिया संस्थान में भी मिलेगा।

रोबोटिक सर्जरी में मशीन या फिर रोबोट सर्जरी नहीं करते हैं। बाकी सर्जरी की तरह इसे भी डॉक्टर ही करते हैं, लेकिन इसमें रोबोट का इस्तेमाल होता है। इसमें ऑपरेशन थियेटर में मरीज व अन्य स्टाफ के साथ रोबोट होता है। वहीं, बगल के कमरे में डॉक्टर रोबोट को नियंत्रित करने वाले उपकरण (कंसोल) से नियंत्रित करते हैं।

वीरता के साथ अब विकास का भी इतिहास रच रहा बुंदेलखंड

यूपी एग्रीज योजना से बुंदेलखंड के कृषि क्षेत्र का होगा कायाकल्प

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। बुंदेलखंड शौर्य और संस्कार की धरती है। वीरता के लिए इतिहास में विख्यात बुंदेलखंड की धरा आने वाले समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से विकास का इतिहास रचने जा रही है। अक्सर सूखे के लिए जाने जाना वाला बुंदेलखंड भविष्य में अपनी हरियाली के नाते जाना जाएगा। यहां की बड़ी और छोटी सिंचाई परियोजनाएं, खेत तालाब योजना के तहत बनाए गए तालाब इसका जरिया बन रहे हैं। कृषि के साथ ही बुंदेलखंड औद्योगिक प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है।

उल्लेखनीय है कि बुंदेलखंड में सात जिले चित्रकूट, बांदा, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर शामिल हैं। करीब 69 हजार वर्ग किलोमीटर में विस्तृत बुंदेलखंड का रकबा उत्तर प्रदेश के कुल रकबे का करीब 10 फीसद है। यहां दलहन और तिलहन की फसलों की खेती की अच्छी संभावना है। इसी लिए सरकार यहां दलहन ग्राम योजना भी चला रही है। साथ ही पूरे बुंदेलखंड में मिशन मॉड में प्राकृतिक खेती की प्रोत्साहन पर भी सरकार का पूरा फोकस है। अमूमन सूखे का सामना करने वाले बुंदेलखंड की कृषि उत्पादन में हिस्सेदारी सिर्फ 5.5 फीसद है। उत्पादन के इस अंतर की भरपाई के लिए सरकार बुंदेलखंड में सिंचन क्षमता में लगातार विस्तार कर रही है।

साथ ही विश्व बैंक की मदद से चार हजार करोड़ की लागत से छह वर्ष तक चलने वाली उत्तर प्रदेश ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) योजना में बुंदेलखंड के सभी जिलों को शामिल कर सरकार यहां के खेतीबाड़ी का भी कायाकल्प करने जा रही है। फिलीपींस के मनीला स्थित स्थित इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंटीट्यूट की वाराणसी शाखा भी इस परियोजना में बतौर एक पार्टनर शामिल है। योजना के तहत क्लस्टर खेती को बढ़ावा देने के साथ डिजिटल और वित्तीय इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा। साथ ही किसानों को सघन ट्रेनिंग दी जाएगी।

योगी सरकार की पहल पर हो रहा बुंदेलखंड के औद्योगिकीकरण इसे उत्तर प्रदेश का ही नहीं देश के बड़े इंडस्ट्रियल हब में शुमार करेगा। डिफेंस कॉरिडोर, ललितपुर में बनने वाला फार्मा पार्क, कानपुर और झांसी के बीच प्रस्तावित देश का सबसे बड़ा औद्योगिक विकास प्राधिकरण बीडा और बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे किनारे बनने वाले औद्योगिक गलियारे, ललितपुर में बन रहा फार्मा पार्क इसका जरिया बनेंगे। विकास कार्य को गति देने में कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण का यही मकसद है। उसके अलावा सरकार सभी एक्सप्रेस वे को आपस में जोड़ने का काम भी करने जा रही है। इससे बुंदेलखंड प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों से भी तेजी से जुड़ जाएगा। यहां के उत्पादों को कहीं भी कम समय में तेजी से भेजना संभव होगा।

बुंदेलखंड में बेहतर एयर कनेक्टिविटी सोने पर सुहागा होगी। चित्रकूट में एयरपोर्ट बन चुका है। ललितपुर और झांसी में बन रहा है। इनके बनने पर महज सात जिलों वाले बुंदेलखंड में तीन एयरपोर्ट हो जाएंगे। इससे यहां के पर्यटन उद्योग को भी खासी तेजी मिलेगी। खासकर ऐतिहासिक पर्यटन को। यहां के कालिंजर जैसे किले, चंदेलकालीन तालाबों की अदभुत श्रृंखला, चित्रकूट जहां भगवान श्रीराम ने पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण समेत अपने वनगमन के दौरान सर्वाधिक समय गुजारे थे। यहीं पर राम और भरत का मिलन भाई-भाई के प्रेम की मिसाल बन गया। प्रयाग महाकुंभ के दौरान जिस तरह चित्रकूट में पर्यटकों का उलट प्रवाह हुआ, वह चित्रकूट के बढ़ते आकर्षण का सबूत है। योगी सरकार उसी अनुसार अयोध्या से चित्रकूट तक के राम वनगमन मार्ग को सजा रही है। चित्रकूट में बना रोपवे इसके आकर्षण में चार चांद लगा रहा है।

जेएस यूनिवर्सिटी फर्जी डिग्री मामला

जेल में बंद कुलपति से तीन घंटे हुई पूछताछ

फिरोजाबाद, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। फर्जी डिग्री प्रकरण में फंसी शिकोहाबाद की जेएस यूनिवर्सिटी पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने जयपुर जेल में बंद कुलाधिपति और रजिस्ट्रार से पूछताछ की। फर्जी डिग्री प्रकरण में जयपुर जेल में बंद जेएस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सुकेश यादव एवं रजिस्ट्रार नंदन मिश्रा से पूछताछ करने के लिए शिकोहाबाद पुलिस जयपुर जेल पहुंची। फिरोजाबाद न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद थाना शिकोहाबाद से एक उप निरीक्षक एवं एक अन्य पुलिसकर्मी जयपुर रवाना हुए।

शारीरिक शिक्षक अध्यापक भर्ती परीक्षा-2022 जयपुर में जेएस यूनिवर्सिटी की बीपीएड की फर्जी डिग्रियां पकड़ी गई थीं। इस मामले में जयपुर एसओजी ने कुलाधिपति एवं रजिस्ट्रार नंदन मिश्रा को जेल भेज दिया था। जेएस यूनिवर्सिटी का फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद फिरोजाबाद जनपद ही नहीं, बल्कि बुलंदशहर जनपद के छात्रों ने भी थाना शिकोहाबाद में आकर जेएस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति, रजिस्ट्रार समेत डॉ. पीएस यादव, डॉ. गौरव यादव, उमेश मिश्रा समेत अन्य स्टाफ के खिलाफ दो केस दर्ज कराए थे। इसमें पुलिस ने सामूहिक गिरोहबंद अधिनियम के तहत केस दर्ज किए हैं।

यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा पुलिस के नोटिसों का संतोषजनक जवाब न मिलने के चलते बीते बुधवार को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट फिरोजाबाद ने शिकोहाबाद पुलिस को जयपुर जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ के लिए जयपुर जाने की अनुमति दी थी। बृहस्पतिवार सुबह थाना शिकोहाबाद से उप निरीक्षक चमन शर्मा समेत एक अन्य पुलिसकर्मी जयपुर के लिए सुबह सात बजे करीब रवाना हुए। जहां शिकोहाबाद पुलिस ने जयपुर एस-ओजी से मिलने के बाद जयपुर जेल में बंद डॉ. सुकेश यादव एवं नंदन मिश्रा से पूछताछ की।

शिकोहाबाद पुलिस ने जेल में बंद दोनों आरोपियों से बीएससी एग्रीकल्चर तथा बीटेक-पॉलीटेक्निक कोर्सों के छात्रों के आरोपों के बारे में पूछा गया है। उनके यहां उपरोक्त कोर्स में कितनी सीटें हैं, कब मान्यता मिली। इसके अलावा पीड़ित छात्रों की फीस कहां जमा की गई थी, उनको फीस रसीद न देने के पीछे क्या वजह रही। इन सभी सवालों के जवाब पुलिस ने दोनों आरोपियों से लिए हैं। शिकोहाबाद पुलिस ने शाम पांच बजे तक दोनों आरोपियों से लगभग तीन घंटे तक गहन पूछताछ की है।

फिरोजाबाद के एसपी ग्रामीण अखिलेश भदौरिया ने बताया कि जयपुर जेल में बंद दोनों आरोपियों से पूछताछ के लिए शिकोहाबाद पुलिस से एसआई एवं एक अन्य पुलिसकर्मी जयपुर गए थे। जहां जेल में बंद दोनों आरोपियों से शिकोहाबाद थाने में दर्ज केस से सम्बन्धित कुछ प्रश्नों के जवाब लिए हैं। जल्द ही अब दोनों आरोपियों को पीसीआर रिमांड पर लेने की तैयारी की जाएगी।

यूपी के सभी मदरसों में लागू हुआ एनसीईआरटी पाठ्यक्रम

मदरसा शिक्षा परिषद की तरफ से जारी हुआ आदेश

लखनऊ, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के सभी मदरसों में नए शैक्षिक सत्र 2025-26 से राष्ट्रीय शैक्षिक व अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की तर्ज पर पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को इसी सत्र से कक्षा एक से तीन तक एनसीईआरटी की किताबें दी जाएंगी। इस संबंध में मदरसा शिक्षा परिषद की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है।

सभी मदरसों में बेसिक शिक्षा परिषद की तर्ज पर इस साल से बच्चों को एनसीईआरटी की किताबें दी जाएंगी। इस संबंध में मदरसा बोर्ड की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि बेसिक शिक्षा विभाग अपने विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू कर रहा है। इसी प्रकार से प्रदेश के मान्यता प्राप्त राज्यानुदानित मदरसों में भी चरणबद्ध तरीके से एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू कर दिया गया है। मदरसों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्राथमिक स्तर की शिक्षा में एकरूपता को लाना है।

रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने कहा, शैक्षिक सत्र 2023-24 से बेसिक शिक्षा की तरह मदरसों में कक्षा एक से आठ तक एससीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू है। अब जिस तरह से सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से तीन तक एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है वही व्यवस्था मदरसों में भी लागू की जा रही है।

संपादकीय

ट्रैफिक के हवाले से

पर्यटन ने पुनः आंख खोली तो पहाड़ों पर मेहमाननवाजी का जश्न शुरू हो गया। गंतव्य तक पहुंचना अगर पर्यटक की माथापच्ची है, तो सही सलीके से कारवां चले, यह हर साल की कसरत में पर्यटन को ट्रैफिक में उलझते देखता है। अटल टनल पर परिवहन का मानचित्र बन रहा है और इस हिसाब से हर दिन औसतन पांच हजार वाहन भी आएं, तो इस सुरंग से बाहर निकलने से पहले संघर्ष कड़ा है। ट्रैफिक के सारे प्लान शिमला, मनाली, मकलोडगंज, कसौली, डलहौजी और हर छोटे-बड़े पर्यटक स्थल को वाहनों से परेशान कर देते हैं। यह महज पर्यटक सीजन नहीं, हिमाचल की बाहों में आती दौलत और हर घर में वाहन कुछ कहता है, की नसीहत है कि परिवहन को व्यवस्था की आंखों से देखा जाए। हिमाचल के अपने वाहनों की पंजीकृत संख्या अगर पच्चीस लाख के लगभग है, तो हमारा आतिथ्य भाव जिन्हें बुला रहा है, वे दो करोड़ पर्यटक भी तो सडक़ पर अपना जोश दिखा रहे हैं। दो करोड़ पर्यटकों को अगर पांच की औसत से देखें तो भी चालीस लाख अतिरिक्त वाहन हिमाचल की परिवहन व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। यानी हम अपने ही घरेलू पच्चीस लाख वाहनों को परिवहन के सांचे में नहीं ढाल पाते, तो पर्यटकों के अतिरिक्त चालीस लाख वाहनों का रेला कैसे संभाल पाएंगे। हिमाचल में पर्यटन की कई वजह हैं, लेकिन शालीन पर्यटन के कारण यहां घट रहे हैं। प्रदेश में युवा सैलानियों के रूप में पर्यटन की परिभाषा को समझे बिना हर संभावना को हम प्रदूषित कर लेंगे। पहला सडक़ पर अनुभव और दूसरा रोमांच का अनुभव। कुछ दिन पहले भागसूनाग वाटरफॉल की सेल्फी और मणिकर्ण की यात्रा में हुई अलग-अलग मौतों के बीच कहीं हमारी चेतावनियां घिस गई थीं। क्या हम यात्रा का सलीका सिखाने की अनुशासित विधि अपना नहीं सकते। हिमाचल को पर्यटन के अनुशासन में समृद्ध करना है, तो सर्वप्रथम प्रवेश द्वारों से ही मानीटरिंग सिस्टम को लैस करना पड़ेगा। पर्यटक को प्रवेश में ही एक ऐप के जरिए पंजीकरण होना चाहिए और जिसका एक केंद्रीयकृत कमांड नियंत्रण कक्ष होना चाहिए। पुलिस की चैकिंग प्रवेश द्वार पर ही इस तरह हो कि हर वाहन आगे का सफर अनुशासित ढंग से कर पाए। पर्यटक को हर स्थल तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था के लिए प्रदेश को प्रमुख मार्गों पर रूट तय करने होंगे। यह पर्यटक या अन्य स्थलों के भीतर वन वे करने से नहीं, बल्कि प्रदेश भर के तमाम मार्गों को सीजन में परिवहन के लिए स्पष्ट निर्देशों के तहत चलाने की जरूरत है। अगर भविष्य में पर्यटन की मौलिकता में प्रदेश को नाम चमकाना है, तो नए प्रवेश द्वारों के अलावा पर्यटन मार्गों व पर्यटक सर्किट के अनुरूप ट्रैरफिक प्लान बनाने चाहिएं। अगर किसी पर्यटक को केवल देवी दर्शन या बौद्ध पर्यटन से जुड़े स्थानों पर जाना है, तो इसके लिए सर्किट के तहत पर्यटक रूट विकसित करने पड़ेंगे। इसी तरह किसी को धरोहर पर्यटन, किसी को साहसिक पर्यटन या किसी को झील पर्यटन से रू-ब-रू होना है, तो इनके रास्तों को सूत्रधार बनाना होगा। ट्रैफिक प्लान हर बार टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर फेल हो रहा है, तो इसके लिए सार्वजनिक परिवहन की भूमिका तथा एलिवेटिड परिवहन सिस्टम की जरूरत है। केंद्रीय सरकार अगर आगरा के लिए मेट्रो रेल परियोजना चला सकती है, तो हिमाचल जैसे राज्यों के लिए रज्जु मार्गों के नेटवर्क को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। टूरिस्ट डेस्टिनेशन से दस-पंद्रह किलोमीटर पहले ही सारे पर्यटक वाहनों को विराम देते हुए आगे का सफर रज्जु मार्ग नेटवर्क और सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से सुनिश्चित करेंगे, तो राज्य की छवि में निखार के अलावा हाई एंड टूरिज्म का विस्तार होगा। टूरिज्म क्षेत्र के विकास एवं वृद्धि दर का एक सुनियोजित खाका भी तय होना चाहिए। प्रमुख पर्यटक स्थलों के केंद्र बिंदु में छोटे-छोटे संपर्क मार्गों पर पर्यटक अधोसंरचना का विकास परिवहन व्यवस्था के दबाव को अफरातफरी में बदल रहा है।

ट्रैफिक के सारे प्लान शिमला, मनाली, मकलोडगंज, कसौली, डलहौजी और हर छोटे-बड़े पर्यटक स्थल को वाहनों से परेशान कर देते हैं। यह महज पर्यटक सीजन नहीं, हिमाचल की बाहों में आती दौलत और हर घर में वाहन कुछ कहता है, की नसीहत है कि परिवहन को व्यवस्था की आंखों से देखा जाए। हिमाचल के अपने वाहनों की पंजीकृत संख्या अगर पच्चीस लाख के लगभग है, तो हमारा आतिथ्य भाव जिन्हें बुला रहा है, वे दो करोड़ पर्यटक भी तो सडक़ पर अपना जोश दिखा रहे हैं। दो करोड़ पर्यटकों को अगर पांच की औसत से देखें तो भी चालीस लाख अतिरिक्त वाहन हिमाचल की परिवहन व्यवस्था को बिगाड़ देते हैं। यानी हम अपने ही घरेलू पच्चीस लाख वाहनों को परिवहन के सांचे में नहीं ढाल पाते, तो पर्यटकों के अतिरिक्त चालीस लाख वाहनों का रेला कैसे संभाल पाएंगे। हिमाचल में पर्यटन की कई वजह हैं, लेकिन शालीन पर्यटन के कारण यहां घट रहे हैं। प्रदेश में युवा सैलानियों के रूप में पर्यटन की परिभाषा को समझे बिना हर संभावना को हम प्रदूषित कर लेंगे। पहला सडक़ पर अनुभव और दूसरा रोमांच का अनुभव। कुछ दिन पहले भागसूनाग वाटरफॉल की सेल्फी और मणिकर्ण की यात्रा में हुई अलग-अलग मौतों के बीच कहीं हमारी चेतावनियां घिस गई थीं।

मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 'लू' चल सकती है

जल और ऊर्जा: मितव्ययिता के साथ विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी

सुनील कुमार महला

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। कहना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक गर्मी और हीटवेव को लेकर जो अलर्ट जारी किया है, वह जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट को इंगित करता है।आईएमडी के मुताबिक देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है।

वर्तमान में अप्रैल का महीना चल रहा है और अभी से ठीक-ठाक गर्मी पड़ने लगी है।अभी से ही उत्तर भारत गर्मी का सामना करने लगा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में इस संदर्भ में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है।आईएमडी का यह अनुमान है कि इस बार अप्रैल में सामान्य से ज्यादा गर्मी पड़ेगी। गौरतलब है कि आईएमडी द्वारा कई इलाकों में 'लू'(गर्म हवाएं)का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। कहना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक गर्मी और हीटवेव को लेकर जो अलर्ट जारी किया है, वह जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट को इंगित करता है।आईएमडी के मुताबिक देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। इसके अलावा मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 'लू' चल सकती है। आशंका जताई गई है कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। वास्तव में,उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप दिखेगा। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय वैश्विक तापमान(ग्लोबल वार्मिंग)में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे धरती पर गर्म लहरों की तीव्रता बढ़ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पारिस्थितिकी तंत्र, मानव स्वास्थ्य, जीवों के स्वास्थ्य, वनस्पतियों और देश की अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ता है। सच तो यह है कि अत्यधिक गर्मी उधोगों और व्यवसायों के लिए अनेक प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करती है। कहना ग़लत नहीं होगा कि गर्मी बढ़ने से उत्पादकता में अभूतपूर्व कमी आती है।उच्च तापमान के संपर्क में आने वाले कर्मचारी गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिससे कार्य कुशलता कम हो जाती है और उत्पादकता प्रभावित होती है।अत्यधिक गर्मी आपूर्ति शृंखलाओं(जैसे कि परिवहन व रसद में देरी) को बाधित कर

सकती है।जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, शीतलन उद्देश्यों के लिए ऊर्जा की खपत में जबरदस्त वृद्धि होती है। यह बढ़ी हुई मांग बिजली ग्रिड पर दबाव डालती है, जिससे संभावित रूप से बिजली की कटौती होती है और निरंतर ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर व्यवसायों पर असर पड़ता है और ऊर्जा की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि होती है। कहना चाहूंगा कि अत्यधिक गर्मी से कई तरह से वित्तीय नुकसान हो सकता है, जिसमें कृषि में फसल की विफलता, पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों के लिए पैदल यातायात में कमी, तथा क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के रख-रखाव की लागत में वृद्धि शामिल है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मौसम वैज्ञानिक बहुत लंबे समय से यह चेतावनी जारी कर रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग(वैश्विक तापमान) में बढ़ोत्तरी की वजह से दुनिया भर में चरम मौसमी घटनाएं बढ़ेंगी और भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। गौरतलब है कि पिछले ही वर्ष यानी कि वर्ष 2024 में पहली हीटवेव ओडिशा में अप्रैल की शुरुआत में महसूस की गई थी, जबकि इस वर्ष कोंकण व तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में फरवरी का अंत आते-आते ही होटवेव जैसी स्थितियां पैदा होने से मौसम को लेकर पहले ही अनेक प्रकार की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। यह बात ठीक है कि हम ग्लोबल वार्मिंग को एकदम से रातों-रात नहीं रोक सकते हैं, लेकिन हम गर्मी रोकने वाली गैसों और कालाशे कार्बन के मानव उत्सर्जन को कम करके इसकी दर को धीमा कर सकते हैं और ग्लोबल वार्मिंग की मात्रा को काफी हद तक सीमित कर सकते हैं।अपनी दैनिक दिनचर्याओं को समायोजित करके भी हम ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। मसलन, रिसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण), परिवहन के तरीकों को बदलकर, भोजन की बर्बादी को रोककर, अपनी ऊर्जा खपत का उचित प्रबंधन करके तथा दूसरों को पर्यावरण के प्रति शिक्षित और जागरूक करके काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग से बचा जा सकता है। आज विभिन्न मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि हो रही है और इसके लिए मुख्य रूप से कोयला , तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना जिम्मेदार ठहराते जा सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि ये गतिविधियाँ ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती हैं, और हमारे नीले ग्रह के नाजुक जलवायु संतुलन को बिगाड़ती हैं। संक्षेप में कहें तो ग्लोबल वार्मिंग से तात्पर्य विशेष रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण पृथ्वी की सतह के तापमान में वृद्धि से है और यही तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है।सच तो यह है कि तापमान में निरंतर वृद्धि दुनिया भर में व्यवधानों को बढ़ावा देती है। मसलन, अधिक चरम गर्मी पिघलती बर्फ की टोपियों से लेकर बारिश के बदलते पैटर्न तक, कृषि और जल आपूर्ति को प्रभावित करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से समुद्र का स्तर बढ़ता है। ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पिघलने लगतीं हैं।उच्च तापमान से तूफान, वन्य आग, बाढ़ और सूखे की घटनाएं बढ़ जाती हैं। जैव-विविधता की हानि होती है। सच तो यह है कि आज कई प्रजातियां बदलती जलवायु के अनुकूल ढलने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप विलुप्ति हो रही है। तापमान बढ़ोत्तरी से महासागरों का अम्लीकरण होता है। इससे अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में घुल जाती है, जिससे पीएच स्तर में परिवर्तन होता है और समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचता है। धरती का तापमान बढ़ता है तो भोजन एवं पानी की कमी हो जाती है। सच तो यह है कि सूखे और अनियमित मौसम से फसल की पैदावार कम हो जाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो जाता है।वायु प्रदूषण और अत्यधिक गर्मी श्वसन संबंधी बीमारियों और हीटस्ट्रोक में योगदान देती है। संक्षेप में कहें तो इससे स्वास्थ्य पर संकट बढ़ते हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि हमने समय रहते अपने कार्बन उत्सर्जन(ग्रीन हाउस गैसों) को नियंत्रित नहीं किया और पर्यावरण संरक्षण को उचित प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाले वर्षों में हालात और भी भयावह हो सकते हैं।

दृष्टि कोण

खुशी और खुशहाली

आध्यात्मिक रूप से सर्वाधिक उन्नत होते हुए भी आज भारतवर्ष में ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है जो दुखी हैं, उदास हैं, निराश हैं और अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। दरअसल लोग दो अलग-अलग चीजों को एक-दूसरे से कन्फ्यूज कर रहे हैं। उन्नत तकनीक, परिवहन के साधन और धन-संपत्ति से सुख मिल सकता है, खुशी नहीं। आप आरामदायक सोफे पर बैठे हों तो यह सुख है, लेकिन उस सोफे पर बैठा व्यक्ति भी उदास हो सकता है, हताश हो सकता है, चिंता में हो सकता है, गुस्से में हो सकता है। सुख अलग चीज है और खुशी बिल्कुल अलग। भौतिक जीवन में सफलता आपको सुख दे सकती है, पर यह खुशी भी दे, यह जरूरी नहीं है। कृपया भौतिक जीवन की सफलता को और उससे मिलने वाले सुख को खुशी से कन्फ्यूज मत कीजिए। ये कन्फ्यूजन ही समस्या की जड़ है। हम खुशी को भुलाकर सफलता के पीछे भागते हैं और जब सफलता मिल जाती है तो पता चलता है कि यहां तो खुशी है ही नहीं। समाज में ज्यादातर लोगों के दुखी होने का कारण ही यह है कि हम खुशी को सुख में ढूंढ रहे हैं, गलत जगह ढूंढ रहे हैं। खुशी वहां है ही नहीं तो मिलेगी कैसे? हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पिछले 75 साल से एक शोध चल रहा है। इस रिसर्च का विषय है कि किस तरह का व्यक्ति खुश रहता है। शोध में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के उन पूर्व छात्रों को ट्रैक किया गया जो क्लास में अव्वल रहते थे। इन छात्रों में दो लोग अमेरिका के राष्ट्रपति बने, कई लोग सांइटिस्ट बने, उद्यमी बने और कुछ ऐसे भी थे जो अपराध की दुनिया में जा धंसे और जेल गए। इनमें जो लोग खुश रहे, उनमें सिर्फ दो ही बातें कॉमन थीं कि इन सब लोगों ने अपने रिश्ते बरकरार रखे। सफल रहे या कम सफल हुए, पर रिश्तों पर ध्यान दिया, जिससे जीवन भर उन्हें ऐसे लोगों का साथ मिला जो उनकी खुशी में खुश होते थे। दूसरा कॉमन फैक्टर यह था कि वे हर रोज कोई न कोई ऐसा काम जरूर करते थे जिससे खुशी मिलती हो। किसी दूसरे व्यक्ति की खुशी में शामिल होना, किसी की सहायता कर देना, प्रकृति के सान्निध्य में समय बिताना, बच्चों के साथ रहना, हल्का व्यायाम करना, प्रेरक साहित्य पढना आदि में से कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता था जो उन्हें मोटिवेटिड और खुश रखे। खुश रहना सीखा भी जा सकता है। आप कोई कठिन या नापसंद काम पूरा कर लें तो खुशी होती है। आप अपनी देखभाल करें, मनपसंद भोजन करें, छोटी-बड़ी सफलताओं का जश्न मनाएं तो आपको खुशी मिलती है। ऐसी हर स्थिति में हमारा दिमाग डोपामाइन नाम का एक कैमिकल रिलीज करता है जिसे विज्ञान 'रिवार्ड कैमिकल' कहता है। इसी तरह अगर आप ध्यान करें, हल्की दौड़ लगाएं, तैराकी करें, साइकिल चलाएं, हल्की धूप में बैठें, प्रकृति के सान्निध्य में जाएं, पेड़-पौधों, फूलों के बीच जाएं तो आपका दिमाग सीरोटोनिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है जो आपका मूड सैट कर देता है। अगर आप घरेलू पालतू पशु के साथ खेलें, छोटे बच्चे के साथ खेलें, किसी प्रिय व्यक्ति का हाथ पकड़ें, किसी को गले लगाएं और किसी की सच्ची प्रशंसा करें या शाबाशी दें तो भी आप खुश हो जाते हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग 'लव कैमिकल' औक्सीटोसिन रिलीज करता है। अगर आप कोई व्यायाम करें, हंसें, कोई कामेडी देखें या गहरे रंग की चाकलेट खाएं तो हमारा दिमाग एंडॉरफिन नाम का कैमिकल रिलीज करता है। यह एक 'पेन किलर' का काम करता है। अकेलापन महसूस होने की स्थिति में या उदासी की हालत में इनमें से कुछ भी करें, यानी सैर करें, व्यायाम करें, तैराकी करें, प्रकृति का आनंद लें, बच्चों के साथ खेलें, किसी से गले मिलें तो आपका मूड बदल जाएगा और आपको खुशी मिलेगी। आइए, अब जीवन के दूसरे पहलू की भी बात करते हैं। खुशी तो जीवन में चाहिए ही। हम सारा जीवन असल में खुशियों के पीछे ही भागते हैं। गलती सिर्फ यह करते हैं कि अक्सर हम सुख को खुशी समझ लेते हैं। लेकिन क्या हमें सुख नहीं चाहिए? क्या हमें अमीर नहीं होना चाहिए? क्या हमें पैसा नहीं कमाना चाहिए? समझने की बात यही है कि खुशी पहली प्राथमिकता है और होनी ही चाहिए, पर खुशी के साथ यदि खुशहाली भी हो तो सोने पर सुहागा हो जाता है। हम अमीर भी हों, हम सुखी भी हों, इसमें कुछ भी बुराई नहीं है। खुशहाली के मामले में हमें थोड़े से आत्मनियंत्रण की आवश्यकता है। खुशहाली या अमीरी किसी नशे की तरह है। पहले तो थोड़े में काम चल जाता है, पर फिर धीरे-धीरे नशे की मिकदार बढ़ती चलती है। पहले हम शराब पीते हैं, फिर शराब हमें पीने लग जाती है। अमीरी की चाहत का भी यही हाल है। पैसा जैसे-जैसे बढ़ता है, वैसे ही लालच भी बढ़ता चलता है।

कुछ अलग

फिर बैतलवा डाल पर

लगा था इस बार शायद ऐसा नहीं होगा। पौन सदी कम नहीं होती। आदमी की जिंदगी हो तो इसमें लगभग खप ही जाती है। देश की हो तो भी उसे उसका रौशन काल नहीं कह सकते। अव्वल तो इनसे मिलने का मौका ही नहीं मिलता। प्रायः वह अपने हवाई मीनार में रहते हैं, और इस सडक़ पर इनके मीनार को देखते हुए कि नहीं इस बार सपनों का शहज़ादा अवश्य अपने घोड़े से उतर आएगा। हमारे गदरे-गुब्बार में हमारे अंग-संग चलेगा। हमारे दर्द को अपने गले से लगाएगा। हम इक्ट्ठे चल कर इन टूटी-फूटी सडक़ों या रास्ता भूली पगडंडियों की जगह एक नए जनपथ का निर्माण कर सको। इस पर सबको बराबर-बराबर चलने का हक होगा। इस पौन सदी में हमने हर जनपथ को शार्टकट बना सफलता लेने की पगडंडी में बदलते देखा है। इस पगडंडी का रास्ता कूड़े के उपलों पर नकारने में नहीं, बल्कि उसकी जगह उन पर एक मनभावन कलई करके स्वच्छ भारत सिद्ध कर देने की मुस्कराती घोषणा के साथ होता है। इस चुंधयाई हुई आंखों के साथ देखते हैं कि कल जो डम्प था, हम एक किसी चोर गली के रास्ते सिंहासन में तबदील हो गया। उस पर वे जम गए हैं, आवारा सपनों के उस मसीहा की तरह, जिसने पगडंडी बदलते हुए उनके सपने तो किसी भूल-भलैया में खो दिए और अपने दावों की विजयश्री के साथ अपनी शोभा को हमारी शोभा यात्रा बनाने पर तुला हुआ है। हम उन स्मार्ट शहरों में अपनी बना दी गई इस शोभायात्रा को तलाशते हैं, जो बिन बादल बरसात से उमड़ आए गले-गले पानी में डूबती-उतराती उस जीवन नौका की तलाश करती है जो हमें आदमी, इन्सानियत और पवित्र डुबोती इस जल प्रलय में से निकाल कर किसी सूखी धरती पर खड़ा कर दे। 75 बरस बीत गए, वह सूखी धरती हमें कहीं मिली नहीं। मिले तो बस उसकी प्राप्ति के गुटके। वायदा था कि बीच के मध्यजनों की धांधली और दलाली खत्म हो जाएगी। लेकिन साहिब, नीचे के ये लोग बड़े शक्तिमान हैं। पांच बरस के बाद आपके पास जब ये अपने दोबारा सिंहासन पर बैठने की मंजूरी लेने आते हैं, तो उन्होंने अपने कन्धों पर हमारी पालकी उठाई होती है। आपके खाली खाते आप से नए युग का वायदा करते रहते हैं, लेकिन सौदों में भुगतान में, बंटवारे में इनकी दलाली का वर्चस्व बना रहता है। नारा समतावादी समाज का लगता है, और नतीजा गरीब के और गरीब और अमीर के और अमीर का आता है। भई, सदियों का अंधेरा है, एक दिन में तो नहीं छंट जाएगा। जो राजा है वह राजा ही रहते हैं, और जो रंक हैं, उन्हें अब किसी नई घोषणा से बहलाना है। इसका फैसला तो राजा ही करेगा। इस फैसले पर जनता की तालियों के ज़ामिन यह मध्यजन ही बनते हैं। भला इन्हें अमान्य कैसे किया जा सकता है? आओ, क्यों न इन्हें इस बनते-संवरते समाज का ज़रूरी हिस्सा घोषित करके कानूनी मान्यता दे दी जाए। आजकल ज़माना सोशल मीडिया से व्हाटसअप से, फेसबुक से, ट्विटर और अब ग्रोक आदि से जयघोष उठवाने का है। इसमें भी ये सिद्धहस्त कहां पीछे रहते हैं? पहले अखबार-अखबार घूम कर अपने चित्र और ख़बरें लगवाते थे, अब इंटरनैट पर आपके हक में एक आभासी दुनिया खड़ी कर देते हैं। एआई का सहारा लिया जा रहा है। यह आभासी दुनिया आपको देश भक्ति, राष्ट्रवाद और महिमामंडित इतिहास के झूठे या अधपके सच परोसती है, और आपको लगता है, अरे असल सच तो यही है। अपने सवालों के जवाब न पाकर बैतलवा फिर उसी डाल पर जाकर बैठ जाता है, और आर्थिक विकास की इस दौड़ में ठूंठ रह गए उस मुक्तिवृक्ष में तलाश करता है, कि क्या यह वही देश है जिसकी डाल-डाल पर सोने की चिड़िया बसेरा करती थी।

देश दुनिया से

राष्ट्रहित में नहीं वायुसेना की घटती ताकत

भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह वायुसेना में लड़ाकू विमानों के बेड़े की घटती ताकत को लेकर अपनी चिंताएं जगजाहिर कर चुके हैं। जिस प्रकार से वायुसेना के लड़ाकू विमान लगातार दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं, लड़ाकू विमानों की आपूर्ति से जुड़ी दिक्कतें बढ़ रही हैं और इंजनों के लिए जनरल इलेक्ट्रिक पर निर्भरता कायम है, उसने भी भारतीय वायु सेना की ताकत और युद्ध के लिए तैयार रहने की कोशिशों को प्रभावित किया है। गत दिनों चाणक्य डायलॉग्स सम्मेलन में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35 से 40 सैन्य विमानों का निर्माण किए जाने की जरूरत है और यह क्षमता रातोंरात नहीं बनाई जा सकती है। 'भारत 2047 : युद्ध में आत्मनिर्भर' नामक विषय पर उन्होंने जोर देकर कहा कि इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव भी नहीं है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के अनुसार भारतीय वायुसेना 2047 तक अपनी सभी जरूरतों के सामान का उत्पादन भारत में ही करने की दिशा में काम कर रही है। फिलहाल भारतीय वायुसेना के पास 600 के करीब लड़ाकू विमान हैं, जिनमें 248 सुखोई 30 एमकेआई, 45 मिराज 2000, 130 जगुआर, 40 मिग 21 बाइसन, 32 तेजस एलसीए एमके 1, 65 मिग 29 और 36 राफेल शामिल हैं। लेकिन यदि चीन से तुलना की बात की जाए तो हमारे पास उसके विमानों के करीब आधी संख्या ही है। भारतीय वायुसेना को अभी तक 40 स्वदेशी तेजस विमान भी नहीं मिले हैं जबकि चीन ने छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान भी तैयार कर लिया है। 2008 में चीन का रक्षा बजट 78.78 अरब डॉलर का था, जो 2025 में भारत का रक्षा बजट है। यानी रक्षा बजट के मामले में हम आज भी चीन से 17 साल पीछे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक दशक तक रक्षा बजट को तुरंत जीडीपी के 4 प्रतिशत के बराबर किए जाने की जरूरत है। इतना ही नहीं, भारतीय वायुसेना के पास हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए 42 स्क्वाड्रन का होना जरूरी है। लेकिन इस वक्त भारत के पास करीब 32 स्क्वाड्रन हैं और यदि स्क्वाड्रनों की संख्या नहीं बढ़ाई गई तो साल 2035 तक भारत के पास सिर्फ 25 से 27 स्क्वाड्रन ही बचेंगे। इसलिए समझा जा सकता है कि आने वाले वर्षों में हालात किस कदर भयावह हो सकते हैं। एक स्क्वाड्रन में करीब 18 लड़ाकू विमान होते हैं। इस साल के अंत तक आखिरी मिग-21 को भी सर्विस से बाहर कर दिया जाएगा। एचएएल को भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमआई1ए लड़ाकू विमान बनाने हैं और सभी 83 तेजस एमआई1ए की डिलीवरी साल 2029 तक देनी है, लेकिन इसमें भी देरी हो रही है। भारतीय वायु सेना की आधिकारिक स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी। भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'नभः स्पृशं दीप्तम्' है। इसका मतलब है 'गौरव के साथ आकाश को छूना'। यह वाक्य भगवद्गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है। पिछले 93 वर्षों में भारतीय वायुसेना ने उपलब्धियों से परिपूर्ण एक गौरवशाली सफर तय किया है। भारतीय वायुसेना आसमान में भारत की ताकत को और बढ़ाना चाहती है और इसके लिए भारतीय वायुसेना को 114 नए लड़ाकू विमान चाहिए। मल्टी रोल फाइटर जेट प्रोग्राम के तहत ये विमान खरीदे जाने हैं। वायुसेना चाहती है कि 5 साल के भीतर पहला लड़ाकू विमान भारत में आ जाए। खरीद प्रक्रिया में 7 विमान दौड़ में शामिल हैं। ज्यादातर विमानों का पहले ही परीक्षण हो चुका है, इसलिए उम्मीद है कि लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया तेज होगी। यह प्रसन्नता की बात है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सैन्य ताकत बन चुका है। ग्लोबल फायरपावर की तरफ से वर्ष 2025 की सैन्य ताकतों की रैंकिंग में पहले स्थान पर अमरीका है। दूसरे स्थान पर रूस का नंबर आता है, जबकि चीन तीसरे स्थान पर है। पांचवें स्थान पर दक्षिण कोरिया है। अपनी सैन्य व एटमी ताकत का धौंस देने वाला पाकिस्तान इस बार तीन अंक खिसक कर 12वें स्थान पर पहुंच चुका है। ग्लोबल फायर पावर नामक संस्था रैंकिंग के लिए 60 से ज्यादा मानकों पर ध्यान देती है। इसमें सेनाओं की संख्या, हथियारों की ताकत,

लॉजिस्टिक्स लाने-ले जाने की क्षमता, भौगोलिक स्थिति शामिल हैं। फायरपावर इंडेक्स (जीएफपी) में कम स्कोर का मतलब देश की ज्यादा सैन्य ताकत होती है। अमरीका ने सबसे कम पावर इंडेक्स (0.744) हासिल कर टॉप किया है। भारतीय वायुसेना ने जिन युद्धों में भाग लिया है, उनमें द्वितीय विश्वयुद्ध, 1947 का भारत-पाक युद्ध, कांगो संकट, गोवा मुक्ति संग्राम, भारत-चीन युद्ध, 1965 का भारत-पाक युद्ध, बांग्लादेश मुक्ति युद्ध, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन पुमलाई, ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, कारगिल युद्ध आदि प्रमुख रहे हैं। यह माना जाता है कि मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है, लिहाजा आज तक लड़ी गईं सभी मुख्य लड़ाइयों में भले ही वायुसेना के पास उन्नत श्रेणी के युद्धक विमान न रहे हों, लेकिन उनको संचालित करने वाले भारतीय वायुसेना के जांबाज पायलेट अपने हौसलों से हर बार नया इतिहास रचते रहे हैं। भारत सरकार को कुछ अन्य सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिसमें हमारी हवाई रक्षा कवच (एयर डिफेंस) के साथ-साथ हमें ड्रोन और मिसाइल के एक एकीकृत बल के निर्माण को मजबूत बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत सरकार चौतरफा चुनौतियों से निपटने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए भारतीय वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारियों को दुरुस्त बनाने के लिए आवश्यक निर्णयों को अमलीजामा पहनाने का कार्य यथाशीघ्र पूरा करेगी।

आप का नजरिया

वक्फ का 'नया वक्त'

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया गया। उसका पारित होना लगभग तय है। विपक्ष में जो दल मान रहे थे कि तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, एलजेपी (रामविलास) और रालोद सरीखे धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा के वक्फवादी एजेंडे को रोक सकते हैं, वे अब निराश होंगे, क्योंकि इन दलों ने वक्फ बिल पर भाजपा को समर्थन देने की घोषणाएं की हैं। चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान आदि ने जो संशोधन दिए थे, मोदी सरकार ने उन्हें बिल में समाहित कर लिया है। इस बिल के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने बहुमत का शक्ति-परीक्षण भी साबित कर दिया है। साथ में 'धर्मनिरपेक्षता' की परिभाषा भी बदल दी है। चूंकि भाजपा के इन सहयोगी दलों का अच्छा-खासा मुस्लिम जनाधार है, फिर भी उन्होंने वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन दिया है। मुसलमानों का समर्थन लेना और उन्हें समर्थन देना ही 'धर्मनिरपेक्षता' नहीं है। अब भाजपा-समर्थक भी धर्मनिरपेक्ष हैं। वक्फ बिल के संदर्भ में यह गौरतलब तथ्य है कि 2013 में कांग्रेस और भाजपा ने संसद में कुछ संशोधन पारित कराए थे। किसी भी दल ने वक्फ कानून में उन संशोधनों का विरोध नहीं किया था। तब भाजपा की ओर से शाहनवाज हुसैन और मुख्तार अब्बास नकवी सरीखे सांसदों ने संशोधनों का सत्यापन भी किया था। 2019 तक वक्फ की तमाम संपत्तियों का जब डिजिटलीकरण किया गया, तब भी भाजपा का सहयोग रहा। 2013 में केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाने के दौरान मोदी सरकार थी। वक्फ कानून 1954 में बना, लेकिन 1955 और 1995 में भी संशोधन पारित किए गए। हर बार केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अब मौजू सवाल यह है कि वक्फ कानून का पुराना वक्त खत्म क्यों माना जा रहा है और नए वक्त की जरूरत क्या और क्यों है? करीब 9.4 लाख एकड़ जमीन और 8.72 लाख संपत्तियों के मालिक वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य है। इतनी व्यापक मिल्कीयत बेहिसाबी नहीं रखी जा सकती। यही संवैधानिक स्थिति है। ओवैसी सरीखे मुस्लिम सांसद और असंख्य मौलाना, मुफ्ती प्रस्तावित बिल की जो व्याख्या करते आ रहे हैं, वह कमोबेश भारत में संभव नहीं है। किसी भी समुदाय के मौलिक अधिकारों पर कोई प्रहार नहीं किया जा सकता। यही भ्रम 'नागरिकता संशोधन बिल' के दौरान भी फैलाया गया था। क्या किसी एक भी भारतीय मुसलमान की नागरिकता छिनी या उन्हें हिरासत-केंद्र में कैद किया गया? ओवैसी की जमात इन सवालों पर खामोश रहती है। दरअसल वक्फ बोर्ड किसी भी संदर्भ में निरंकुश नहीं हो सकता। किसी भी संपत्ति पर वह उंगली रख दे, वह वक्फ बोर्ड की नहीं हो सकती। संशोधन बिल में 'धर्मपरिवर्तन' सरीखे प्रावधान भी जोड़े गए हैं। यदि किसी को मुसलमान बने अथवा इस्लाम धर्म कबूल किए 5 साल नहीं हुए हैं, तो वह अपनी संपत्ति 'वक्फ', यानी अल्लाह के नाम दान, नहीं कर सकेगा। इससे 'धर्मपरिवर्तन' की स्थिति भी साबित हो सकेगी। यह भी कानूनी मामला है। किसी शख्स के नाम पंजीकृत जमीन को ही वक्फ किया जा सकता है। सबसे अहम बदलाव यह होगा कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनके खातों का ऑडिट भी होगा। यह केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकार-क्षेत्र में होगा।

नेतन्याहू ने रद्द की इजरायली सुरक्षा एजेंसी के नए प्रमुख की नियुक्ति

यरूशलम,03 अप्रैल (एजेंसियां) । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) एली शार्विट को इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने का फैसला वापस ले लिया। राजनीतिक सहयोगियों के विरोध और अपने सहयोगियों से जुड़ी जांच के बाद उन्होंने यह फैसला लिया।

नेतन्याहू ने सात उम्मीदवारों के इंटरव्यू के बाद शार्वित की नियुक्ति की घोषणा की थी। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने उन्हें नियुक्ति रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया।

यह विवाद चल रही कतरगेट जांच से उपजा है, जिसमें नेतन्याहू के दो करीबी सहयोगी जोनाथन उरीच और एली फेल्डस्टीन फंस गए हैं।यह जांच व्यापारिक हस्तियों और अधिकारियों के एक कथित

नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूम रही है, जो दोहा से इजरायली व्यापारिक हितों को भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं, लेकिन फंड्स के स्रोत को छिपाते हैं।

जांच एक बड़े खुलासे के बाद शुरू हुई। दरअसल सामने आया कि नेतन्याहू के पूर्व प्रवक्ता फेल्डस्टीन प्रधानमंत्री कार्यालय में रहते हुए इजरायली पत्रकारों के बीच दोहा समर्थक बयानों को बढ़ावा दे रहे थे। इसके लिए वह कतर की ओर से अनुबंधित एक अंतरराष्ट्रीय फर्म के साथ मिलकर काम करते थे।

फेल्डस्टीन पर वर्गीकृत आईडीएफ दस्तावेजों को लीक करने का भी आरोप है। उरीच पर आरोप है कि उन्होंने कतर से गुप्त तरीके से भुगतान के हस्तांतरण में भूमिका निभाई।पुलिस ने सोमवार को जोनाथन उरीच और एली फेल्डस्टीन को तथाकथित कतरगेट घोटाले में संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार किया।

हालांकि नेतन्याहू से गवाही देने के लिए कहा गया, लेकिन फिलहाल वह इस मामले में संदिग्ध नहीं हैं।

इससे पहले, प्रधानमंत्री के आधिकारिक एक्स अकाउंट ने एक पोस्ट साझा की थी, जिसमें कहा गया था: सात योग्य उम्मीदवारों के साथ गहन साक्षात्कार करने के बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पूर्व इजरायली नौसेना कमांडर, वाइस-एडमिरल एली शारविट को आईएसए का अगला निदेशक नियुक्त करने का फैसला किया। हालांकि, अब जांच के मद्देनजर इस नियुक्ति को वापस ले लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

काठमांडू हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र का इनकार

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू बीते शुक्रवार को राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिवालय ने इनकार कर दिया है। सचिवालय ने गुरुवार को शाह के हवाले से जारी बयान में आरोप लगाया है कि इस दुखद घटना के लिए सरकार की कमियां और कमजोरी जिम्मेदार हैं। सचिवालय के संवाद सचिव फनिराज पाठक ने बयान में कहा कि निर्मल निवास और पूर्व राजा के समर्थक प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट की जिम्मेदारी नहीं लेंगे। पाठक ने दावा किया कि 28 मार्च को तिनकुने क्षेत्र में हुई तोड़फोड़, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को जिम्मेदार ठहरा कर ओली सरकार अपनी कमजोरी छुपाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ओली ने संसद में इस घटना के लिए सीधे-सीधे पूर्व राजा को दोषी बताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। उल्लेखनीय है यह प्रदर्शन पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के 87 वर्षीय कट्टर समर्थक नवरज सुबेदी के नेतृत्व में संयुक्त जनसंघर्ष समिति ने किया था।सुवेदी ने दावा किया था कि उनको पूर्व राजा ने ही इस समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा था। शुक्रवार की घटना के बाद से ही सुवेदी को नजरबंद कर दिया गया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव, आइसोलेशन में रखा गया

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। उन्हें आइसोलेशन में रखा गया है। उनके चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन ने इसकी पुष्टि की। डॉ. हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति को एक निजी अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञों से चिकित्सा देखभाल मिल रही है। राष्ट्रपति के किसी से भी मिलने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। डॉ. असीम हुसैन ने कहा कि राष्ट्रपति जरदारी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और उनके स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करने के लिए कई परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सा दल उनकी स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रपति जरदारी को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के बाद नवाबशाह से कराची के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील मेमन ने कहा कि राष्ट्रपति के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि पूरे देश की दुआ राष्ट्रपति के साथ है। इस बीच, नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने राष्ट्रपति जरदारी से टेलीफोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। नेशनल असेंबली के स्पीकर ने जल्द ही जरदारी के पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने भी राष्ट्रपति जरदारी के चिकित्सक डॉ. असीम हुसैन से संपर्क कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

यूएई में भारतीय प्रवासी केरल की महिला की सड़क हादसे में मौत

अबू धाबी। यूएई में मंगलवार को हुए सड़क हादसे में भारतीय प्रवासी केरल की महिला 53 वर्षीय

साजिनाबानू सी की मौत हो गई। वे ईद पर अल ऐन में छुट्टियां मनाकर परिवार के सदस्यों के साथ कार से लौट रही थीं। उनके दो बेटे हैं। परिवार ने बताया कि दुर्घटना के समय वह अपने पति, छोटे बेटे और एक भतीजे के साथ कार में थीं। उनके बहनोई ने कहा कि अलग-अलग कारों में सात परिवार के सदस्य सवार थे। गल्फ न्यूज की खबर के अनुसार, गृहिणी साजिनाबानू सी के पति एक कंपनी में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनके दोनों बेटे यूएई में पैदा हुए और पले-बढ़े। बड़ा बेटा भारत के केरल में डॉक्टर है। छोटा बेटा दुबई में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है। एक अन्य रिश्तेदार ने बताया कि ईद-उल-फितर की छुट्टियों के लिए वह लोग सोमवार को अल ऐन के सुदूर इलाके में स्थित एक फार्महाउस में ठहरे थे। वहां से वह लोग मंगलवार को लौट रहे थे। रास्ते में सजीनाबानू की कार गड्ढे में गिरकर पलट गई। वह पिछली सीट पर बैठी थीं और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही मौत हो गई।

अमेरिका ने हूती विद्रोहियों से लड़ने एक और विमान वाहन पोत लाल सागर भेजा

विशेषज्ञों का कहना- नई तैनाती से ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध छिड़ने का अंदेशा

वॉशिंगटन,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई तेज करने अपना एक और विमान वाहक पोत लाल सागर में भेज रहा है। कार्ल विन्सन नाम का विमान वाहक पोत 24 मार्च को गुआम के नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा। यहां से लाल सागर में यह पोत हैरी एस ट्रूमैन विमान वाहक पोत के साथ मिलकर हूतियों पर हमले करेगा। अमेरिका के इस कदम से यमन के साथ-साथ ईरान से भी उसकी तनातनी बढ़ गई है। विशेषज्ञों की माने तो अब लड़ाई का रूख ईरान की ओर हो सकता है। नई तैनाती से ईरान-अमेरिका के बीच लड़ाई छिड़ने का अंदेशा है।

ईरान समर्थित हूतियों विद्रोहियों ने लाल सागर में इजराइली और अमेरिकी जहाजों पर बीते कुछ समय में लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इससे अमेरिका के समुद्री व्यापार को नुकसान हुआ है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद हूतियों और ईरान पर आक्रामकता दिखाई है। अमेरिका की ओर से हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। अमेरिकी रक्षा सचिव ने कार्ल विन्सन और हैरी एस ट्रूमैन की क्षेत्र में तैनाती का आदेश दिया है, ताकि हूती विद्रोहियों पर हमले तेज किए जा सकें। कार्ल विन्सन विमान वाहक पोत 24 मार्च को गुआम पहुंचा है। यहां से यह पोत लाल सागर जाएगा और हैरी एस ट्रूमैन विमान वाहक पोत के साथ जुड़ेगा। हैरी एस ट्रूमैन से हाल में हूतियों पर हवाई हमले किए गए हैं। अमेरिका के रियर एडमिरल ने कहा है कि गुआम इस क्षेत्र के लिए अहम है। यह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र रखने में मदद करता है। गुआम में पोत का रुकना सामान्य प्रक्रिया है। इससे जहाजों को मिशन के लिए तैयार रहने में मदद मिलती है। बता दें अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस कार्ल विंसन को दुनिया के बेहतरीन विमानवाहक पोत में गिना जाता है। अमेरिकी नौसेना के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप वन का हिस्सा है। यह परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमानवाहक पोत है। यह कैरियर अमेरिकी एयर विंग की मदद के लिए है। इसमें हेलीकॉप्टर और लड़ाकू जेट समेत 60 से 70 विमान होते हैं। इस पोत का डिस्पलेसमेंट वजन 100,000 टन है और इसकी लंबाई 1,092 फीट है। इसके लाल सागर में जाने से क्षेत्र की स्थिति में अहम बदलाव आ सकता है।

लड़की के पेट में उठा दर्द, जांच कराने पर पता चला किडनी में फंसे हैं 3 सौ पत्थर!

लंदन। ताइवान से जुड़ी एक घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसके बारे में जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल, यहां की रहने वाली एक 20 साल की लड़की के पेट में भयानक दर्द होता था। एक दिन जब दर्द बर्दाश्त के बाहर हो गया, तो किसी तरह से भागकर अस्पताल पहुंची। ऐसे में डॉक्टरों ने तुरंत उसका सीटी स्कैन किया। फिर जो सच्चाई पता चली, उसे जानकर डॉक्टर्स भी हैरान रह गए। उन्होंने देखा कि लड़की के किडनी में 300 स्टोन पैदा हो गए थे। लड़की का नाम शियाओ यू है। बताया जाता है कि इस लड़की को एक दिन अचानक कमर में तेज दर्द हुआ और बुखार ने जकड़ लिया। शुरू में लगा कि शायद थकान या कोई छोटी बीमारी होगी, लेकिन जब वो ताइनान के ची मेई हॉस्पिटल पहुंची, तो हकीकत ने सबके होश उड़ा दिए। स्कैन की तस्वीरें देखकर हर कोई सन्न रह गया। शियाओ की दाहिनी किडनी पानी से भरी थी और उसमें 300 से ज़्यादा पत्थर दिखाई दे रहे थे। ये कोई छोटी-मोटी बात नहीं थी, बल्कि एक मेडिकल इमरजेंसी थी, जिसने डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया। हालत इतनी नाजुक थी कि तुरंत एक्शन लेना पड़ा। डॉक्टरों ने पहले शियाओ को एंटीबायोटिक्स की डोज दी, ताकि इन्फेक्शन पर काबू पाया जा सके। फिर किडनी से भरा हुआ पानी निकाला गया और आखिरकार मिनिमली इनवेसिव सर्जरी की गई। डॉक्टरों ने बताया कि ये पत्थर अचानक नहीं बने, बल्कि ये एक लंबी, खतरनाक प्रक्रिया का नतीजा थे, जो शियाओ की गलत आदतों से शुरू हुई थी। सर्जरी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। 300 पत्थरों का ढेर देखकर लोग हैरान हैं कि एक जवान लड़की की किडनी में ऐसा कैसे हो सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप करेंगे एलन मस्क की छुट्टी, लौटेंगे अपने कारोबार में

वॉशिंगटन,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ट्रंप प्रशासन में सबसे ताकतवर अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) से छुट्टी होगी। एलन मस्क को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान में अहम भूमिका निभाई। ट्रंप ने निर्वाचित होने के बाद डीओजीई को सृजित कर इसका प्रमुख मस्क को बनाने की घोषणा की थी।

अमेरिकी डिजिटल अखबार पॉलिटिको की खबर के अनुसार ट्रंप ने मंत्रिमंडल सदस्यों सहित अपने करीबी लोगों को बता दिया है कि एलन मस्क आने वाले हफ्तों में अपनी वर्तमान भूमिका से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप और मस्क के बीच इस पर चर्चा हो चुकी है। मुलाकात में फैसला किया गया है कि जल्द ही मस्क अपने कारोबार की दुनिया में वापस लौट जाएंगे। पॉलिटिको का कहना है कि ट्रंप की किचन कैबिनेट के तीन प्रभावशाली व्यक्तियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर मस्क की जल्द ही डीओजीई से विदा किए जाने की पुष्टि की।

यह खबर डेमोक्रेटिक समर्थित उम्मीदवार जज सुसान क्रॉफोर्ड के विस्कॉन्सिन राज्य के सुप्रीम कोर्ट की दौड़ जीतने के बाद आई है। इस जीत को राष्ट्रपति ट्रंप और एलन मस्क के लिए सबसे तगड़ा झटका बताया गया है। सुसान को हराने के लिए मस्क ने अकूत पैसा खर्च किया, बावजूद इसके वो सफल नहीं हो सके।

हालांकि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि मस्क सलाहकार के रूप में अनौपचारिक भूमिका में बने रहेंगे। मस्क मई के अंत या जून की शुरुआत में डीओजीई की भूमिका से मुक्त हो जाएंगे।

पॉलिटिको ने एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया है कि ट्रंप ने 24 मार्च की कैबिनेट बैठक में मस्क के हटाने के संकेत दिए थे।

स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष की यात्रा कराएंगे ऐलन मस्क, वीडियो भी जारी किया

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने वाले अरबपति एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी ने 31 मार्च को अपना नया मिशन फेम 2 लॉन्च किया। इस मिशन के दौरान एक स्पेसक्राफ्ट पहली बार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर पृथ्वी के ऑर्बिट के ऊपर से गुजरेगा। इस यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों को मिलने वाले दृश्य को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। स्पेसएक्स का फेम 2 मिशन 31 मार्च 2025 को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री जिन्हें नौसिखिया कहा जा सकता है को पोलर ऑर्बिट में भेजा गया। मिशन के शुरू होने के केवल 10 मिनट बाद ही स्पेसक्राफ्ट ने निचली पृथ्वी कक्षा में अपनी यात्रा शुरू की।

बिम्सटेक को विकासोन्मुख संगठन बनाने पर नेपाल का जोर

काठमांडू,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बैंकाक में इंडिया फाउंडेशन के कार्यक्रम में नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा देउबा ने कहा कि बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) को जीवंत, जन-केंद्रित और विकास-उन्मुख संगठन के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने यह बात थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के मौके पर बुधवार को आयोजित तीसरी बिम्सटेक वार्ता 2025 में कही।आरजू राणा ने क्षेत्रीय संगठन से क्षेत्र के भीतर लोगों की उम्मीदों, अपेक्षाओं और समस्याओं को संबोधित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक संगठनों को इसकी समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए सामूहिक प्रयास करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैसे दुनिया भर में दो विश्व युद्धों की राख से क्षेत्रीय कूटनीति और सहयोग उभरा, और कैसे स्थानीय गतिशीलता, अद्वितीय क्षेत्रीय पहचान और अवसरों के साथ-साथ वैश्वीकरण से उभरी चुनौतियों जैसे कारकों ने प्रक्रिया को और आकार दिया है।डॉ. राणा ने बिम्सटेक को एक मजबूत साझेदारी मंच में बदलने के लिए क्षेत्रीय एकता और सामूहिक सहयोग का

आह्वान किया। उन्होंने इस क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों के खराब स्वास्थ्य, मातृ और शिशु मृत्यु दर की स्थिति, शासन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व, महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसर और जलवायु परिवर्तन जैसी बढ़ती चुनौतियों को मिलकर सामना करने के लिए आह्वान किया।उन्होंने बंगाल की खाड़ी क्षेत्र और उससे आगे क्षेत्रीय शांति, एकता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने में बिम्सटेक की भूमिका पर जोर दिया। डा. राणा ने बिम्सटेक के सिद्धांतों और उद्देश्यों के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने, गरीबी को कम करने और सामूहिक सहयोग और लोगों से लोगों के संबंधों के माध्यम से जलवायु से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए सदस्य देशों के बीच सार्थक सहयोग का आह्वान किया। विदेशमंत्री राणा ने अर्थव्यवस्था, संसाधनों, संस्कृति, समाज और क्षेत्र के लोगों में क्षेत्रीय संबंधों को गहरा करने के लिए बिम्सटेक की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय संगठन अभी तक प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों और युवा आबादी की क्षमता का दोहन करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते, परिवहन कनेक्टिविटी के लिए बिम्सटेक मास्टर प्लान, बौद्ध सर्किट, मंदिर सर्किट और इको-टूरिज्म सर्किट जैसे मौजूदा और नए कनेक्टिविटी ढांचे को बढ़ाने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला और अप्रयुक्त क्षेत्रीय क्षमता को अनलॉक करने के लिए अन्य पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने और सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के एकीकरण का अनुरोध किया।

चीन देगा अमेरिका के टैरिफ का कड़ा जवाब

बीजिंग,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन ने आज अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का कड़ा विरोध किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चीन के 438 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। चीन अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन ने कहा कि वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाब देगा।

वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि चीन अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का दृढ़ता से विरोध करता है और अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी उपाय अपनाएगा। प्रवक्ता ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास बताता है कि टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। इससे अमेरिकी हितों को ही नुकसान पहुंचता है। इस टैरिफ से वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को भी खतरा होता है।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है।पारस्परिकता के बहाने अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ बढ़ाना हितों के संतुलन की उपेक्षा करता है। ट्रंप इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से लंबे समय से लाभ मिल रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्यक्तिपरक और एकतरफा मूल्यांकन के आधार पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ निर्धारित किया है। यह टैरिफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन है। इससे संबंधित पक्षों के अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। यह एकतरफा चालाकी का उच्च प्रदर्शन है।उन्होंने कहा कि कई व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिकी कदम के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया है।

उन्होंने ने कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने एकतरफा टैरिफ को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को हल करने का आग्रह करता है। इस बीच चीन ने मूल्य शासन तंत्र में सुधार करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। यह दिशा-निर्देश चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के जनरल कार्यालय और राज्य परिषद के जनरल कार्यालय ने जारी किया है। इसका उद्देश्य मूल्य मार्गदर्शन तंत्र, उचित मूल्य स्तर बनाए रखने के लिए मूल्य विनियमन तंत्र, पारदर्शी एवं पूर्वानुमानित बाजार मूल्य पर्यवेक्षण तंत्र को बढ़ावा देना है।

अमेरिका ने बनाया प्लान, ईरान को सबक सिखाने की हो रही तैयारी

वॉशिंगटन/तेहरान। इजरायल पर हमले के बाद से ही मिडिल ईस्ट में अराजकता बढ़ी हुई है और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप इसका बदला लेने के मूड में हैं। फ्रांस के विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि अगर नया परमाणु समझौता नहीं हुआ तो जंग 'लगभग तय' है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप डबल गेम खेल रहे हैं। वाइट हाउस ईरान से अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप अपनी सैन्य ताकत दिखाकर दबाव बढ़ा रहा है। ओसामा को दफन करने वाला यूएसएस कार्ल विंसन 9 अप्रैल तक फारस की खाड़ी में पहुंच सकता है। अमेरिका का यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन पहले से ही वहां मौजूद है, जो ईरान समर्थक हूती आतंकियों पर हमले कर रहा है। अमेरिकी ने ईरान के खिलाफ अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। उन्होंने ईरान के खिलाफ ऐसा खतरनाक मास्टरप्लान तैयार किया है। खबर है कि ट्रंप ने उस एयरक्राफ्ट कैरियर को फारस की खाड़ी में तैनात किया है, जिसने अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन के शव को समुद्र में दफन किया था। अमेरिकी नौसेना का यूएसएस कार्ल विंसन अब ईरान की नाक के नीचे पहुंचने वाला है। वहीं अमेरिका और इजरायल मिलकर तेहरान को सबक सिखाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि अगर ईरान नया परमाणु समझौता करने में नाकाम रहा, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर एक जोरदार हमला करेंगे। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी देने के लिए रडार की पकड़ में न आने वाले स्टील्थ बॉम्बर भी दिखाए हैं। अमेरिका ने अपने एक तिहाई बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स को हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया में तैनात कर दिया है। अमेरिका की धमकी से ईरान को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। 'शिया देश' पीछे हटने वालों में से नहीं है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोई गलत कदम उठाया तो उसके बेस को तबाह कर दिया जाएगा।

लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार

लंदन,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।
डियोगो जोटा के 57वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल ने बुधवार को मर्सीसाइड डर्बी में एवर्टन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी 12 अंकों की बढ़त बरकरार रखी।

लुइस डियाज़ के बैक-हील पास पर जोटा के गोल ने अरने स्लॉट की टीम को जीत दिलाई और अब टीम को खिताब पक्का करने के लिए अगले आठ मुकाबलों में सिर्फ 13 अंकों की जरूरत है।

दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने घर में संघर्षरत लीसेस्टर सिटी के खिलाफ दमदार शुरुआत की। जैक ग्रीलिश ने मैच के सिर्फ दूसरे मिनट में साविन्हो के असिस्ट पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। ओमर मरमौश ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे यह साबित हुआ कि टीम को एर्लिंग हालांड की गैरमौजूदगी में भी कोई परेशानी नहीं हो रही।

न्यूकैसल यूनाइटेड ने घरेलू मैदान पर ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराकर उसकी लगातार पांचवें अवे मैच जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। न्यूकैसल के लिए अलेक्जेंडर इसाक और सैंड्रो टोनाली ने गोल किए।

मार्कस रैशफोर्ड और मार्को असेंसियो के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने एस्टन विला की यूरोप में वापसी की उम्मीदें मजबूत कर दीं। ब्राइटन के खिलाफ 3-0 की इस जीत में डोनीएल मालेन ने इंजुरी टाइम में गोल कर ब्राइटन की मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो पहले ही एफए कप से बाहर हो चुका है।

इप्सविच टाउन ने बोरनमाउथ को चौंकाते हुए 34वें मिनट में नाथन ब्रॉडहेड और 60वें मिनट में लियाम डेलाप के गोलों से 2-1 से हराया। बोरनमाउथ के लिए इवानिलसन ने 67वें मिनट में एकमात्र गोल किया। साउथैम्प्टन के पॉल ओनूआचू ने 20वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन क्रिस्टल पैलेस के मैथ्यूस फ्रांका ने इंजुरी टाइम में गोल कर मुकाबला 1-1 से ड्रॉ करवा दिया और साउथैम्प्टन की सीजन की तीसरी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

न्यूज ब्रीफ

फीफा फुटबॉल रैंकिंग: भारत 127वें स्थान पर पहुंचा, बांग्लादेश दो पायदान ऊपर चढ़ा

नई दिल्ली। वैश्विक फुटबॉल नियामक संस्था फीफा की ओर से गुरुवार को जारी नवीनतम पुरुष रैंकिंग में भारत एक स्थान फिसलकर 127वें स्थान पर आ गया है। मार्च 2025 में एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में ब्लू टाइगर्स को बांग्लादेश से ड्रॉ पर रोका गया था। इस परिणाम से बांग्लादेश को दो पायदान ऊपर चढ़कर 183वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। मिस्र की राष्ट्रीय टीम पिछली रैंकिंग में 33वें स्थान पर रहने के बाद विश्व स्तर पर 32वें स्थान पर पहुंच गई। मोरक्को विश्व स्तर पर 12वें स्थान पर और सेनेगल विश्व स्तर पर 18वें स्थान पर है, जबकि अल्जीरिया अफ्रीका में चौथे और विश्व स्तर पर 36वें स्थान पर है और नाइजीरिया अफ्रीका में पांचवें और विश्व स्तर पर 43वें स्थान पर है। वैश्विक स्तर पर अर्जेंटीना ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन दूसरे स्थान पर पहुंच गया और फ्रांस तीसरे स्थान पर खिसक गया।

इगा स्वियातेक ने बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आगामी बिली जीन किंग कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। 23 वर्षीय स्वियातेक ने कहा कि उन्हें अपने करियर और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय चाहिए, जिसके चलते वह 10-12 अप्रैल को पोलैंड के रादोम शहर में स्विट्जरलैंड और यूक्रेन के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगी। स्वियातेक ने कहा, मुझे पता है कि यह जानकारी प्रशंसकों, विशेष रूप से पोलिश प्रशंसकों, के लिए निराशाजनक हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए सही निर्णय है। उन्होंने आगे कहा,मैं हमेशा गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हूं। मैंने पिछले साल देश के लिए सभी प्रमुख टूर्नामेंट खेले थे। मुझे बीजेकेसी सेमीफाइनल और यूनाइटेड कप फाइनल में टीम की ऐतिहासिक सफलता पर गर्व है। अब मेरे लिए संतुलन बनाए रखने, खुद पर ध्यान देने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। मैं अपनी टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं देती हूं, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक हाल ही में मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से हार गई थीं। स्वियातेक ने यह मुकाबला अतिरिक्त सुरक्षा के बीच खेला, क्योंकि एक अभ्यास सत्र के दौरान एक दर्शक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था।

एथलीट हर्ष का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन

SPORTS AUTHORITY OF INDIA

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना कांठ क्षेत्र निवासी एथलीट हर्ष तोमर का भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के काशीपुर स्थित स्पोर्ट्स हॉस्टल में चयन हो गया है। हर्ष को प्रवेश के लिए दस्तावेजों का सत्यापन व मेडिकल कराने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। 14 वर्षीय हर्ष ने अपने बड़े भाई यश तोमर को देखकर एथलेटिक्स का अभ्यास शुरू किया। लगातार मेहनत और कोच के मार्गदर्शन से वह जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने लगे। 400 व 800 मीटर दौड़ में जिला स्तर पर वह स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। ओपन स्टेट चैम्पियनशिप में उन्होंने रजत पदक जीता। जबकि राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में पदक से चूक गए। अब उन्हें अपने खेल को निखारने और आगे बढ़ने के लिए साई के स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिले का मौका मिला है। उनके पिता राजीव तोमर कांठ के रजिस्ट्री कार्यालय में तैनात हैं। उन्होंने हर्ष को आगे बढ़ाने के लिए उनके कोच गौरव कश्यप को श्रेय दिया। हर्ष का लक्ष्य एथलेटिक्स में राष्ट्र स्तरीय पदक जीतकर सेना में नौकरी पाना है।

कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन से पीटा

वरुण-वैभव को मिले तीन-तीन विकेट

कोलकाता,03 अप्रैल (एजेंसियां) । डिफेंडिंग चैंपियंस कोलकाता नाइटराइडर्स ने पिछले साल की फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद को एक बार फिर हार दिया है। अपने घरेलू मैदान ईडेन गार्डन्स पर केकेआर को 80 रनों की जीत मिली। आईपीएल में केकेआर की यह हैदराबाद के खिलाफ लगातार 5वीं जीत है। तीन ओवर में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खोने के बाद भी केकेआर की टीम 200 रनों तक पहुंचने में सफल रही। हैदराबाद की धुरंधर बैटिंग लाइनअप पूरी तरह फेल रही और 120 रनों पर आउट हो गई।

केकेआर के लिए वेंकटेश अय्यर फॉर्म में लौटे

कोलकाता नाइटराइडर्स का मध्यक्रम आखिरकार फॉर्म में लौटा और वेंकटेश अय्यर ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए 25 गेंद में अर्धशतक जमाया। अंगकृष रघुवंशी ने भी पचासा जड़ा जिसके दम पर मेजबान टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 200 रन बना पाई। केकेआर की नयी सलामी जोड़ी का संघर्ष जारी रहा। क्विंटन डिकॉक (01) और सुनील नारायण (07) सस्ते में आउट हो गए। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

रहाणे और अंगकृष ने मुश्किल से निकाला

कप्तान अजिंक्य रहाणे (27 गेंद में 38 रन) और रघुवंशी (32 गेंद में 50 रन) ने बड़े स्कोर की नींव रखी। तीसरे ओवर में 16 रन पर दो विकेट गिरने के बाद रहाणे और रघुवंशी ने 81 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। जीशान अंसारी ने रहाणे को हेनरिच क्लासेन के हाथों लपकवाकर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रीलंका के 26 वर्ष के कामिंडु मेंडिस ने आईसीसी के इतिहास में पहली बार एक ही ओवर में दोनों हाथों से गेंदबाजी की। उन्होंने बायें हाथ की स्पिन से रघुवंशी को बोल्ड किया और फिर खब्बू बल्लेबाज रिंकू सिंह को ऑफ स्पिन डाली।

आखिरी 5 ओवर में बने 78 रन

दो ओवरों तक कोई बाउंड्री नहीं लगी लेकिन अय्यर और रिंकू ने पारी को ढर्रे पर लाया। अय्यर ने 29 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन बनाये। रिंकू ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के के साथ नाबाद 32 रन बनाये। रिंकू ने हर्षल पटेल को लगातार तीन चौके जड़े जबकि अय्यर ने सिमरजीत को लगातार दो चौके लगाये। अय्यर ने कमिंस को नौवें ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगाया। केकेआर ने इस सत्र में पहली बार 200 रन बनाये। आखिरी पांच ओवरों में उसके बल्लेबाजों ने 78 रन निकाले।

हैदराबाद की बल्लेबाजी चली ही नहीं

जवाब में सनराइजर्स की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने ट्रेविस हेड (चार) और ईशान किशन (दो) को लगातार दो ओवरों में आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट चटकाये।

हर्षित राणा ने अभिषेक शर्मा (दो) का विकेट लिया तब सनराइजर्स का स्कोर तीसरे ओवर में नौ रन पर तीन विकेट था। आंद्रे रसेल और सुनील नारायण ने भी एक एक विकेट लिये। सनराइजर्स ने दस ओवर तक पांच विकेट 66 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद वरूण चक्रवर्ती ने दो गेंद के भीतर दो विकेट लेकर निचले क्रम को रवाना किया। उन्होंने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिये।

जैस्मिन और पांड्या के अफेयर की अटकलें तेज

मुम्बई,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।
ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आजकल आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी करते दिख रहे हैं। खेल के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी वह चर्चाओं में बने रहते हैं। पांड्या का उनकी पत्नी नताशा स्टेनिवोविक से तलाक हो गया है। वहीं आजकल हार्दिक अपनी नई गर्लफ्रेंड और ब्रिटिश मॉडल जैस्मिन वालिया के साथ रिलेशनशिप में हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें अटकलें लगायी जा रही हैं कि ये दोनो एकदूसरे को डेट कर रहे हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया में छाया हुआ है।

हाल ही में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए आईपीएल मैच का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें जैस्मिन वालिया को मुंबई इंडियंस की बस में चढ़ते हुए देखा गया। इस दौरान सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान मैच की जगह जैस्मिन पर ज्यादा था। इससे यह अटकलें तेज हो गईं कि हार्दिक और जैस्मिन के बीच कुछ खास है। हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया को पहली बार तब देखा गया गया था जब दोनों ने एक ही स्वीमिंग पूल की अलग-अलग तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसके बाद दोनों को कई बार एक साथ देखा गया। अब जब जैस्मिन को पांड्या की टीम की बस में देखा गया, तो यह और भी स्पष्ट हो गया कि दोनों रिलेशनशिप में हैं। जैस्मिन को कई बार स्टेडियम में हार्दिक का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया है। इससे भी दोनों के अफेयर की अफवाहें और भी तेज हो गई हैं।

भुवनेश्वर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से तीसरे गेंदबाज बने

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भले ही गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर अपने प्रदर्शन से उन्होंने आईपीएल में संयुक्त रुप से सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में ड्वेन ब्रावो के रिकार्ड की बराबरी कर ली। अब भुवनेश्वर तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गए हैं। भुवनेश्वर ने इस मैच में 23 रन देकर एक विकेट लिया। भूवी ने इसी के साथ ही ड्वेन ब्रावो के 183 रनों के रिकार्ड की बराबरी की है। अब वह तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं।

गुजरात के खिलाफ मुकाबले में विफल रहे विराट

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार के बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर संकेतों में निशाना साधा है। विराट इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी करते हुए वह 7 ही रन बना पाये। इसके बाद फील्डिंग करते हुए 12वें ओवर में ही चोटिल हो गए। पाटीदार ने कहा कि पावरप्ले में खराब प्रदर्शन से टीम हारी। टिम डेविड और लिविंगस्टन ने 54 रन बनाकर सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया पर इसके बाद खराब फील्डिंग के कारण टीम की गेंदबाजी प्रभावी नहीं रही। पाटीदार ने कहा कि हम पावरप्ले के बाद 190 के आसपास लक्ष्य बना रहे थे पर शुरुआती विकेट खोने से हमें नुकसान हुआ। मुझे लगता है कि हमारा प्रयास अच्छा था, पर हमें पावरप्ले में 3 विकेट नहीं खोने चाहिए थे। हालात बेहतर हो गये हालांकि जितेश, लियाम लिविंगस्टोन और टिम डेविड ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह हमारे लिए राहत की बात रही। वहीं दूसरी ओर गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट लेकर आरसीबी की बल्लेबाजी को जमने नहीं दिया।

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फ्रैंचाइजी : बीसीसीआई

बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुम्बई,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा।

बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए पर इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। ये सब एक सप्ताह में नहीं हो सकता।

बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी सहायता मिले और स्पिनर्स को भी जिससे इनमें अच्छा संतुलन बना रहे। आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती दौर में ही घरेलू मैदान की पिच को लेकर कई फ्रैंचाइजी ने असंतोष जताया है। लखनऊ के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी मांग की है कि ईडन गार्डन्स की पिच ऐसी हो जो स्पिनर्स की सहायता करे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन भी अपने शुरुआती दो मैचों की पिच को लेकर क्यूरेटर से नाराज है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई सुपर किंग्स का भी जो घरेल पिच से संतुष्ट नहीं है।

आईएसएल: दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में शील्ड विजेता मोहन बागान को चुनौती देगी जमशेदपुर एफसी

जमशेदपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां) ।
जमशेदपुर एफसी गुरुवार को शाम अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट का सामना करने के लिए तैयार है। ये दोनों टीमें पहली बार प्लेऑफ में भिड़ने जा रही है। एमबीएसजी आईएसएल लीग शील्ड जीतने के कारण पहले ही अंतिम-चार में पहुंच गई थी, जबकि रेड माइनर्स ने सिंगल-लेग नॉकआउट मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-0 से हराकर डबल-लेग सेमीफाइनल में जगह बनाई है। जमशेदपुर एफसी को आईएसएल में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले छह मैचों में कोई जीत नहीं मिली है और इस दौरान चार हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, एमबीएसजी पिछले छह अवे मैचों में अपराजित रही है, जिसमें उसने तीन बार जीत हासिल की है और 13 गोल किए हैं, जबकि केवल तीन गोल खाए हैं। जमशेदपुर की टीम सेमीफाइनल मुकाबले में मजबूत शुरुआत करके फायदा उठाना चाहेगी, लेकिन उसने यहां अपने पिछले दो घरेलू मैच हारे हैं। जमशेदपुर ने साल 2025 की शुरुआत से अब तक सबसे अधिक गोल (22) किए हैं, जो मोहन बागान सुपर जायंट (21) से एक ज्यादा है। वैसे, एमबीएसजी के नाम अब तक सबसे ज्यादा 47 गोल हैं। मोहन बागान ने अपने पिछले छह आईएसएल प्लेऑफ मैचों में से

केवल एक ही मैच नियमित या अतिरिक्त समय (3 ड्रा, 2 हार) में जीता है, जिसमें पिछले सीजन के फाइनल में मुम्बई सिटी के हाथों 1-3 से हार भी शामिल है। जमशेदपुर के मुख्य कोच खालिद जमील मैच से पहले आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा, हमें अभी दो चरण खेलने हैं और हमारा सामना एक बहुत अच्छी टीम से है। हम सकारात्मक हैं, क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रहे हैं, और हमें सकारात्मक परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने आईएसएल कप जीतने को लेकर अपनी टीम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हम तैयार हैं और हम आईएसएल कप जीतना चाहते हैं। हम इस सीजन से बेहद खुश हैं, लेकिन हम कप भी जीतना चाहते हैं। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान ने पांच बार जीत हासिल की है जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते हैं। दो मुकाबले ड्रा रहे हैं।

कोपा डेल रे सेमीफाइनल : एटलेटिको मैड्रिड को हराकर बार्सिलोना ने फाइनल में बनाई जगह, रियल मैड्रिड से होगा मुकाबला

मैड्रिड। बार्सिलोना ने बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर कोपा डेल रे के फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले के बाद बार्सिलोना ने 5-4 के कुल स्कोर के साथ फाइनल का टिकट कटाया। पहले चरण में खेले गए आठ गोल वाले रोमांचक मुकाबले के बाद, फेरान टोरेस के 27वें मिनट में किए गए गोल ने बार्सिलोना को निर्णायक बढ़त दिलाई। लामिन यमाल के बेहतरीन पास पर टोरेस ने बॉक्स के अंदर से शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर जुआन मुसो के पास से नेट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में एटलेटिको ने बराबरी के गोल के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी एलेक्ज़ेंडर सोरलॉथ आसान मौके को चूक गए, जिससे बार्सिलोना ने अपनी बढ़त बनाए रखी और जीत दर्ज की। इससे पहले मंगलवार को रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद के खिलाफ जबरदस्त मुकाबले में 4-4 की बराबरी हासिल कर कुल 5-4 से जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही, कोपा डेल रे फाइनल में एक दशक से अधिक समय बाद एक एल क्लासिको मुकाबला देखने को मिलेगा। रियल और बार्सिलोना अब तक कोपा डेल रे फाइनल में 18 बार आमने-सामने आ चुके हैं, जिसमें रियल ने 11 बार जीत हासिल की है। आखिरी बार 2014 के फाइनल में रियल ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। इस सीजन में बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड के खिलाफ दोनों मुकाबले जीते हैं - अक्टूबर में ला लिगा में 4-0 की जीत और जनवरी में स्पेनिश सुपर कप फाइनल में 5-2 की धमाकेदार जीत।

भारत के कृषि निर्यात पर अमेरिकी शुल्क का कम होगा असर : अर्थशास्त्री

नई दिल्ली,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

कृषि अर्थशास्त्री बताते हैं कि भारत को अमेरिका के नए शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनके अनुसार भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है।

भारत इस मुश्किल समय में भी अच्छे रिश्ते बनाए रखने की क्षमता रखता है

उन्होंने कहा कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ सापेक्ष शुल्क वृद्धि को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे बड़ा प्रभाव समुद्री खाद्य और चावल के निर्यात पर होगा, लेकिन यह भारत के लिए कुछ मुश्किलें भी लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भारत को उच्च शुल्कों के साथ भी वियतनाम और थाइलैंड के मुकाबले बेहतर स्थिति में रहने का मौका है। चीन पर 34 प्रतिशत और अन्य प्रतिस्पर्धियों पर 30 – 46 प्रतिशत तक के शुल्क हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को यह अंतर दर्जनों लाभ मिल रहा है। यहां तक कि सुरमा के निर्यात के मामले में भी भारत के तुलनात्मक शुल्क लाभ भारत को अच्छे राजनीतिक इकाई में रखता है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत उच्च शुल्क वाले प्रतिस्पर्धियों द्वारा खाली किए गए स्थानों में बाजार हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए, बेहतर नीतियों और अर्थव्यवस्था के साथ कृषि क्षेत्र में नए उद्यमों की आवश्यकता है। भारत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए भारत को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्तरदायित्वपूर्ण नीतियों को अमल में लाना होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

कनाडा, मैक्सिको में संयंत्र लगाने वाले भारतीय विनिर्माताओं पर टैरिफ का खास असर नहीं

नई दिल्ली। भारतीय मोटर वाहन घटक विनिर्माता कंपनियां जिनकी विनिर्माण सुविधाएं कनाडा और मैक्सिको में हैं, उन पर अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह अमेरिका के व्यापक आदेश में पुष्टि के बाद आया है कि कनाडा और मैक्सिको को अतिरिक्त शुल्कों से छूट दी गई है। इससे माना जा रहा है कि भारतीय उत्पादकों के लिए यह फैसला नकारात्मक प्रभाव न डालेगा। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड ने पहले ही अमेरिका में अपने उत्पादों के लिए यूएसएमसीए के तहत आकलन किया है जो इस निर्णय के माध्यम से पुष्टि प्राप्त किया गया। इसी संदर्भ में कम्पनी ने अपने शेयर बाजार सूचना में बताया कि अमेरिका में उनके विभिन्न ग्राहकों को आपूर्ति किए जाने वाले उत्पादों में यूएसएमसीए या अमेरिका में निर्मित उत्पाद शामिल हैं। इस तरह से भारतीय मोटर वाहन उद्योग को नए शुल्कों का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा जिससे उनके स्थिति आराम से बनी रहेगी।

मारुति सुजुकी की गाड़ियों के 62,000 तक बढे भाव

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की कि वह 8 अप्रैल से अपनी विभिन्न कारों की कीमतों में 2,500 से 62,000 रुपए तक बढ़ाएगी। कंपनी ने बताया कि यह बढ़ोतरी बढ़ती इनपुट लागत, संचालन खर्च, नियामक बदलाव और फीचर्स के अपग्रेड के कारण की जा रही है। हालांकि, कंपनी लागत को कम करने और ग्राहकों पर कम असर डालने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

अमेरिका ने की टैरिफ की घोषणा, शेयर बाजार कांपा

राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 34, भारत पर 26, यूरोपीय संघ पर 20, वियतनाम पर 46 और ताइवान पर 32 प्रतिशत दर निर्धारित की

वाशिंगटन,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार अपनी नई व्यापारिक नीति की घोषणा कर दी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में अपने मुक्ति दिवस की घोषणा के अंतर्गत टैरिफ दरें निर्धारित कर दी। कई देशों पर भारी टैरिफ लगाया गया है। इनमें चीन पर सबसे अधिक 34 प्रतिशत भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इस घोषणा के कुछ देरबाद अमेरिकी शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई।

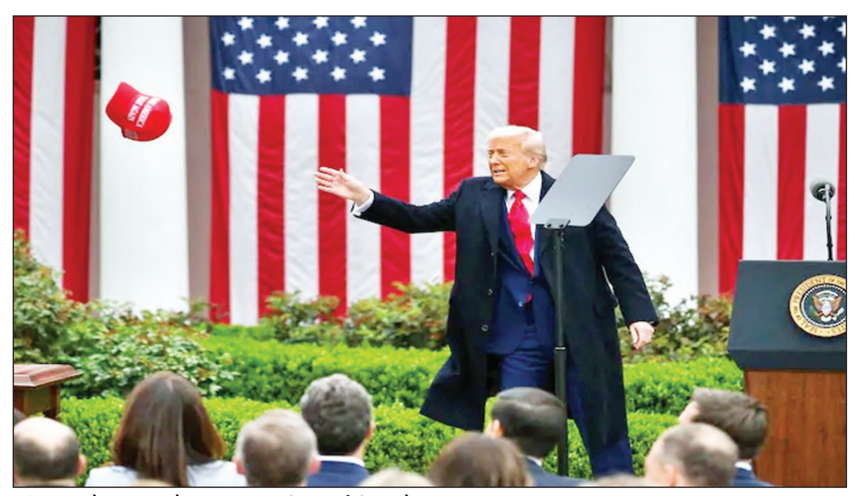

दूरगामी पारस्परिक टैरिफ

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में अपनी आक्रामक और दूरगामी पारस्परिक टैरिफ नीति पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना सभी देशों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ निर्धारित करेगी। इस योजना में कई देशों पर भारी टैरिफ दरें लगाई गई हैं। इनमें चीन पर 34 प्रतिशत, भारत पर 26 फीसदी, यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत और ताइवान पर 32 प्रतिशत शामिल हैं।

चीन पर सबसे ज्यादा, कनाडा की तीखी प्रतिक्रिया

व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि बीजिंग पर टैरिफ दर चीन के आयात पर मौजूदा 20 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त है। यानी चीन पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है। ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद शेयरों में भारी गिरावट आई। इस पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ओटावा गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ का जवाब देगा। कैबिनेट की बैठक से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम टैरिफ का बलपूर्वक मुकाबला करेंगे।अमेरिकी सीनेट ने हाल ही में एक कानून पारित किया है जो कनाडा पर नए टैरिफ को समाप्त कर देगा।

दक्षिण कोरिया बात करेगा, ऑस्ट्रेलिया तटस्थ

दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय के बयान के अनुसार, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने उन उद्योगों और व्यवसायों के लिए आपातकालीन सहायता उपायों का आदेश दिया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापक टैरिफ से प्रभावित होंगे। हान ने मंत्रालय से अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ के विवरण और प्रभाव का बारीकी से विश्लेषण करने और टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए वाशिंगटन के साथ सक्रिय रूप से बातचीत करने का आग्रह किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि ट्रंप का निर्णय किसी मित्र का कार्य नहीं है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पारस्परिक शुल्क लगाने की संभावना से इनकार किया।

180 देश और क्षेत्रों में पड़ेगा असर

ट्रंप की घोषणा के बाद स्टॉक वायदा बाजार में भारी गिरावट आई। डॉउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज से जुड़े वायदा में 1,007 अंक या 2.3 फीसद, एसएंडपी 500 वायदा में 3.4 प्रतिशत और नैस्डैक-100 वायदा में 4.2 फीसद की गिरावट आई। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शेयरों में लंबे समय तक गिरावट रही। नाइकी और एप्पल के शेयरों में करीब 7 प्रतिशत की गिरावट आई। आयातित वस्तुओं के बड़े विक्रेताओं के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई। फाइव बिलो में 15 प्रतिशत, डॉलर ट्री में 11 प्रतिशत, गैप में 8.5 प्रतिशत की गिरावट आई। टेक शेयरों में कुल मिलाकर जोखिम-रहित मूड में गिरावट आई। इसमें एनवीडिया में 4.5 प्रतिशत और टेस्ला में 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और व्हाइट हाउस ने यूएस पारस्परिक टैरिफ दरों को रेखांकित किया है। ट्रंप की व्यापक नई व्यापार नीति का 180 से अधिक देशों और क्षेत्रों को सामना करना होगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए टैरिफ चार्ट में कहा गया है कि अन्य देश भी अमेरिकी वस्तुओं पर अपने तरीके से टैरिफ लगाते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में अपनी टैरिफ नीति की घोषणा की।

ट्रंप के टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करेगा भारत : वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ वृद्धि और देश पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा आईआईएम, अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित प्रथम अंतरराष्ट्रीय पेंशन शोध सम्मेलन में कहा कि भारत पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव की समीक्षा और आकलन करेगा। पंकज चौधरी ने कहा कि ट्रंप के लिए यह अमेरिका पहले है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह भारत पहले है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका द्वारा लगाए गए पारस्परिक शुल्कों के प्रभाव का आकलन कर रहे हैं।

रूस पर नहीं लगा ट्रंप टैरिफ

वाशिंगटन,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कई देशों पर नए रिसीप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इस लिस्ट में रूस का नाम शामिल नहीं है और इस पर सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लीविट ने कहा कि रूस को इसलिए छोड़ा गया क्योंकि वह पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत है।

अमेरिका और रूस के बीच व्यापार कुछ निश्चित देशों से भी अधिक है, जैसे मॉरीशस और ब्रुनेई। इन दोनों देशों को टैरिफ लिस्ट में शामिल किया गया है, जबकि रूस को नहीं। इसका परिणाम क्या होगा, यह विशेषज्ञों की चर्चाओं का विषय बन चुका है। क्या यह टैरिफ क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार को प्रभावित करेगा, या यह एक वाणिज्यिक युद्ध की शुरुआत है, यह सवाल है जिस र अब चर्चाएं हो रही हैं।

आरईए इंडिया के सीईओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम की मूल कंपनी आरईए इंडिया के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। गुरुवार को एक बयान में ऑस्ट्रेलिया के आरईए ग्रुप ने कहा कि ध्रुव ने 14 साल तक कारोबार में रहने के बाद आरईए के सीईओ पद से हटने का फैसला किया है। ध्रुव अग्रवाल अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति में सहयोग करेंगे। वे जाने से पहले एक सहज नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में कंपनी की हरसंभव सहायता करेंगे। नए सीईओ की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया चल रही है। आरईए इंडिया के पास रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम का स्वामित्व है। ध्रुव ने 2011 में प्रॉपटाइगर की सह-स्थापना की थी। इससे पहले 2017 में इसके शुरुआती निवेश के बाद 2020 में आरईए ग्रुप ने इसमें नियंत्रण हासिल कर लिया था। उन्होंने हाउसिंग डॉट कॉम के सफल अधिग्रहण का नेतृत्व किया और इस प्लेटफॉर्म के एकीकरण में केंद्रीय भूमिका निभाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देश बांटने के...

उस जमीन पर जिस व्यक्ति को आपत्ति होगी, उसे कागजात दिखाकर साबित करना होगा कि यह उसकी सम्पत्ति है। इतना ही नहीं, इस अधिनियम की धारा 40 में कहा गया है कि जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बोर्ड का निर्णय ही अंतिम होगा, जब तक कि उस निर्णय पर वक्फ ट्रिब्यूनल रोक न लगा दे या उसे बदल न दे। इसके अलावा, बोर्ड उस किसी भी सम्पत्ति की जांच कर सकता है, जिसके वक्फ सम्पत्ति होने का दावा किया जाता है। इस धारा में आगे कहा गया है कि अगर वक्फ बोर्ड को विश्वास हो जाता है कि यह वक्फ की सम्पत्ति है तो उसे वक्फ सम्पत्ति के रूप में पंजीकृत करने का आदेश दे सकता है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ कानून की धारा 40 को काला कानून बताया।कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-2 (यूपीए-2) के शासनकाल में वक्फ अधिनियम को और मजबूत किया गया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2013 में वक्फ कानून में संशोधन करके वक्फ बोर्डों को असीमित अधिकार दे दिए गए। इस संशोधन के जरिए वक्फ बोर्ड को स्वायत्तता दे दी गई। इस संशोधन के जरिए इससे जुड़े विवाद में कलेक्टर को भी हस्तक्षेप करने से रोक दिया गया। इस कानून में कहा गया कि अगर वक्फ बोर्ड किसी व्यक्ति सम्पत्ति को वक्फ सम्पत्ति बता देता है तो उसके खिलाफ वह कोर्ट नहीं जा सकता। उसे वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगाना होगा। अगर बोर्ड बात नहीं मानता है तो वह वक्फ ट्रिब्यूनल जा सकता है। कानून में यह भी प्रा-वधान कर दिया गया कि विवादित मामले में वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला ही अंतिम अंतिम होगा। इस फैसले को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी नहीं। इस तरह न्याय पाने के सारे दरवाजे को इस कानून के माध्यम से यूपीए सरकार ने हमेशा के लिए बंद कर दिया है।अगर वर्तमान में हम वक्फ बोर्ड की संरचना की बात करें तो इसमें एक सर्वे कमिश्नर होता है। यह सर्वे कमिश्नर सम्पत्तियों का लेखा-जोखा रखता है। इसके अलावा, बोर्ड में मुस्लिम विधायक, मुस्लिम सांसद, मुस्लिम आईएएस अधिकारी, मुस्लिम टाउन प्लानर, मुस्लिम अधिवक्ता और मुस्लिम बुद्धिजीवी जैसे लोग शामिल होते हैं। वक्फ ट्रिब्यूनल में प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। ट्रिब्यूनल में कौन शामिल होगा, इसका फैसला संबंधित राज्य की सरकार करती है। मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति और वोटबैंक की राजनीति के कारण राज्य सरकारें आमतौर पर वक्त बोर्ड और ट्रिब्यूनल में मुस्लिमों को ही शामिल करती हैं, ताकि वो खुद को मुस्लिम हितैषी दिखा सके।

कानून बनने...

रिजिजू ने कहा कि विधवा और अनाथ बच्चों के लिए संरक्षण होना चाहिए। इसलिए जिस सम्पत्ति में महिला का अधिकार है, उसे वक्फ सम्पत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। विधेयक से यह सुनिश्चित किया गया है पूरे परिवार की सम्पत्ति को वक्फ सम्पत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। रिजिजू ने कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि हम जो कदम उठा रहे हैं, उससे मुस्लिमों को नुकसान होगा। ये गैरकानूनी है। मुसलमानों का हक छीना जा रहा है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि ये आरोप सरासर गलत है।

राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल 2025 पर चर्चा के दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा, हमारा प्रयास है कि वक्फ के काम पारदर्शिता आए। मुझे उम्मीद है कि सदन इस बिल का समर्थन करेगा। इस बिल का मूल उद्देश्य वक्फ की सम्पत्ति का रखरखाव करना है। इस बिल पर काफी चर्चा हुई है। मैं इस बिल को लेकर कहना चाहता हूं, इसके खिलाफ जो भ्रम फैलाया जा रहा है उसका विरोध करता हूं। इस बिल को लेकर 2013 बने जेपीसी में सिर्फ 13 सदस्य थे, अब इस बिल को लेकर बने जेपीसी में 31 सदस्य थे।जेपी नड्डा ने कई मुस्लिम देशों का जिक्र करते हुए कहा, वहां पर वक्फ की सम्पत्ति का रखरखाव सरकारें करती हैं। लेकिन हम तो बस रखरखाव और नियमों से चलने की बात कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि वक्फ की सम्पत्ति का दुरुपयोग न हो इस लिए ये बिल लाया गया है। इस दौरान जेपी नड्डा ने 2013 वक्फ बिल की कमियां और 2025 के वक्फ बिल की खूबियां भी गिनाई। जेपी नड्डा ने कहा - विपक्ष के लोग जेब में संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, हमेशा दिखाते रहते हैं, लेकिन पढ़ते नहीं, इस्तेमाल नहीं करते हैं। संविधान का इस्तेमाल हम करते हैं।सदन के नेता जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा- प्रधानमंत्री मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ चले हैं। हमें वोटबैंक की राजनीति से बाहर निकल करके देशहित की बात करने की जरूरत है। मैं जानना चाहता हूं, कि पिछले 70 साल किन लोगों ने उन्हें डरा कर रखा है। आपने 70 साल का परीक्षण करके देख लिया, बांट-बांट कर देख लिया। 2013 में संशोधन के बाद भी आप विपक्ष में बैठ गए हैं। हम पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि हमने वक्फ बोर्ड पर हाथ डाल दिया। ये एक तरीके से हमारे को कब्जे में लेने की बात है।उल्लेखनीय है कि एनडीए के सहयोगी दल जदयू और टीडीपी ने विधेयक के समर्थन के लिए कुछ शर्तें रखी थीं। जदयू की प्रमुख मांग थी कि सरकार अधिनियम के लागू होने से पहले मुसलमानों के धार्मिक पहचान से जुड़े स्थानों में छेड़छाड़ नहीं करेगी। मतलब अधिनियम लागू होने की पूर्व स्थिति बहाल रखेगी। टीडीपी ने वक्फ सम्पत्ति विवाद की जांच के लिए कलेक्टर से ऊपर राज्य सरकार द्वारा नियुक्त वरिष्ठ अधिकारी को अंतिम अधिकार देने, वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलीकरण के लिए समय देने, जमीन से जुड़े विवाद के निपटारे के लिए अंतिम फैसले का हक राज्य सरकार को देने की मांग की थी। इसे सरकार ने स्वीकार कर लिया।सहयोगी दलों की मांग को स्वीकार करने के साथ ही भाजपा ने सियासी संदेश देने के लिए अपनी ओर से भी विधेयक में कई परिवर्तन किए। मसलन भाजपा युवा मोर्चा के प्रमुख तेजस्वी सूर्या के इस सुझाव को स्वीकार कर लिया है कि पांच वर्षों तक इस्लाम धर्म का पालन करने वाला ही वक्फ को अपनी सम्पत्ति दान कर सकेगा। दान की जाने वाली सम्पत्ति से जुड़ा कोई विवाद होने पर उसकी जांच के बाद ही अंतिम फैसला होगा। पुराने कानून की धारा 11 में संशोधन का स्वीकार कर लिया गया है, जिसमें कहा गया है कि वक्फ बोर्ड के पदेन सदस्य चाहे वह मुस्लिम हो या गैर मुस्लिम, उसे गैर मुस्लिम सदस्यों की गिनती में शामिल नहीं किया जाएगा। इसका अर्थ यह कि वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की संख्या बढ़ सकती है।

विस्तारवाद नहीं ...

प्रधानमंत्री मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि थाईलैंड, भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में एक विशेष स्थान रखता है। आज दोनों देशों को अपने आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने की जरूरत है। इसके साथ ही दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक संवाद स्थापित करने पर भी चर्चा हुई। थाईलैंड सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के अवसर पर 18वीं शताब्दी के रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी किया है, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री शिनावात्रा ने पीएम मोदी को त्रिपिटक भेंट की। मोदी ने कहा, मैंने इसे बुद्ध भूमि भारत की ओर से विनम्रतापूर्वक स्वीकार किया।मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने संबंध गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे लोगों को हर स्तर पर जोड़ा है। अयुत्थाया से नालंदा तक विद्वानों का आदान-प्रदान हुआ है। रामायण की कथा थाई लोकजीवन में गहराई से रची-बसी है। संस्कृत और पाली का प्रभाव आज भी थाई भाषा और परंपराओं में देखा जा सकता है। अपनी इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने 28 मार्च को आए भूकंप में हुई जनहानि पर गहरी संवेदना व्यक्त की थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर आज बैंकॉक पहुंचे। बैंकॉक पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भावपूर्ण स्वागत हुआ। पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने रामकियेन (थाई रामायण) का मनमोहक प्रदर्शन देखा। पीएम मोदी ने कहा, एक ऐसा सांस्कृतिक जुड़ाव जो किसी और जैसा नहीं था! थाई रामायण, रामकियेन का आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव है, जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। रामायण वास्तव में एशिया के कई हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ती है। थाईलैंड और भारत के गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रिश्ते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और थाईलैंड के संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक डोर से जुड़े हैं। हमने दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने शिनावात्रा के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता भी की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और थाईलैंड के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।पीएम मोदी की यात्रा के दौरान थाई सरकार ने 18वीं सदी के रामायण भित्ति चित्रों पर आधारित डाक टिकट जारी किए, जिसके लिए पीएम मोदी ने थाई सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मेरी यात्रा के दौरान डाक टिकट जारी करने के लिए मैं थाई सरकार का अत्यंत आभारी हूं। पीएम मोदी ने 28 मार्च को थाईलैंड में आए भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा, मैं भारत के लोगों की तरफ से भूकंप में हुई जनहानि के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

खुलते जा रहे ...

हमने कभी उनसे फंडिंग नहीं ली। एएसएआर को यूएसएड के एक प्रोजेक्ट के लिए हायर किया था, जो अब खत्म हो गया। हमारा उससे अब कोई रिश्ता नहीं है। सीईईडब्लू ने ये भी कहा कि उनसे ईडी द्वारा कोई सवाल नहीं पूछा गया और वो अपने मिशन भारत के सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए रिसर्च पर केंद्रित हैं। उनका कहना है कि उनका काम पारदर्शी है और वो किसी भी जांच में सहयोग करेंगे।दूसरी तरफ, यूएसएड पर ट्रंप प्रशासन पहले ही लेफ्ट, लिबरल और वोक एजेंडा फैलाने का आरोप लगा चुका है। अब ईडी यह पड़ताल कर रहा है कि यूएसएड का पैसा भारत में किस मकसद से आया था। उल्लेखनीय है कि सोरोस की संस्था ओपन सोसायटी फाउंडेशन को 2016 में भारत के गृह मंत्रालय ने संदिग्ध सूची में डाला था। इसका मतलब है कि इसे भारत में किसी भी नॉन-प्रॉफिट संस्था को फंड देने से पहले मंजूरी लेनी पड़ती है। ईडी अब यह जांच रहा है कि ओएसएफ ने नियमों का कहां कहां उल्लंघन किया। साथ ही सोरोस की फंडिंग सिविल राइट्स ग्रुप्स और थिंक टैंक्स तक कैसे पहुंची, यह भी ईडी की जांच का हिस्सा है। रूटब्रिज सर्विसेज और रूटब्रिज एकेडमी को भी एसईडीएफ से पैसा मिला, जो ओपन सोसायटी फाउंडेशन की फंडिंग इकाई है। ईडी का कहना है कि इन फंड्स का मकसद और इस्तेमाल संदिग्ध है।

सोनिया गांधी ...

पीएमएमएल ने सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवारों से ऐतिहासिक दस्तावेज साझा करने की अपील की है। कुछ परिवारों ने इसके लिए सहमति भी दी है, जैसे पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह के पोते ने उनके दस्तावेज दान करने पर सहमति जताई है।

सुप्रीम कोर्ट के...

अब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक रूप से सम्पत्ति के खुलासे को सार्वजनिक करने पर सहमति जताई।सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम जस्टिस यशवंत वर्मा मामले के बाद उठाया है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर नकदी की जली हुई गड्डियां मिली थीं। विवाद के बाद उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कर दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उनका तबादला नकदी मिलने के विवाद से संबंधित नहीं था।

अखंड भारत...

का विलय करने की सोच सकता है, जो इसके लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है।इसलिए, अगर भारत बांग्लादेश के उन इलाकों पर जहां गैर-मुस्लिम या हिंदू आबादी बड़े रूप में मौजूद है पर कब्जा करता है इससे न केवल यूनुस और उनकी सरकार द्वारा खड़े किए गए खतरे का खात्मा हो जाएगा, बल्कि इससे सामरिक फायदा भी होगा। उदाहरण के लिए अगर भारत चटगांव बंदरगाह कब्जा ले तो पूर्वोत्तर के राज्य जमीन से घिरे नहीं रहेंगे। इससे उन देशों को भी सबक मिलेगा जो भारत से कई गुना छोटे होने के बाद और मदद लेने के बाद आँख दिखाते हैं। इससे एक फायदा बांग्लादेश के हिंदुओं और वहां की जनजातियों को भी होगा जो वर्तमान प्रशासन में अत्याचार झेल रहे हैं।इन समुदायों को बलात्कार, हत्या और लूटपाट की घटनाओं का सामना करना पड़ा है, उनके मंदिरों और पूजा स्थलों को नष्ट और अपवित्र किया गया है, जबकि राज्य ने केवल इन अत्याचारों को बढ़ावा दिया है। हिंदुओं की घटती संख्या बांग्लादेश में उनकी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का प्रमाण है। बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं को उनकी मातृभूमि वापस दिलाना भारत की जिम्मेदारी है। यह तब और जरूरी हो जाता है जब पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्ते गहरे हो रहे हैं। 1971 में अलगाव के बाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा व्यापार शुरू हुआ है। कराची के पोर्ट कासिम से सरकार द्वारा स्वीकृत पहला माल रवाना हुआ। फरवरी की शुरुआत में, बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान (टीसीपी) से 50,000 टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमति जताई, जिससे सौदा अंतिम रूप ले लिया। बांग्लादेश लगातार भारत विरोधी बयान भी दे रहा है।पाकिस्तान के जनरल एएके नियाजी ने बंगालियों की नस्ल बदलने की बात कही थी। उसने गाली का शब्द इस्तेमाल करते हुए कहा था, मैं इस ... कौम की नस्ल बदल दूंगा। पाकिस्तानी सैनिक बंगाली महिलाओं का रेप करेंगे। उनकी नस्लें बदलेंगे। यह बात ए स्ट्रेंजर इन माई ओन कंट्री: ईस्ट पाकिस्तान में दर्ज है। नियाजी के उस बिगड़ैल बोल का भारतीय सेना ने क्या हश्र किया, यह इतिहास में दर्ज हो चुका है। बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद नियाजी ने 93 हजार सैनिकों के साथ भारत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अब भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने अतीत से सबक लेकर अपने और अपने लोगों के हित में काम करे। अब हिंदुओं को इस्लामी शासन से मुक्त करवाने का भी समय है।बंगभूमि, बंग सेना द्वारा चलाया गया एक आंदोलन था जिसका उद्देश्य एक बांग्ला हिंदू राष्ट्र बनाना था। 1973 में बांग्लादेश को अपनी स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद भारत में इस संगठन की स्थापना की गई थी, ताकि देश से हिंदू शरणार्थियों की सहायता की जा सके, क्योंकि 1971 में बांग्लादेश में अत्याचारों के दौरान पाकिस्तानी सेना ने उन्हें निशाना बनाया था। अब समय आ गया है कि इस तरह की एक और पहल शुरू की जाए। इस बात में कोई शक नहीं है कि भारतीय सेना सिलीगुड़ी कॉरिडोर में किसी भी दुस्साहस को कुचल देगी। वह भारत को आने वाले कोई भी खतरे को खत्म कर देगी।

अगर बांग्लादेश और दुस्साहस दिखाता है तो नौसेना भी उसे भूखा मरने पर मजबूर कर सकती है। रंगपुर, राजशाही और खुलना के कुछ हिस्सों को लेकर, त्रिपुरा की सीमा पर स्थित चटगांव को अपने देश में मिलाना एक स्थायी समाधान होगा। अब समय आ गया है कि चिकन नेक को हाथी की तरह चौड़ा कर दिया जाए।

महाशक्ति की आराधना का पर्व हैं नवरात्रि

महाशक्ति की आराधना का पर्व है नवरात्रि। तीन हिंदू देवियों – पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ विभिन्न स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित है, जिन्हें नवदुर्गा के नाम से जाना है। पहले तीन दिन पार्वती के तीन स्वरूपों की अगले तीन दिन लक्ष्मी माता के स्वरूपों और आखिरी के तीन दिन सरस्वती माता के स्वरूपों की पूजा करते हैं। दुर्गा सप्तशती के अन्तर्गत देव दानव युद्ध का विस्तृत वर्णन है। इसमें देवी भगवती और मां पार्वती ने किस प्रकार देवताओं के साम्राज्य को स्थापित करने के लिए तीनों लोकों में उत्पात मचाने वाले महादानवों से लोहा लिया इसका वर्णन आता है। यही कारण है कि आज सारे भारत में हर जगह दुर्गा यानि नवदुर्गाओं के मन्दिर स्थपित हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि से ही नया हिंदू वर्ष प्रारंभ हो जाता है। उदया तिथि के अनुसार इस साल चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू होगी और इसका समापन 06 अप्रैल को होगा। तिथि मतांतर से इस बार चैत्र नवरात्रि आठ दिनों के रहेंगे। खास बात यह है कि महापर्व के दौरान चार दिन रवियोग तथा तीन दिन सर्वार्थसिद्धि का संयोग रहेगा।

वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता है। साल में दो बार आश्विन और चैत्र मास में नौ दिन के लिए उत्तर से दक्षिण भारत में नवरात्र उत्सव का माहौल होता है। सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती का अगर पाठ न भी कर सकें तो निम्नलिखित श्लोक का पाठ को पढ़ने से सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती और नवदुर्गाओं के पूजन का प्राप्त हो जाता है।

सर्वमंगलमंगलये शिवे सर्वार्थसाधिके। शरण्ये त्रयम्बके गौरि नारायणि नमोऽतु ते।।

शरणांगतदीन आर्त परित्राण परायणे सर्वस्यार्तिहरे देवी नारायणि नमोऽस्तु ते।।

सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्तिसमन्विते। भयेभ्यारत्नाहि नो देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तु ते ।।

वैसे तो दुर्गा के 108 नाम गिनाये जाते हैं लेकिन नवरात्रों में उनके स्थूल रूप को में रखते हुए नौ दुर्गाओं की स्तुति और पूजा पाठ करने का गुप्त मंत्र ब्रहमा जी ने अपने पौत्र मार्कण्डेय ऋषि को दिया था। इसको देवीकवच भी कहते हैं। देवीकवच का पूरा पाठ दुर्गा सप्तशती के 56 श्लोकों के अन्दर मिलता है। नौ दुर्गाओं के स्वरूप का वर्णन संक्षेप ब्रहमा जी ने इस प्रकार से किया है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रहमचारिणी।तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्।।

पंचमं स्क्न्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम्।

नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।।

उपरोक्त नौ दुर्गाओं ने देव दानव युद्ध में विशेष भूमिका निभाई है सम्पूर्ण कथा देवी भागवत पुराण और मार्कण्डेय पुराण में लिखित है। शिव पुराण में भी इन दुर्गाओं के उत्पन्न होने की कथा का वर्णन आता है कि कैसे हिमालय राज की पुत्री पार्वती ने अपने भक्तों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धरती आकाश पाताल में सुख शान्ति स्थापित के लिए दानवों राक्षसों और आतंक फैलाने वाले तत्वों को नष्ट करने की प्रतीज्ञा की ओर समस्त नवदुर्गाओं को विस्तारित करके उनके 108 रूप धारण करने से तीनों लोकों में दानव और राक्षस साम्राज्य का अन्त किया। इन नौदुर्गाओं में सबसे प्रथम देवी का नाम है शैल पुत्री जिसकी नवरात्र के पहले दिन होती है। दूसरी देवी का नाम है ब्रहमचारिणी जिसकी पूजा नवरात्र के दूसरे दिन होती है। तीसरी देवी का नाम है चन्द्रघण्टा जिसकी पूजा नवरात्र के तीसरे दिन होती है। चौथी देवी का नाम है कूष्माण्डा जिसकी पूजा नवरात्र के चौथे दिन होती है। पांचवी का नाम है स्कन्दमाता जिसकी पूजा नवरात्र के पांचवें दिन होती है। छठी दुर्गा का नाम है कात्यायनी जिसकी पूजा नवरात्र के छठे दिन होती है । सातवी दुर्गा का नाम है कालरात्रि जिसकी पूजा नवरात्र के सातवें दिन होती है। आठवीं देवी का नाम है महागौरी जिसकी पूजा के आठवें दिन होती है। नवीं दुर्गा का नाम है सिद्धिदात्री जिसकी पूजा नवरात्र के अन्तिम दिन होती है। इन सभी दुर्गाओं के प्रकट होने और इनके कार्यक्षेत्र की बहुत लम्बी चौड़ी कथा और फेहरिस्त है। लेकिन यहां हम संक्षेप में ही उनकी पूजा अर्चना का वर्णन कर सकेंगे।

समस्या का समाधान हैं ये श्लोक

नवरात्र में शक्ति साधना व कृपा प्राप्ति का का सरल उपाय दुर्गा सप्तशती का पाठ है। नवरात्र के दिवस काल में सविधि मां के कलश स्थापना के साथ शतचंडी, नवचंडी, दुर्गा सप्तशती और अथर्वशीर्ष का पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के पाठ के कई विधि विधान है। दुर्गा सप्तशती महर्षि वेदव्यास रचित मार्कण्डेय पुराण के सावर्णि मन्वतर के देवी महात्म्य के 700 श्लोक का एक भाग है। दुर्गा सप्तशती में अध्याय एक से तेरह तक तीन चरित्र विभाग हैं। इसमें 700 हैं।

दुर्गा सप्तशती के छह अंग तेरह अध्याय को छोड़कर हैं। कवच, कीलक, अर्गला दुर्गा सप्तशती के प्रथम तीन अंग और प्रधानिक आदि तीन रहस्य हैं। इसके अलावा और कई मंत्र भाग है जिसे पूरा करने से दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णता होती है। इस संदर्भ में विद्वानों में है। दुर्गा-सप्तशती को दुर्गा-पाठ, चंडी-पाठ से भी संबोधित करते हैं। चंडी पाठ में छह संवाद है।

महर्षि मेधा ने सर्वप्रथम राजा सुरथ और समाधि वैश्य को दुर्गा का चरित्र सुनाया। तदनंतर यही कथा महर्षि मृकण्डु के पुत्र चिरंजीवी मार्कण्डेय ने मुनिवर भागुरि को सुनाई। यही कथा द्रोण पुत्र पक्षिगण महर्षि जैमिनी से कही। जैमिनी महर्षि वेदव्यास जी के शिष्य थे। यही कथा संवाद महर्षि वेदव्यास ने मार्कण्डेय पुराण में यथावत् क्रम वर्णन कर लोकोपकार के लिए संसार में प्रचारित की। इस प्रकार दुर्गा सप्तशती में दुर्गा के चरित्रों का वर्णन है।

मार्कण्डेय पुराण में ब्रह्माजी ने मनुष्यों के रक्षार्थ परम गोपनीय साधन, कल्याणकारी देवी कवच एवं परम पवित्र उपाय संपूर्ण प्राणियों को बताया, जो देवी के नौ मूर्ति-स्वरूप हैं, जिन्हें 'नव दुर्गा' कहा जाता है। उनकी आराधना आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से महानवमी तक की जाती है। दुर्गा सप्तशती का पाठ मनोरथ सिद्धि के लिए किया जाता है; क्योंकि श्री दुर्गा सप्तशती दैत्यों के संहार की शौर्य गाथा से अधिक कर्म, भक्ति एवं ज्ञान की त्रिवेणी हैं। यह श्री मार्कण्डेय पुराण का अंश है। यह देवी महात्म्य धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान में सक्षम है। सप्तशती में कुछ ऐसे भी स्तोत्र एवं मंत्र हैं, जिनके विधिवत पारायण से इच्छित मनोकामना की पूर्ति होती है।

देवी का ध्यान मंत्रः देवी प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोंखिलस्य। प्रसीद विश्वेतरि पाहि विश्वं त्वमीश्वरी देवी चराचरस्य।

इस प्रकार भगवती से प्रार्थना कर भगवती के शरणागत हो जाएं। कई जन्मों के पापों का संहार कर भक्त को तार देती है। वही जननी सृष्टि की आदि, अंत और मध्य है।

देवी से प्रार्थना करें: शरणागत-दीनार्त-परित्राण-परायणे! सर्वस्यार्तिहंरे देवि! नारायणि! नमोऽस्तुते।।

सर्वकल्याण एवं शुभार्थ प्रभावशाली माना गया है: सर्व मंगलं मांगल्ये शिवे सर्वाथ साधिके। शरण्येत्र्यंबके

गौरी नारायणि नमोस्तुऽते।।

बाधा मुक्ति धन-पुत्रादि प्राप्ति के लिए: सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो धन-धान्य सुतान्वितः। मनुष्यों मत्प्रसादेन भवष्यति न संशय।।

सर्वबाधा शांति के लिए: सर्वाबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याखिलेश्वरि। एवमेव त्वया कार्यमस्मद्वैरिविनाशनम्।।

आरोग्य एवं सौभाग्य प्राप्ति के लिए इस चमत्कारिक फल देने वाले मंत्र को स्वयं देवी दुर्गा ने देवताओं को दिया है:देहि सौभाग्यं आरोग्यं देहि में परमं रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषोजहि।।

अर्थात: शरण में आए हुए दीनों एवं पीड़ितों की रक्षा में संलग्न रहने वाली तथा सब की पीड़ा दूर करने वाली नारायणी देवी! तुम्हें नमस्कार है। देवी से प्रार्थना कर अपने रोग, अंदरूनी बीमारी को ठीक करने की प्रार्थना भी करें। ये आपके रोग को हरकर आपको स्वस्थ कर देंगी।

विपत्ति नाश के लिए: शरणागतर्दनार्त परित्राण पारायणे। सर्व स्यार्ति हरे देवि नारायणि नमोऽतुते।।

मोक्ष प्राप्ति के लिए: त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या। विश्वस्य बीजं परमासि माया।। सम्मोहितं देवि समस्तमेतत्। त्वं वैप्रसन्ना भुवि मुक्त हेतुः।।

शक्ति प्राप्ति के लिए: सृष्टिस्थितिविनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नमोह्यस्तु ते।।

अर्थात: तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता, सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणि! तुम्हें नमस्कार है।

रक्षा का मंत्र: शूलेन पाहि नो देवि पाहि खड्गेन चाम्बिके। घण्टास्वनेन न: पाहि चापज्यानि: स्वनेन च।।

अर्थात: देवी! आप शूल से हमारी रक्षा करें। अम्बिके! आप से भी हमारी रक्षा करें तथा घण्टा की ध्वनि और धनुष की टंकार से भी हमलोगों की रक्षा करें।

रोग नाश का मंत्र: रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता हाश्रयतां प्रयान्ति।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि अर्थात: देवी! तुम प्रसन्न पर सब रोगों को नष्ट कर देती हो और कुपित होने पर मनोवांछित सभी कामनाओं का नाश कर देती हो। जो लोग तुम्हारी शरण में जा चुके है। उनको विपत्ति तो आती ही नहीं। तुम्हारी शरण में गए हुए मनुष्य दूसरों को शरण देने वाले हो जाते हैं।

दु:ख-दारिद्र के लिए: दुर्गे स्मृता हरसि भीतिमशेषजन्तो:। स्वस्थै स्मृता मतिमतीव शुभां ददासि।। द्रारिद्र दु:ख भयहारिणि का त्वदन्या। सर्वोपकारकारणाय सदाह्यद्रचिता।।

ऐश्वर्य, सौभाग्य, आरोग्य, संपदा प्राप्ति एवं शत्रु भय मुक्ति-मोक्ष के लिए: ऐश्वर्य यत्प्रसादेन सौभाग्य-आरोग्य सम्पद:। शत्रु हानि परो मोक्ष: स्तुयते सान किं जनै।।

भय नाशक दुर्गा मंत्र: सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति भयेभ्यास्त्रहिनो देवी दुर्गे देवी नमोस्तुते।

स्वप्न में कार्य सिद्धि-असिद्धि जानने के लिए: दुर्गे देवि नमस्तुभ्यं सर्वकामार्थ साधिके। मम सिद्धिमसिद्धिं वा स्वप्ने सर्व प्रदर्शय।।

अर्थात: शरणागत की पीड़ा दूर करने वाली देवी हम पर प्रसन्न होओ। संपूर्ण जगत माता प्रसन्न होओ। विश्वेश्वरी! विश्व की रक्षा करो। देवी! तुम्ही चराचर जगत अधिश्वरी हो।

मां के कल्याणकारी स्वरूप का वर्णन: सृष्टिस्थिति विनाशानां शक्तिभूते सनातनि। गुणाश्रये गुणमये नारायणि! नमोऽस्तुते।।

अर्थात: हे देवी नारायणी! तुम सब प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी हो। कल्याणदायिनी शिवा हो। सब पुरुषार्थों को सिद्ध करने वाली तीन नेत्रों वाली एवं गौरी हो, तुम्हें नमस्कार है। तुम सृष्टि पालन और संहार की शक्तिभूता सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो। नारायणी! तुम्हें नमस्कार है।

इस प्रकार देवी उनकी शरण में जाने वालों को इतनी शक्ति प्रदान कर देती है कि उस मनुष्य की शरण में लोग आने लग जाते हैं। देवी धर्म के विरोधी दैत्यों का नाश करने वाली है। देवताओं की रक्षा के लिए देवी ने दैत्यों का वध किया। वह आपके आतंरिक एवं बाह्य शत्रुओं का नाश करके आपकी रक्षा करेगी। आप बारंबार उसकी शरणागत हो एवं स्वरमय प्रार्थना करें।

तुम तीनों लोकों की समस्त बाधाओं को शांत करो और हमारे शत्रुओं का नाश करती रहो। पुन: भगवती के शरणागत जाकर भगवती चरित्र को पढ़ने, उनका गुणगान करने मात्र से सर्वबाधाओं से मुक्त होकर धन, धान्य एवं पुत्र से संपन्न होंगे। इसमें भी संदेह नहीं। भगवती के प्रादुर्भाव की सुंदर गाथाएं सुनकर मनुष्य निर्भय हो जाता है। मुझे अनुभव है कि भगवती के माहात्म्य को सुनने वाले पुरुष के सभी शत्रु नष्ट हो जाते हैं। उन्हें कल्याण की प्राप्ति होती है तथा उनका कुल आनंदित रहता है। स्वयं भगवती का वचन कि मेरी शरण में आया हर व्यक्ति दु:ख से परे हो जाता है। यदि आप संगणित है तथा और आपके बीच दूरियां हो गई हैं तो आप पुन: संगठित हो जाएंगे। बालक अशांत है तो शांतिमय जीवन हो जाएगा।

श्लोक: शांतिकर्मणि सर्वत्र तथा दु:स्वप्रदर्शने। ग्रहपीड़ासु चोग्रासु महात्मयं शणुयात्मम।

अर्थात: सर्वत्र शांति कर्म में, बुरे स्वप्न दिखाई देने पर तथा ग्रहजनित भयंकर पीड़ा उपस्थित होने पर माहात्म्य श्रवण करना चाहिए। इससे सब पीड़ाएं शांत और दूर हो जाती है। मनुष्यों के दु:स्वप्न भी शुभ स्वप्न में परिवर्तित हो जाते है। से अक्रांत हुए बालकों के लिए देवी का माहात्म्य शांतिकारक है। देवी प्रसन्न होकर धार्मिक बुद्धि, धन सभी प्रदान करती है। स्तुता सम्पूजिता पुष्पैर्धूपगंधादिभिस्तथा ददाति वित्तं पुत्रांश्च मति धर्मे गति शुभाम्।

जाप विधि: नवरात्रि के प्रतिपदा के दिन घटस्थापना के बाद संकल्प लेकर प्रात: स्नान करके दुर्गा की मूर्ति चित्र की पंचोपचार या दक्षोपचार या षोड्षोपचार से गंध, पुष्प, धूप, दीपक नैवेद्य निवेदित कर पूजा करें। मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर रखें। शुद्ध-पवित्र आसन ग्रहण कर रुद्राक्ष या तुलसी या चंदन की माला से मंत्र का जाप एक माला से पांच माला तक पूर्ण कर अपना कहें। पूरे नवरात्र जाप करने से वांछित मनोकामना अवश्य पूरी होती है। समयाभाव में केवल 10 बार मंत्र का जाप निरंतर प्रतिदिन करने पर भी माँ दुर्गा प्रसन्न हो जाती हैं। दुर्गेदुर्गति नाशिनी जय जय।।

श्लोक: नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततंनम:। नम: प्रकृत्यै भद्राये नियता: प्रणता: स्मताम्।

अर्थात: देवी को नमस्कार है, महादेवी शिवा को सर्वदा नमस्कार है। प्रकृति एवं भद्रा को प्रणाम है। हम लोग नियमपूर्वक जगदंबा को नमस्कार करते हैं। शैद्रा को नमस्कार है। नित्या गौरी एवं धात्री को बारंबार नमस्कार है। ज्योत्सनामयी चंद्ररूपिणी एवं सुखस्वरूपा देवी सतत प्रणाम है। इस प्रकार देवी दुर्गा का स्मरण कर प्रार्थना करने मात्र से देवी प्रसन्न होकर अपने भक्तों की इच्छा पूर्ण करती है। देवी मां दुर्गा अपनी शरण में आए हर शरणार्थी की रक्षा कर उसका उत्थान करती है। देवी की शरण में जाकर देवी से प्रार्थना करें, देवी की स्वयं देवता प्रार्थना करते हैं। वह भगवती शरणागत को आशीर्वाद प्रदान करती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

कैसा है मां दुर्गा का स्वरूप? जानें इनकी महिमा

चैत्र नवरात्र हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। यह मां दुर्गा की आराधना के लिए समर्पित है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है, प्रत्येक स्वरूप का अपना विशिष्ट महत्व और स्वरूप है। मां दुर्गा, जिन्हें आदि शक्ति के रूप में भी जाना जाता है, वो इस जगत की ब्रह्मांड की सबसे बड़ी शक्ति हैं और भक्तों की रक्षा के लिए विभिन्न रूप धारण करती हैं,

मां शैलपुत्री –नवरात्र के पहले दिन पूजी जाने वाली मां शैलपुत्री पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। उनका वाहन वृषभ (बैल) है और उनके हाथों में त्रिशूल और कमल का फूल है। मां दुर्गा का यह स्वरूप स्थिरता और दृढ़ता का प्रतीक है।

मां ब्रह्मचारिणी–दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की उपासना की जाती है, जो तपस्या और वैराग्य का प्रतिनिधित्व करती हैं। वे श्वेत वस्त्र धारण करती हैं और उनके एक हाथ में जप माला और दूसरे में कमंडल विराजमान है।

मां चंद्रघंटा – तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है, जिनके मस्तक पर अर्धचंद्र विराजमान है। मां का वाहन सिंह है और वे दस भुजाओं में विभिन्न अस्त्र-शस्त्र धारण करती हैं। यह स्वरूप शांति और कल्याण का प्रतीक है।

मां कूष्मांडा – चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा होती है, जिन्होंने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को बनाया था। उनकी आठ भुजाएं हैं और वे सिंह पर सवार हैं। यह स्वरूप ऊर्जा और रचनात्मकता का प्रतीक है।

मां स्कंदमाता– पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है, जो भगवान कार्तिकेय (स्कंद) की माता हैं। उनका वाहन सिंह है और वे अपनी गोद में बालक स्कंद को लिए हुए हैं। यह स्वरूप मातृत्व और वात्सल्य का प्रतीक है।

मां कात्यायनी – छठे दिन मां कात्यायनी की उपासना की जाती है, जिन्होंने महिषासुर का वध किया था। उनका वाहन सिंह है और वे चार भुजाओं में तलवार, कमल और अभय व वरद मुद्रा धारण करती हैं। यह स्वरूप शक्ति और साहस का प्रतीक है।

मां कालरात्रि –सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा होती है, जिनका रंग काला और रूप उग्र है। देवी का वाहन गधा है और वे शत्रुओं का नाश करने वाली मानी जाती हैं। यह स्वरूप भय और नकारात्मकता का अंत करने वाला है।

मां महागौरी– आठवें दिन मां महागौरी की आराधना की जाती है, जिनका वर्ण श्वेत है और वे शांति और पवित्रता का प्रतीक हैं। मां का वाहन वृषभ है और वे चार भुजाओं में त्रिशूल और कमल धारण करती हैं।

मां सिद्धिदात्री–नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है, जो सभी प्रकार की सिद्धियों को प्रदान करने वाली हैं। वे कमल पर विराजमान हैं और चार भुजाओं में शंख, चक्र, गदा और कमल धारण करती हैं। यह स्वरूप पूर्णता और मोक्ष का प्रतीक है।

चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा के इन नौ स्वरूपों की भक्तिभाव से पूजा करने से भक्तों को शक्ति, समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह पर्व नारी शक्ति के महत्व और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

चैत्र नवरात्र के सातवें दिन शोभन योग समेत बन रहे हैं कई अद्भुत संयोग

वैदिक पंचांग के अनुसार, शुक्रवार 04 अप्रैल को चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि है। चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि पर देवी मां काली की पूजा एवं साधना की जाती है। साथ ही मां काली के निमित्त नवरात्र के सातवें दिन का व्रत रखा जाता है।

ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि पर दुर्लभ शोभन और भद्रावास योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में मां काली की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शुभ मुहूर्त – चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि रात 08 बजकर 11 मिनट तक है। इसके बाद अष्टमी तिथि शुरू होगी। चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि पर जगत जननी आदिशक्ति देवी मां दुर्गा के सप्तम स्वरूप मां काली की भक्ति भाव से पूजा की जाती है।

भद्रावास योग – चैत्र नवरात्र के सप्तमी तिथि पर भद्रावास योग का भी संयोग बन रहा है। शिववास योग रात 8 बजकर 12 मिनट तक है। इस योग में देवी मां काली की पूजा करने से सुखों में वृद्धि होगी।

शोभन योग – चैत्र नवरात्र के सातवें दिन दुर्लभ शोभन योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग रात 09 बजकर 45 मिनट तक है। शोभन योग में मां काली की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

अभिजीत मुहूर्त – चैत्र नवरात्र के छठे दिन अभिजीत मुहूर्त का भी निर्माण हो रहा है। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 59 मिनट से लेकर 12 बजकर 49 मिनट तक है। इस दौरान देवी मां काली की पूजा करने से सभी संकटों से मुक्ति मिलेगी।

नक्षत्र एवं करण – चैत्र नवरात्र की षष्ठी तिथि पर आर्द्रा नक्षत्र का संयोग है। इसके साथ ही गर और वणिज करण के योग बन रहे हैं। ज्योतिष गर और वणिज करण को शुभ मानते हैं। इन योग में जगत जननी देवी मां कालरात्रि की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 06 बजकर 08 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 41 मिनट पर
चन्द्रोदय– सुबह 10 बजकर 37 मिनट पर
चंद्रास्त– देर रात 01 बजकर 29 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 36 मिनट से 05:22 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02:30 मिनट से 03:20 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06:39 मिनट से 07 : 02 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 12:01 मिनट से 12:47 मिनट तक

मां काली की पूजा के समय राशि अनुसार करें मंत्रों का जाप, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

शुक्रवार 04 अप्रैल को चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि है। चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि पूर्णतया मां काली को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर देवी मां काली की पूजा की जाती है। तंत्र सीखने वाले साधक मां काली की कठिन साधना करते हैं। कठिन साधना से प्रसन्न होकर मां काली मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र की सप्तमी तिथि पर शोभन और भद्रावास योग समेत कई शुभ योग बन रहे हैं। इन योग में मां काली की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। अगर आप भी देवी मां काली की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो सप्तमी तिथि पर माता रानी की पूजा करें। वहीं, पूजा के समय राशि अनुसार मंत्रों का जप करें। वहीं, पूजा का समापन मां काली की आरती से करें।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि के जातक चैत्र नवरात्र के सातवें दिन पूजा के समय 'ॐ काल्यै नमः' मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक मानसिक तनाव से निजात पाने के लिए 'ॐ कान्तायै नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक चैत्र नवरात्र के सातवें दिन पूजा के समय 'ॐ कामदायै नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक मां काली को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ कालरात्र्यै नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक चैत्र नवरात्र के सातवें दिन पूजा के समय 'ॐ कालिकायै नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक मां काली की कृपा पाने के लिए 'ॐ कामिन्यै नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक सुख और सौभाग्य में वृद्धि पाने के लिए 'ॐ काम्यायै नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक कारोबार में सफलता पाने के लिए 'ॐ कामाख्यायै नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक चैत्र नवरात्र के सातवें दिन पूजा के समय 'ॐ कृष्णायै नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक करियर में सफलता पाने के लिए 'ॐ कमलायै नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक चैत्र नवरात्र के सातवें दिन पूजा के समय 'ॐ सत्यज्ञानायै नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक मां काली को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ दुर्गापरमेश्वर्यै नमः' मंत्र का जप करें।

2025 में हैं इन गुमनाम सितारों की वापसी की उम्मीदें

अच्छे दिखने वाले, प्रतिभाशाली, साहसी और भव्य फिल्मी सितारे। उन्होंने एक समय में अपने आकर्षण और शैली से दर्शकों को चकाचौंध कर दिया था। अमृता राव, बॉलीवुड की पड़ोस की लड़की, मल्लिका शेरावत, मोहक, नरगिस फाखरी, आश्चर्यजनक, ज़ायेद खान, अच्छे दिखने वाले लड़के, इमरान खान, प्रतिभाशाली अभिनेता, फरदीन खान, डैशिंग अभिनेता, और अमीषा पटेल, गदर सनसनी को कौन भूल सकता है? इन अभिनेताओं ने हिंदी फिल्म उद्योग में तूफान ला दिया, मेगा हिट दिए और होनहार कलाकारों के रूप में सराहे गए। वे तेजी से प्रसिद्धि की सीढ़ी चढ़ गए और उनके सितारे बुलंदियों पर थे। फिर, कुछ हुआ और सितारों के नाम उत्साह पैदा करना बंद कर दिया। गुमनामी की ओर गिरावट उतनी ही अचानक और नाटकीय थी जितनी महिमा की ओर चढ़ाई।

उनके बारे में ज्यादा कुछ नहीं सुना गया और वे दौड़ से बाहर हो गए। वे लंबे समय तक जनता की नज़रों से दूर रहे और उनमें से कुछ तो स्मृति से भी मिट गए। लोगों को आश्चर्य हुआ कि एक समय के उभरते सितारों का क्या हुआ और वे आखिरी बार बड़े पर्दे पर कब दिखाई दिए। यहां उनकी सिनेमाई यात्रा और 2025 में उनके लिए क्या है, इस पर एक नज़र डाली गई है।

अमृता राव:–अक्सर फिल्म उद्योग की पड़ोस की लड़की कही जाने वाली चुलबुली अमृता राव ने अब के बरस में अपनी पहली उपस्थिति से सभी को प्रभावित किया, और मैं हूं ना और विवाह म उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा जीती। अमृता राव ने आरजे अनमोल से शादी की है। उन्होंने कुछ साल पहले एक समाचार एजेंसी को एक साक्षात्कार में बताया कि वह बड़ी फिल्मों का त्याग करने की यात्रा पर थीं क्योंकि वे कई ऑन-स्क्रीन आवश्यकताओं के साथ सहज नहीं थीं। अमृता ने 2013 में सत्याग्रह में काम किया और आखिरी बार 2019 में ठाकरे में देखी गईं। वह जॉली एलएलबी 3 में दिखाई देने वाली हैं, जो छह साल बाद फिल्मों में उनकी वापसी को चिह्नित करती है।

अमीषा पटेल: –2000 की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्म कहो ना प्यार है की सोनिया को याद करें। पदार्पण करने वाली अमीषा पटेल रातोंरात स्टार बन गईं। उन्होंने भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक, गदर: एक प्रेम कथा और हमराज़ के साथ इसे जारी रखा। हालांकि, फ्लॉप की एक श्रृंखला ने उनके करियर को खतरे में डाल दिया। पिछले दशक में, उन्हें सिल्वर स्क्रीन पर ज्यादा नहीं देखा गया है।इस साल 50 साल की होने वाली अमीषा ने दो साल पहले सनी देओल के साथ ब्लॉकबस्टर गदर 2: द प्रेम कथा कंटीन्यूज़ के साथ वापसी की। गदर 2 सनी देओल का शो निकला जिसमें अमीषा के पास करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं था। पिछले साल, उन्होंने एक रोमांटिक थ्रिलर, तौबा तेरा जलवा में अभिनय किया जो एक सामान्य शो था। वह इस साल किसी भी फिल्म में नहीं दिखाई देंगी।

इमरान खान:–2008 में, नवागंतुक इमरान खान अभिनीत जाने तू... या जाने ना को भारी आल-ोचनात्मक और व्यावसायिक प्रशंसा मिली। अभिनेता को रणबीर कपूर के बाद नई सनसनी के रूप में सराहा गया, जिन्होंने उनसे एक साल पहले अपनी शुरुआत की थी। आमिर खान के भतीजे इमरान बाद में कुछ सार्थक और कुछ उदासीन फिल्मों में दिखाई दिए। 2015 में कंगना रनौत के साथ इमरान की आखिरी रिलीज़ कट्टी बट्टी थी जो फ्लॉप रही। दस साल बाद, इमरान एक अभिनेता के रूप में स्मृति से मिट गए हैं। इमरान खान ने कहा है कि वह निर्देशन जैसे फिल्म निर्माण के अन्य पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। हालांकि इमरान ने 2018 में एक लघु फिल्म, मिशन मार्स: कीप वॉकिंग इंडिया का निर्देशन किया, लेकिन 2025 के लिए उनकी अभिनय योजनाएं अज्ञात हैं।

महिमा चौधरी:–महिमा चौधरी ने परदेस के साथ बॉलीवुड में अपनी पारी की शुरुआत की, जिसे कई पुरस्कार मिले। उन्होंने दाग: द फायर, प्यार कोई खेल नहीं, धड़कन और कुरुक्षेत्र में अपने अभिनय के लिए भी प्रशंसा जीती। हालांकि, बेंगलुरु में एक बड़ी कार दुर्घटना ने उनके करियर को गंभीर रूप से प्रभावित किया। हालांकि महिमा चौधरी सर्जरी के बाद ठीक हो गईं और उन्होंने काम फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन वे लंबे समय से सुर्खियों से दूर हैं। महिमा चौधरी को आखिरी बार कंगना रनौत की इमरजेंसी में एक संक्षिप्त लेकिन प्रभावी प्रदर्शन में देखा गया था। फिल्म फ्लॉप रही। महिमा को इस महीने रिलीज हुई नादानियां में भी देखा गया, जिसे नकारात्मक समीक्षा मिली।

मल्लिका शेरावत:–वह कहीं से भी आईं और ख्वाहिश और मर्डर में अपने बोल्ड चित्रण से सुर्खियों में रहीं। हालांकि उन्हें जल्द ही एक सेक्स सिंबल का टैग मिल गया, लेकिन उन्होंने कई हिंदी और हॉलीवुड फिल्मों में अपने अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा भी जीती। मल्लिका, जिन्होंने बॉलीवुड में 20 साल से अधिक पूरे कर लिए हैं, को तीन साल पहले एक फिल्म और एक वेब श्रृंखला में देखा गया था। फिल्म फ्लॉप रही। मल्लिका तब से अमेरिका चली गई हैं। उन्होंने पिछले साल विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में उपस्थिति दर्ज कराई। यह देखना बाकी है कि 2025 में उनके करियर को क्या आकार मिलता है।

उदय चोपड़ा:–दिवंगत फिल्म निर्माता यश चोपड़ा के छोटे बेटे उदय चोपड़ा ने मोहब्बतें में अपनी पहली उपस्थिति से हलचल मचा दी। लेकिन, मेरे यार की शादी है, मुझसे दोस्ती करोगे और सुपारी ने उनके लिए ज्यादा कुछ नहीं किया। उदय को धूम श्रृंखला की फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए सराहा गया, जिनमें से आखिरी 2013 में खुली थी। उदय ने अब हॉलीवुड में एक मूवी हाउस स्थापित किया है। इस साल उनके अभिनय करियर में लौटने की कोई संभावना नहीं है।

नरगिस फाखरी:–आश्चर्यजनक नरगिस फाखरी ने संगीत नाटक रॉकस्टार में अपनी पहली मुख्य भूमिका से धूम मचा दी। अपनी लुक्स के लिए सराही गईं, नरगिस ने मद्रास कैफे, किक, मैं तेरा हीरो और हाउसफुल 3 के साथ हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत की। हालांकि, कुछ गलत विकल्पों और कुछ फ्लॉप ने यह सुनिश्चित किया है कि नरगिस का नाम अब सिनेप्रेमियों के बीच उत्साह पैदा नहीं करता है। वह आखिरी बार कुछ साल पहले शिव शास्त्री बाल्बोआ में दिखाई दी थीं। हालांकि, फिल्म ने उनके करियर को बढ़ावा देने के लिए कुछ नहीं किया। वह इस साल एक तेलुगु और एक हिंदी फिल्म में दिखाई देंगी।

शाइनी आहूजा:–हजारों ख्वाहिशें ऐसी, लाइफ इन ए मेट्रो, वो लम्हे, गैंगस्टर, भूल भुलैया और सिंस के साथ, शाइनी आहूजा चमक रहे थे। ऐसा लग रहा था कि बॉलीवुड को एक बेहद प्रतिभाशाली अभिनेता मिल गया है जो कुछ समय तक दर्शकों का मनोरंजन करेगा। हालांकि, एक बलात्कार के मामले में शाइनी की सजा से उत्पन्न उथल-पुथल ने उनकी आकांक्षाओं की नाव को डुबो दिया। शाइनी को आखिरी बार 2015 में वेलकम बैक में देखा गया था। ड्रीम फैक्ट्री अस्वाभाविक है और 2025 में उनकी बॉलीवुड में वापसी की संभावना बहुत कम है।

रिमी सेन:–रिमी सेन ने 2000 के दशक की शुरुआत में बागबान, धूम, क्यों कि, फिर हेरा फेरी, हंगामा और गोलमाल जैसी सफल फिल्मों में अभिनय किया। कुछ बॉक्स ऑफिस बमों और मांसल भूमिकाएं पाने में उनकी विफलता के बाद, रिमी 14 साल पहले अभिनय से दूर चली गईं। रिमी सेन को आखिरी बार 2015 में रियलिटी शो बिग बॉस में देखा गया था और 2016 में एक फिल्म बुधिया सिंह – बॉर्न टू रन का निर्माण किया था। 2025 में उनकी फिल्मी पारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

फरदीन खान:–फिरोज खान के बेटे और संजय खान के भतीजे अभिनेता फरदीन खान ने नो एंट्री, जंगल, लव के लिए कुछ भी करेगा, भूत, हे बेबी, एक खिलाड़ी एक हसीना, देव और फिदा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपना नाम बनाया। फरदीन आखिरी बार 2010 में दुल्हा मिल गया में दिखाई दिए और फिर ब्रेक ले लिया। अभिनेता ने एक बड़ा शारीरिक परिवर्तन किया और विस्फोट और खेल खेल में में देखा गया। आइए देखते हैं कि इस साल खुलने वाली हाउसफुल 5 उनके करियर के लिए क्या करती है।

ज़ायेद खान:–अच्छे दिखने वाले ज़ायेद खान ने चुरा लिया है तुमने में एक होनहार शुरुआत की और मैं हूं ना, दस और अंजाना अंजानी के साथ पहचान हासिल की। हालांकि, शादी नं 1, कैश और स्पीड जैसी उनकी फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद वह अपने पिता संजय खान या चाचा फिरोज खान की लीग में नहीं आ सके। ऐसी खबरें हैं कि वह जल्द ही वापसी कर सकते हैं।

अनीता हसनंदानी क्यों नहीं घटा पाती है वजन, बताई वजह

काव्यांजलि, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'नागिन 3' जैसे शो में शानदार काम कर लोकप्रिय हुईं अनीता हसनंदानी ने इस बारे में मजेदार खुलासा किया कि वह क्यों 'कुछ किलो' वजन नहीं घटा पाती हैं।

अनीता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बेटे आरव रेड्डी के साथ मस्ती से टहलती नजर आ रही हैं। वीडियो पर एक ओवरले टेक्स्ट लिखा था, मैं कुछ किलो वजन घटाना चाहती हूं। लेकिन मैं कभी नहीं घटा पाती हूं। मैं विजेता हूं। कैप्शन में उन्होंने लिखा: मैं खाते हुए पोस्ट करती हूं।

नताशा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1998 में टेलीविजन शो 'इधर उधर' से की थी और अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगू फिल्म 'नुव्वु नेनु' से की थी। 2001 से 2002 तक, उन्होंने 'कभी सौतन कभी सहेली में तनुश्री की भूमिका निभाई। 2005 में काव्यांजलि के साथ उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। 2007 में उन्होंने पहली बार 'कयामत' में स्वाति भाटिया की भूमिका निभाई। इसके बाद वह हिंदी फिल्म 'दस कहानियां' और 'जस्ट मैरिड' में दिखाई दीं। 2007 से 2008 तक उन्होंने नमन शॉ के साथ 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में सांची विरानी की भूमिका निभाई।

इसके बाद अभिनेत्री 'कसम से', 'क्या दिल में है' और 'किस देश में है मेरा दिल' जैसी फिल्मों में देखी गईं। उन्होंने अपनी गर्भावस्था के कारण ब्रेक लिया और तुषार कपूर के साथ हिंदी फिल्म 'मारीच' से वापसी की। उन्होंने 'ये है मोहब्बतें', 'मधुबाला – एक इश्क एक जुनून', 'ये है आशिकी' में काम करके खुद को हिंदी टेलीविजन की अग्रणी अभिनेत्रियों में स्थापित किया। 2018 से 2019 तक, अभिनेत्री 'नागिन 3' में नागिन विशाखा की भूमिका निभाई। 2020 में वह 'नागिन 4' में विशाखा के रूप में अपनी भूमिका को दोहराईं।

अक्षय कुमार की केसरी: चैप्टर 2 का नया पोस्टर रिलीज

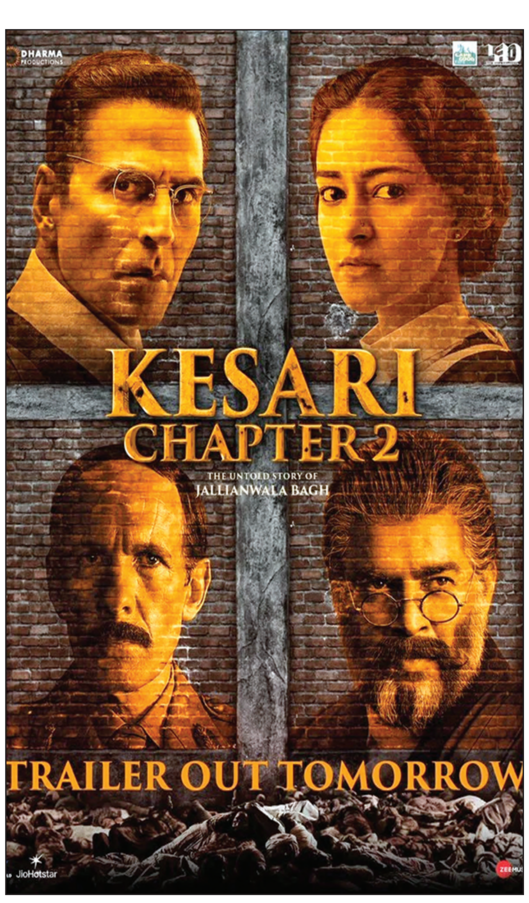

काफी समय से अक्षय कुमार फिल्म केसरी: चैप्टर 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान करण सिंह त्यागी ने संभाली है।यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसमें अक्षय के साथ अनन्या पांडे और आर माधवन भी मुख्य भूमिका में होंगे। पहली बार तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं।अब निर्माताओं ने केसरी: चैप्टर 2 का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें अक्षय, अनन्या और माधवन की झलक दिख रही है।केसरी: चैप्टर 2 का ट्रेलर 3 अप्रैल को रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों का रुख करेगी। अक्षय ने लिखा, 1650 गोलियां, 10 मिनट और 1 आदमी जो इसके खिलाफ दहाड़ता रहा। भारत को हिला देने वाले भयानक नरसंहार के पीछे की सच्चाई को देखें।यह फिल्म शंकरन नायर की बायोपिक है, जो जलियांवाला बाग नरसंहार में जनरल डायर की भूमिका को उजागर करने के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ाई को दिखाएगी।केसरी चैप्टर 2 की कहानी जलियांवाला बाग में हुए अब तक के सबसे भयानक और क्रूर नरसंहार के ऊपर आधारित है। फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने उस समय ब्रिटिश राज के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी थी और सच उजागर करने की कोशिश की थी। इसके अलावा आर माधवन नेविल मैकिन्ले के किरदार में दिखेंगे और अनन्या पांडे दिलरीत गिल के किरदार में नजर आएंगी।

ज्वेल थीफ से सैफ अली खान की नई झलक आई सामने

पिछले कुछ समय से अभिनेता सैफ अली खान अपनी आगामी फिल्म ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद ने संभाली है। इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।अब ज्वेल थीफ से सैफ की नई झलक सामने आ चुकी है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।आइए जानें आप यह फिल्म कब और कहां देख पाएंगे।ज्वेल थीफ सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर 25 अप्रैल, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है।नेटफ्लिक्स ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, दुनिया उसके पीछे पड़ी है, लेकिन वह खेल में आगे है।इस फिल्म में कुणाल कपूर और निकिता दत्ता जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।बता दें सैफ पिछली बार फिल्म देवरा में नजर आए थे। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

सिकंदर बनी सलमान खान की 18वीं 100 करोड़ी फिल्म भाईजान ने लिस्ट में अक्षय कुमार को पछाड़ा

सलमान खान स्टारर फिल्म सिकंदर ने अपनी रिलीज के तीन दिन पूरे कर लिए हैं. ईद के मौके पर 30 मार्च को रिलीज हुई सिकंदर ने दो दिनों में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 70 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. सलमान खान के फैंस ईद पर एक्शन सिकंदर का थिएटर में लुत्फ उठा रहे हैं. सिकंदर ने तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की और फिल्म का कुल कलेक्शन कितना हो गया है आइए जानते हैं.सिकंदर की दो दिनों की ऑफिशियल कमाई की बात करें तो सिकंदर ने वर्ल्डवाइड 54.72 करोड़ रुपये से खाता खोला था और घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 35.47 करोड़ रुपये कमाए थे. सिकंदर ने दूसरे दिन भारत में 39.37 करोड़ रुपए और ओवरसीज में 11.80 करोड़ रुपये की कमाई की थी. सिकंदर का दो दिनों का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 105.89 करोड़ रुपये का हो गया है. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार, सिकंदर ने तीसरे दिन 19.5 करोड़ रुपये (अनुमानित) की कमाई की है. मंगलवार को फिल्म की कमाई में 32 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है. सलमान खान के पास अब बस एक हफ्ता बचा है, इसके बाद सनी देओल की मास एक्शन फिल्म जाट रिलीज होने जा रही है.सिकंदर के बारे में बता दें कि इसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म सिकंदर का बजट 200 करोड़ रुपये के लगभग है और यह एक मास एंटरटेनर फिल्म है, जिसे गजनी के डायरेक्टर ए आर मुरुगदास ने डायरेक्ट किया है. यह पहली बार है, जब सलमान खान और एआर मुरुगदास साथ में काम करने जा रहे हैं.

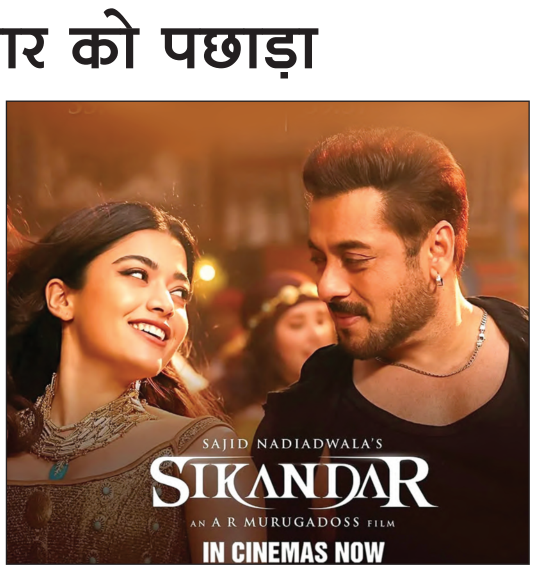

लॉजिस्टिक्स हब बनने की ओर राजस्थान : शर्मा

भजनलाल शर्मा ने जारी की राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी

जयपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजस्थान को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की है। यह नीति राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने और कनेक्टिविटी में वृद्धि करते हुए लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाएगी और राजस्थान को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी।

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार की है कि यहां लगने वाले उद्योग लॉजिस्टिक्स एवं परिचालन लागत को कम रखते हुए निर्यात के साथ-साथ स्थानीय मांग को भी बखूबी पूरा कर सकते हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात के साथ सीमा साझा करते हुए, हमारा राज्य देश के लगभग 40 प्रतिशत बाजार तक पहुंच रखता है। यह भारत के उत्तरी और पश्चिमी भागों के बीच प्रमुख बुनियादी ढांचे की सुविधा के रूप में उद्योगों को कच्चे माल तथा तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में पूरी तरह से सक्षम है। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क राजस्थान में ही है। इसके अलावा 9 इनलैंड कंटेनर डिपो, 7 एयरपोर्ट और एक एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हमें लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में मजबूत स्थिति प्रदान कर रहे हैं। राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 राजस्थान की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाते हुए उद्योगों को भी आगे बढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा जारी राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 में राजस्थान को लॉजिस्टिक्स के लिए पसंदीदा गंतव्य स्थल बनाने के लिए कई आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। इनमें कई तरह की विशेष छूट और अनुदान शामिल हैं। वेयरहाउस, साइलो, कोल्ड स्टोरेज, इनलैण्ड कन्टेनर डिपो, कन्टेनर फ्रेट स्टेशन, एयर फ्रेट स्टेशन, कार्गो टर्मिनल, ट्रकर पार्क इत्यादि के लिए 5 से 50 करोड़ रुपए तक इलिजिबल फिक्स्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट (ईएफसीआई) की 25 प्रतिशत तक

कैपिटल सब्सिडी दस वर्षों तक देने का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क का विकास करने वाले निवेशकों को भी विशेष रियायतें दी गई हैं। निजी मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एकीकृत लॉजिस्टिक्स पार्क डेवलपर्स को 7 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा, जिसकी वार्षिक सीमा 50 लाख रुपए होगी। कर एवं शुल्कों में विभिन्न रियायतें भी दी जाएंगी, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी पर 75 प्रतिशत छूट और 25 प्रतिशत पुनर्भरण, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी पर 7 वर्षों तक 100 प्रतिशत छूट, कन्वर्जन ऑफ लैंड चार्जेज पर 75 प्रतिशत छूट और 25 प्रतिशत पुनर्भरण तथा मंडी फीस पर 7 वर्षों तक 100 प्रतिशत छूट शामिल हैं।

राज्य सरकार ने नीति के माध्यम से युवाओं को सक्षम बनाने और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने के दृष्टिगत भी कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। इसमें दक्षता एवं प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए कार्मिक प्रशिक्षण की कुल लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण (अधिकतम 4000 रुपए प्रति वर्कर प्रति माह, 6 माह तक) का प्रावधान शामिल है। तकनीकी उन्नयन के तहत ट्रक ट्रैकिंग उपकरणों की लागत पर प्रति ट्रक 2000 तक 50 प्रतिशत पुनर्भरण, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन सॉफ्टवेयर के प्रति इंस्टॉलेशन पर 2 लाख रुपए तक 50 प्रतिशत पुनर्भरण और फायर डिटेक्शन सिस्टम की लागत पर 20 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख रूपए) एकमुश्त पुनर्भरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

प्रदेश में अधिक से अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रीको के आगामी औद्योगिक क्षेत्रों में अधिकतम 10 एकड़ अथवा 10 प्रतिशत आवंटन योग्य भूमि लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए ही आरक्षित होगी।

नवरात्र में भागवत कथा का श्रवण बहुत सौभाग्य की बात

जयपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को वैशाली नगर स्थित 'गोविन्द धाम' जानकी पैराडाइज पहुंचकर महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 ईश्वरानंद ब्रह्मचारी उत्तम स्वामी जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण बहुत सौभाग्य की बात होती है। श्रीमद् भागवत कथा से भगवान श्रीकृष्ण के साक्षात स्वरुप का ज्ञान होता है और एक नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों, साधु-संतों, महंतों ने सनातन संस्कृति को दुनिया में आगे बढ़ाते हुए अपना जीवन जनमानस के लिए समर्पित किया है।

भाजपा स्थापना दिवस पर गांव-बस्ती चलो अभियान

अंबेडकर जयंती पर होंगे विशेष आयोजन

दौसा,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने स्थापना दिवस (6 अप्रैल) और अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) को विशेष रूप से मनाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत 'गांव-बस्ती चलो अभियान' की शुरुआत की जाएगी, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता अपने घरों और कार्यालयों पर भाजपा का झंडा फहराएंगे।भाजपा स्थापना दिवस और अंबेडकर जयंती की तैयारियों को लेकर 5 अप्रैल को सुबह 10 बजे विक्रमादित्य महिला शिक्षण संस्थान, लालसोट रोड पर कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित होगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभु दयाल शर्मा ने बताया कि 6 अप्रैल को स्थापना दिवस पर पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को लागू किया जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा स्तर पर विचार गोष्ठी और घर-घर ध्वजारोहण किया जाएगा।भाजपा ने स्थापना दिवस को सफल बनाने के लिए रवि पालीवाल (संयोजक), रामराज गुर्जर (जिला उपाध्यक्ष) और सतपाल मीणा (सहसंयोजक) को जिम्मेदारी दी है। ये टीम मिलकर मंडल स्तरीय टीमें बनाएंगे और कार्यक्रमों में जनसहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के हो काम : दिया कुमारी

जयपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में गुरूवार को शासन सचिवालय में शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों के संरक्षण के संबंध बैठक आयोजित की गई। दिया कुमारी ने प्रमुख शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग, शासन सचिव पर्यटन, झुन्झुनूं,सीकर,चुरू जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तथा पर्यटक स्वागत केन्द्र, बीकानेर,झुन्झुनूं,सीकर उप निदेशक / सहायक निदेशक, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन (विकास) की उपस्थिति में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए आवश्यक उपाय किये जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए इस क्षेत्र से सम्बन्धित बिन्दुओं का ध्यान में रखकर यदि आवश्यक हो तो विरासत संरक्षण बॉयलॉज को भी अपडेट किया जाए।

उपमुख्यमुत्री ने निर्देश दिए कि सीकर,झूंझनूं और चूरू कलेक्टर पटवारियों के माध्यम से शेखावाटी की हवेलियों का सर्वे कर उसका डिजिटलाइजेशन करवाये। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र की हवेलियों के संरक्षण के लिए वृहद स्तर पर विरासत संरक्षण बॉयलॉज की आवश्यता है। जिसके लिए चरणबद्ध कार्य किये जाने की आवश्यकता है।

गोपालन मंत्री की अध्यक्षता में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में गुरुवार को शासन सचिवालय में गोपालन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ समित शर्मा, शासन सचिव पशुपालन एवं गोपालन भी उपस्थित थे। बैठक में गोशालाओं को भूमि आवंटन के नियमों में संशोधन पर राजस्व विभाग के प्रतिनिधि के साथ विस्तृत चर्चा हुई।

वर्तमान नियमों के अनुसार ग्राम पंचायतों में आश्रय स्थल खोलने में कठिनाई हो रही है। कुमावत ने इस समस्या के निराकरण के लिए गौशाला अधिनियम 1960 के दिशानिर्देशों में कुछ लचीलापन लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर आश्रय स्थलों की योजना के नियमों में कुछ संशोधन किया जाए जिससे गोशालाएं खोलने में सुविधा हो और इनकी संख्या बढ़े।

भाजपा के नेता चंडीगढ़ शहर के नागरिकों को गुमराह करना बंद करें : दीपा दुबे

चंडीगढ़,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

चंडीगढ़ महिला कांग्रेस की पूर्व प्रधान दीपा दुबे ने प्रॉपर्टी टैक्स के मसले पर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि शहरवासियों को गुमराह करना बंद करें। उन्होंने कहा कि सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में शहर के नागरिकों के मुद्दे को उठाया है वह एक सराहनीय कदम हैं। उन्होंने आगे कहा कि चंडीगढ़ एक केंद्र शासित प्रदेश है जो गृह मंत्रालय के अधीन आता है।

1 अप्रैल 2025 से चंडीगढ़ में संपत्ति कर और कनेक्टर रेट को तीन गुना बढ़ा दिया गया है। इसके विरोध में जो आज सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में शहर के मुद्दे को उठाया है वह एक सराहनीय कार्य है सांसद मनीष तिवारी पहले भी शहर के मुद्दों को लोकसभा में उठा चुके हैं लेकिन चंडीगढ़ में भाजपा के कुछ नेता सिर्फ शहर की जनता के साथ राजनीतिक करने के सिवाय कुछ नहीं कर रहे पहले फरमान जारी खुद के केंद्रीय शासित प्रशासन से करवाते हैं उसके बाद खुद ही उसका विरोध करते हैं भाजपा के नेता किनकी आंखों में धूल झोंक रहे हैं।

भाजपा ने हाउस टैक्स के खिलाफ खोला मोर्चा मुख्य सचिव से मिलकर जताया विरोध

चंडीगढ़,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

चंडीगढ़ में लागू किए गए हाउस टैक्स को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। गुरुवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, महापौर हरप्रीत कौर बबला, नगर निगम के भाजपा पार्षदों और वरिष्ठ नेताओं ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर इस टैक्स को तुरंत वापस लेने की मांग की।भाजपा नेताओं ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि यह टैक्स जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रहा है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

महापौर हरप्रीत कौर बबला ने कहा कि चंडीगढ़ की जनता पहले से ही महंगाई से जूझ रही है, ऐसे में हाउस टैक्स लगाकर आम नागरिकों को और परेशान करना सरासर अन्याय है। भाजपा पूरी ताकत के साथ जनता के साथ खड़ी है और इस जनविरोधी टैक्स के खिलाफ हरसंभव संघर्ष करेगी। प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि चंडीगढ़ के नागरिकों को पहले से ही केंद्र सरकार कई सुविधाएं दे रही है। ऐसे में नगर निगम द्वारा नया टैक्स लगाकर जनता पर बोझ डालना गलत है। यदि प्रशासन इसे जल्द से जल्द वापस नहीं लेता, तो भाजपा सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

संपत्ति कर और कलेक्टर दरों की बढ़ोतरी पर हंगामा

सांसद मनीष तिवारी ने संसद में उठाई आवाज

चंडीगढ़,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी ने आज लोकसभा में चंडीगढ़ के निवासियों पर थोपी गई संपत्ति कर की अत्यधिक बढ़ोतरी और संपत्ति पंजीकरण के कलेक्टर दरों में हुई अप्रत्याशित वृद्धि का कड़ा विरोध किया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि इस बढ़ोतरी को तुरंत वापस लिया जाए और दिल्ली वित्त आयोग के फॉर्मूले के अनुसार, नगर निगम को चंडीगढ़ के लिए आवंटित 6100 करोड़ रुपये में से 30% यानी 1700 करोड़ रुपये दिए जाएं, ताकि शहर का विकास और जनकल्याण सुनिश्चित हो सके। जहां सांसद मनीष तिवारी जी सदन में जनता की आवाज बुलंद कर रहे हैं, वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एच.एस. लक्की जी सड़क पर इस लड़ाई का नेतृत्व करते हुए कल, 4 अप्रैल 2025 (शुक्रवार) को नगर निगम कार्यालय का घेराव करने जा रहे हैं। आप सभी से अनुरोध है कि इस विरोध प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने के बाद नशा तेजी से बढ़ा है : विज

अम्बाला,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल कल लोकसभा में पारित हुआ क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण बिल था और यह बिल चोरी- ठगी रोकने के लिए है, क्योंकि सारे देश में वक्फ की जमीनों को लूटा जा रहा था। विज ने साफ करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड बिल में कोई पहली बार संशोधन नहीं हुआ है बल्कि इससे पहले भी पांच बार संशोधन हो चुका है। इसी तरह, उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में अब सालों साल नरेंद्र मोदी का सूरज चमकेगा और विपक्षियों की तो काली रात है और काली ही रहेगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में तुष्टिकरण की राजनीति से प्रभावित होकर कांग्रेस की सरकार ने वक्फबोर्ड बिल में बदलाव किया था कि वक्फबोर्ड किसी भी जमीन पर अपना दावा करें तो उसका मालिकाना हक सिद्ध करने की जिम्मेवारी उसकी होती थी जो जमीन पर काबिज है और जिसकी जमीन है।

हरियाणा सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है : सैनी

चंडीगढ़,03 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला और उपमंडल स्तर पर आयोजित समाधान शिविरों में जनता से बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने लोगों की संतुष्टि के स्तर के बारे में प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और उपमंडल मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को भी प्रतिदिन व्यक्तिगत रूप से शिविर में उपस्थित होकर लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों और एसडीएम से प्राप्त शिकायतों, निपटाई गई शिकायतों और लंबित शिकायतों की संख्या के बारे में भी जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया

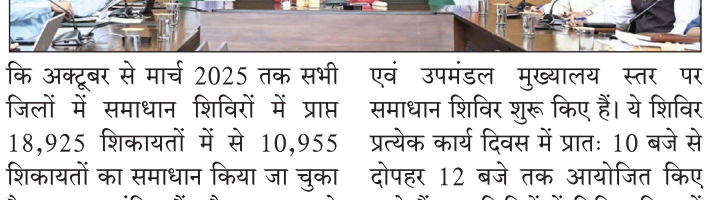

कि अक्टूबर से मार्च 2025 तक सभी जिलों में समाधान शिविरों में प्राप्त 18,925 शिकायतों में से 10,955 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, 6,639 लंबित हैं और 1,331 को खारिज कर दिया गया है। इसी प्रकार, राज्यभर में शहरी स्थानीय निकायों में आयोजित समाधान शिविरों में प्राप्त 8,635 शिकायतों में से 5,761 का समाधान किया जा चुका है, 1,813 लंबित हैं और 1,061 को खारिज कर दिया गया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने जिला एवं उपमंडल मुख्यालय स्तर पर समाधान शिविर शुरू किए हैं। ये शिविर प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं, ताकि अपने-अपने विभागों से संबंधित शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि समाधान शिविरों के संबंध में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग राज्य सरकार की इस पहल का लाभ उठा सकें।मुख्यमंत्री ने कुछ जिलों में शिकायतों के लंबित रहने का कड़ा संज्ञान लेते हुए उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर सप्ताह में एक बार इन शिकायतों की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करें, ताकि लंबित मामलों की संख्या शून्य हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीतिगत निर्णयों से जुड़ी शिकायतों को मुख्य सचिव कार्यालय को भेजा जाना चाहिए, जहां उनके समाधान के लिए सरकार के स्तर पर निर्णय लिए जा सकते हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य लोगों के जीवन को आसान बनाना है, ताकि उन्हें अपने काम करवाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि जिला स्तर के अलावा उप-मंडल मुख्यालयों पर भी नियमित रूप से समाधान शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम के अलावा संबंधित विभागों के अधिकारी भी इन शिविरों में मौजूद रहें, ताकि उनके विभागों से संबंधित जन शिकायतों का तुरंत समाधान सुनिश्चित हो सके।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्त्रोत बढेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा.कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें.आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक-दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता-पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार-चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है.वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख-सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा-सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अप्रैल 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 08:15 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 05:21 तक
योग : शोभन रात्रि 09:44 तक
करण : गर प्रातः 08:54 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : कालरात्रि पूजनम् , भद्रा रात्रि 08:13 से , मलमास चालू है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

रेलवे की ओर से बंद किए गए फाटक को लोगों ने खोला, अंडर पास बनाने की मांग

30 हजार की आबादी प्रभावित

पटना (एजेंसियां)। बख्तियारपुर-रजौली हाइवे के बिहार शरीफ प्रखंड अंतर्गत पावापुरी रेलवे ओवरब्रिज के पास बने फाटक को अचानक बुधवार रात को बंद कर दिया गया। गुरुवार सुबह जब स्थानीय लोगों की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि सड़क पर बड़े-बड़े स्लैब रखकर आवागमन को अवरुद्ध कर दिया गया है। इसके बाद आसपास के लोगों ने जब हंगामा किया तो स्लैब के एक हिस्से को सड़क से हटाकर पुनः आवागमन को शुरू किया गया।

स्थानीय लोगों में श्रीकांत पांडे, नागेंद्र कुमार सिंह और अन्य लोगों ने कहा कि बिना अंडर पास निर्माण कराए ही फाटक को बंद कर दिया गया था। चोरी छुपे रेलवे प्रशासन के द्वारा यह काम किया गया। हालांकि, जब उन लोगों ने विरोध किया तो सड़क से एक स्लैब को हटा दिया गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि बिना अंडरपास निर्माण के ही फाटक बंद कर देना यह तानाशाही रवैया है। बच्चे बड़े सभी इस फाटक के बंद हो जाने से प्रभावित हो जाएंगे। आपातकाल की स्थिति में भी अगर लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचना होगा तो 10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ेगा। इसके अलावा अगर किसी घर, मकान या दुकान में आग लगती है तो दमकल की गाड़ियों को भी अतिरिक्त सफर तय कर यहां पहुंचना पड़ेगा। रोजी रोजगार के सिलसिले में बिहार शरीफ जाने वाले ग्रामीण और मोहल्लेवासी भी इससे सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। हम लोगों की यही मांग है कि पहले अंडरपास का निर्माण कराया जाए। इसके बाद ही रेलवे प्रशासन फाटक बंद करने की पहल करे।

बिहार शरीफ नगर निगम के अधीन वार्ड नंबर 50 के लोगों को रेलवे ओवरब्रिज के नीचे की सड़क बंद होने से खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे फाटक अगर भविष्य में बंद किया जाता है तो वार्ड नंबर 50 के विजयनपर मोहल्ला तीन हिस्सों में बट जाएगा। चार पहिया या दो पहिया वाहन से मोहल्ले के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाने में लोगों को पांच से छह किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ेगा।

नेशनल हाइवे-20 पर रेलवे ओवरब्रिज पावापुरी के पास बन जाने से गाड़ियां फराटे भर रही हैं। जबकि इस रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एवं आसपास रहने वाली करीब 30 हजार की आबादी फाटक के बंद होने से प्रभावित हो जाएगी।

फाटक के बंद होने से बिहार शरीफ नगर निगम क्षेत्र के देवीसराय, किसान बाग, बैंक कॉलोनी, मेहरपर, सिपाह, पहाड़पुर, राणा बीघा, विजयनपर के अलावे कोराई पंचायत के देवधा, महानंदपुर, कासिमचक, श्रीरामनगर, कोराई गंगाबीघा, पचौरी पंचायत के पचौरी, लाखरावां, सकरौल पंचायत के सकरौल, मेहनौर, फतेहअली, तुंगी पंचायत के तुंगी एवं फतेहअली पैनापुर समेत अन्य गांव के लोग इससे सीधे प्रभावित होंगे।

रेलवे फाटक बंद हो जाने से सड़क मार्ग से आने जाने वाले ही लोग नहीं, बल्कि बिहार शरीफ से पावापुरी रेलवे हाल्ट ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले यात्रियों की भी समस्या बढ़ जाएगी। अगर फाटक बंद कर दिया जाता है तो 10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय कर वाहन चालकों को पावापुरी रेलवे हाल्ट के पास पहुंचना पड़ेगा। पटना या राज-गीर जाने के लिए हजारों यात्री प्रतिदिन बिहार शरीफ की ओर से पावापुरी रेलवे हाल्ट पहुंचते हैं।

पावापुरी रोड रेलवे स्टेशन के समीप बिहार शरीफ से नवादा जाने वाली रोड पर बने फाटक के पास अंडर पास निर्माण के लिए स्थानीय सांसद के पास भी मोहल्ले वासियों ने गुहार लगाया है। ना-लन्दा सांसद कौशलेंद्र कुमार ने भरोसा दिया है कि वह इस मामले को रेल मंत्रालय के समक्ष रखेंगे और समस्या का जल्द से जल्द समाधान हो इस बात की कोशिश की जाएगी।

वहीं, जब इस मामले में सदर एसडीओ काजले वैभव नितिन से फाटक बंद करने और सड़क को अवरुद्ध करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस मामले में जानकारी होने से अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन द्वारा इस बात की उन्हें जानकारी नहीं दी गई है। इस संबंध में पता लगाकर ही विस्तृत जानकारी दी जा सकती है।

आरपीएफ इंस्पेक्टर जवाहर लाल ने कहा कि एनएच-20 पर बना आरओबी पूरी तरह से चालू हो गया है। जिसके कारण रेलवे के द्वारा चिट्ठी प्राप्त हुई थी की फाटक को बंद कर दिया जाए। इसी सिलसिले में बुधवार की रात आरपीएफ के साथ रेलवे के अधिकारी पावापुरी फाटक के पास पहुंचकर उसे बंद कर दिया था। लेकिन स्थानीय लोगों के द्वारा पुनः उसे खोल दिया गया है। फिर से टीम को रेलवे फाटक को बंद करने के लिए भेजा जा रहा है।

गया जंक्शन पर लगे एटीएम मशीन में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

गया (एजेंसियां)। गया जंक्शन स्थित टिकट बुकिंग कार्यालय के बाहरी हिस्से में लगी हिताची कंपनी की एटीएम मशीन में अचानक आग लग गई। वहां मौजूद यात्रियों और रेलकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। आग बुझाने के लिए रेलवे के संसाधन नाकाफी साबित हुए, जिसके बाद रेल प्रशासन ने फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। महज पांच मिनट के अंदर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया, जिससे एटीएम में रखे नोट जलने से बच गए।

रेल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार देर रात लगभग साढ़े 12 बजे के बाद एक यात्री जब एटीएम से पैसे निकालने पहुंचा तो उसने मशीन से धुआं उठते देखा। स्थिति को भांपते हुए उसने रेलवे थाना जाकर सूचना दी। रेलवे थाना में ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक बीरेंद्र प्रसाद ने टिकट बुकिंग कार्यालय को आग की सूचना दी।

शीघ्र ही वरिष्ठ रेलकर्मी रामजी सिंह अपने सहयोगी के साथ अग्निशमन यंत्र लेकर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन रेलवे के चार अग्निशमन सिलेंडर भी आग पर काबू नहीं पा सके। इस बीच रेलवे पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी। फायर ब्रिगेड की टीम तीन से चार मिनट के अंदर मौके पर पहुंची और अपनी मुस्तैदी से आग को फैलने से रोक दिया।

फायर बिग्रेड के पदाधिकारी के अनुसार सूचना मिलते ही हमारी टीम तीन से चार मिनट में पहुंच गई और तुरंत ही आग पर काबू पा लिया गया। एटीएम में रखे सभी नोट सुरक्षित हैं। हालांकि मौके पर एटीएम कंपनी का कोई कर्मचारी या गार्ड नहीं मिला। खबर लिखे जाने तक आग कैसे लगी सही कारणों का पता अब तक नहीं चल सका है। फिलहाल रेल प्रशासन आग कैसे लगी, उसे पता लगाने में जुटी है।

चलती बस में अचानक लग गई आग यात्रियों ने कूदकर बचाई अपनी जान

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी में सुगौल से दिल्ली जा रही एक बस में अचानक आग लग गई, जिससे पूरी बस धू-धूकर जलकर खाक हो गई। हालांकि, इस हादसे में सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ।

यह घटना बुधवार देर रात की है, जब शिवमहिमा नामक बस में सफर कर रहे यात्रियों ने आग लगने के संकेत पहले ही देख लिए थे। यात्रियों के अनुसार, बस में सीटों से अधिक लोग सवार थे और आग बस के अंदर ही सुल-गने लगी थी।

यात्रियों ने कई बार ड्राइवर को आग के बारे में बताया, लेकिन उसने इसे नजरअंदाज कर दिया और कहा कि थोड़ी देर में आग खुद ही बुझ जाएगी। जैसे ही बस मोतिहारी के पिपराकोठी थाना क्षेत्र स्थित बंगरी ओवर ब्रिज के पास पहुंची, आग तेजी से फैल गई और बस जलने लगी। यात्रियों ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन उनका सारा सामान आग में जलकर खाक हो गया।

इधर, यात्रियों का कहना है कि बस में आपातकालीन खिड़की पर लोहे की चादर लगी हुई थी, जिससे बाहर निकलना मुश्किल हो गया। साथ ही, बस पहले से ही खराब थी और ठीक से रफ्तार नहीं पकड़ रही थी, इसके बावजूद ड्राइवर जबरदस्ती बस को घसीटता रहा। जब आग ने विकराल रूप ले लिया, तो ड्राइवर खिड़की से कूदकर भाग गया। वहीं, सूचना मिलते ही पिपराकोठी थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह आग पर काबू पाया। थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने बताया कि बस के संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ बिल के समर्थन में बंटी मिठाई, विरोध करने वालों की सद्बुद्धि के लिए किया गया हवन यज्ञ

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन बिल के लोकसभा में पास होने के बाद से अब इसको राज्यसभा में भी पास करने के लिए चर्चा जारी है। मुजफ्फरपुर में वक्फ बिल के लोकसभा में पास होने के बाद शहर में जश्न मनाया गया। लोगों में खुशी का माहौल रहा तो वहीं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई।

जश्न मनाए जाने से पहले पुरोहितों ने बाबा गरीबनाथ मंदिर में हवन यज्ञ का आयोजन किया। इस बिल के राज्यसभा में भी सफल पास होने की उम्मीद जताई। सभी लोगों ने एक सुर में देश के मुसलमान के हित में इस बिल को बताया और चंद मुस्लिम के ठेकेदारों को संदेश दिया कि हम लोग तो यहां इसलिए यज्ञ हवन कर रहे हैं कि भगवान-खुदा-अल्लाह ऊपर वाले इनको सद्बुद्धि प्रदान करें कि यह बिल मुसलमान के हित में है न कि मुसलमान के खिलाफ। ऐसे लो-गों को मुस्लिम समाज को दरकिनार करना चाहिए और उनके हित में खासकर मुस्लिम महिलाएं गरीब पसमांदा मुस्लिम, जिसके लिए यह बिल लाया जा रहा है। उसके समर्थन में आगे आकर सरकार को इसके लिए बधाई देनी चाहिए।

बाबा गरीबनाथ मंदिर से इसी क्रम में बेहद सुंदर तस्वीर सामने आई है। जहां पर मंदिर के सभी पुरोहितों और आए हुए भक्तों ने इस बिल के राज्यसभा में पास होने की उम्मीद में हवन यज्ञ किया।इस दौरान बड़ी संख्या में इस बिल को लेकर खुशी जाहिर किया और देश के पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया।

मंदिर के पुजारी और महंत पंडित अभिषेक पाठक ने बताया, यह देश के लिए बड़ा ही सुंदर और अद्भुत क्षण है कि देश के अल्पसंख्यक मुसलमान खासकर गरीब मुसलमान का अब अपना आशियाना होगा। वक्त के नाम पर जिस प्रकार से राजनीति और चंद लोगों के हाथ में जमीन और संपत्ति थी, वह अब गरीबों को मिल जाएगी। हम लोग इस खुशी में पटाखा फोड़कर मिठाई बांटकर और गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दे रहे हैं। यहां कोई हिंदू नहीं, बल्कि हर एक भारतीय हैं और यह देश के लिए बड़ा ही गौरव का क्षण है।

बदमाशों ने पांच लाख की रंगदारी न देने पर बुलेट बाइक में लगाई आग, गांव में पुलिस तैनात

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि रंगदारी न देने पर खुलेआम आगजनी और मारपीट की घटनाओं को अंजाम दे दे रहे हैं। ताजा मामला जिले के नीमा चांदपुरा थाना क्षेत्र के वन्द्वार गांव का है, जहां हथियार से लैस बदमाशों ने पांच लाख रुपये रंगदारी न देने पर एक बुलेट बाइक में आग लगा दी। इस घटना का एक वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें बाइक जलती हुई नजर आ रही है।

घटना को लेकर पीड़ित पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि उनके छोटे बेटे मोनू उर्फ लक्ष्मीकांत गौतम के मोबाइल पर गांव के ही कन्हैया कुमार ने फोन कर पांच लाख रुपये रंगदारी की मांग की थी।

जब पैसे देने से इनकार किया गया, तो बदमाशों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

उन्होंने बताया कि बुधवार की रात पुरुषोत्तम सिंह जब अपने हार्डवेयर की दुकान में बंद कर बुलेट बाइक से घर लौट रहे थे, तभी कन्हैया कुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर हथियार के बल पर उन्हें रोक लिया। इसके बाद मारपीट करते हुए 7,500 रुपये और सोने की चेन छीन ली। पीड़ित के अनुसार, कन्हैया कुमार के परिवार के सदस्य भी इस घटना में शामिल थे।

मारपीट के बाद आरोपियों ने पुरुषोत्तम सिंह की बुलेट बाइक पर पेट्रोल छिड़का और उसे आग के हवाले कर दिया। कुछ ही देर में बुलेट धू-धू कर जलने लगी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया और लोग सहमे हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही नीमा चांदपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे गांव में कैंप शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि गांव में पिछले कुछ समय से असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे लेकर पहले भी शिकायतें मिली थीं।

पुलिस प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गांव में लगातार गश्त बढ़ा दिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि गांव में शांति बनी रहे।

फिलहाल ग्रामीणों में इस घटना को लेकर रोष है और वे प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

लाल सलाम के नाम पर मांगी जा रही थी रंगदारी नक्सली मूवमेंट की खबर से दहशत में व्यवसायी

मोतिहारी (एजेंसियां)। बिहार में मोतिहारी के भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र स्थित घोड़ासहन शहर के तीन बड़े व्यवसायियों से अपराधियों ने पांच-पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगकर शहर में एक बार फिर से दहशत फैला दिया है। लाल सलाम कर रंगदारी की मांग सभी दुकानदा-रों से की गई है। अपराधियों ने मिशन 2.0 के तहत पैसों की मांग की है। साथ ही पैसा नहीं देने पर उनके व्यवसाय को धराशाई कर देने और पुलिस प्रशासन से दूर रहने की धमकी भी दी है।

मामला सीमावर्ती क्षेत्र में रंगदारी से जुड़े होने और नक्सलियों के फिर से एक्टिव मोड में आने के कारण पुलिस अलर्ट मोड में आई है और देर रात ताबड़तोड़ छापेमारी करती रही।

घोड़ासहन थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनुज कुमार पांडेय ने बताया, शहर के बाजार निवासी रेडीमेड के थोक व्यवसायी पन्नालाल शाह, कपड़ा दुकानदार रामबाबू शाह तथा मेन रोड स्थित हिंद किराना स्टोर के संचालक इंतखाब से मैसेज और कॉल कर अपराधियों ने पांच-पांच लाख की फिरौती मांगी है।

दुकानदारों द्वारा दिए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में फोन नंबर के आधार पर एक सरकारी शिक्षक साहब आलम और उसके भाई को हिरासत में लिया गया था। कड़ी पूछताछ करने और टेक्नीकल सेल की पुलिस के द्वारा पूछताछ के आधार पर व्यक्ति को जेल भेजा जा रहा है।

कुछ मोबाइल फ़ोन को भी बरामद किया गया है। सभी की जांच चल रही है। विभिन्न बिन्दुओं पर मामले की जांच चल रही है।

इस संबंध में सिकरहना एसडीपीओ अशोक कुमार ने बताया कि मंगलवार को तीन दुकानदारों से रंगदारी मांगी गई थी। मामले में दो भाइयों को हिरासत में लिया गया था, जिसमें एक भाई साहब आलम सरकारी शिक्षक को जेल भेजा जा रहा है। रंगदारी के लिए भेजे गए मैसेज में लाल सलाम का जिक्र है एवं शिक्षक के पिता भी पूर्व में कम्युनिस्ट के नेता रहे हैं। पुलिस सभी बिंदु पर जांच कर रही है।

मौत के बाद फूटा गुस्सा, लोगों ने सड़क पर शव रखकर किया प्रदर्शन

सहरसा (एजेंसियां)। सहरसा जिले में सलखुआ थाना क्षेत्र के गोरदह निवासी एक किसान के कीटनाशक खाकर इहलीला समाप्त करने का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने फाइनेंस कंपनी कार्यालय का घेराव कर जमकर हंगामा किया। 50 वर्षीय किसान देवानंद पासवान का शव लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को शव सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन किया। सभी आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंचे सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। परिजनों ने बताया कि बेटी की शादी के लिए उनकी पत्नी ने एलएनटी फाइनेंस कंपनी से कर्ज लिया था, जिसकी मासिक किश्त 4200 रुपये थी। तीन महीने की किश्त बकाया होने के कारण मंगलवार सुबह करीब आठ बजे फाइनेंस कंपनी का कर्मी उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए अपमानजनक बातें कहीं। इससे आहत होकर देवानंद पासवान ने कीटनाशक खा लिया। परिजन उन्हें सिमरी बख्तियारपुर स्वास्थ्य केंद्र और फिर निजी अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

पटना में छात्रा समेत दो लोगों के शव मिलने से हड़कंप

पटना (एजेंसियां)। राजधानी पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र में एक ही दिन में दो सुसाइड से सनसनी मच गई है। पहली घटना मछुआटोली इलाके में हुई। यहां एक हॉस्टल के कमरे में 23 वर्षीय छात्रा कोमल रानी की लाश फंदे से झूलती मिली। वहीं दूसरी घटना मुसल्लहपुर स्थित नाथू लेन में हुई। यहां एक मकान के कमरे में युवक की लाश मिली। पुलिस का कहना है दोनों मामले आत्महत्या के प्रतीत हो रहे हैं।

इधर, छात्रा की मौत के बाद स्थानीय लोगों का कहना है कि छात्रा ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। वह नालंदा जिले की निवासी थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। लोगों का कहना है कि कोमल रानी लंबे समय से डिप्रेशन का शिकार थी। इसके लिए उनके परिजन झाड़-फूंक के साथ-साथ डॉक्टर से भी इलाज करवा रहे थे। आशंका है कि उसने बुधवार रात फंदे से झूलकर जान दे दी। इधर, आत्महत्या के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला। इसमें लिखा था कि मैं अपनी इच्छा से आत्महत्या कर रही है और इसमें किसी का दोष नहीं है। सूत्रों का कहना है कि कोमल की एक सहेली ने भी लगभग तीन साल पहले प्रतियोगिता परीक्षा में असफलता मिलने पर आत्महत्या कर ली थी, जिससे वह मानसिक रूप से प्रभावित थी। वहीं दूसरी घटना मुसल्लहपुर स्थित नाथू लेन में हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक युवक ने पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घटना की जानकारी मिलते ही कदमकुआं थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com